नई दिल्ली । शनिवार, 27 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :172/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः तुर्किये का दमदार प्रदर्शन... @ विचार महिलाओं का एक और 'जौहर'... @ व्यापार पीयूष गोयल को भारत-ब्रिटेन संबंधों को नई ऊंचाई...

श्री राम मंदिर ट्रस्ट : महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा

श्री राम मंदिर के चंदा चोरी मामले में देश में छिड़ी बहस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ी की जांच के बीच शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

राम मंदिर के लिए मिले दान में 7 करोड़ रुपए से ज्यादा की हेराफेरी के आरोप के बाद मंदिर प्रशासन में हो रहे बदलावों के तहत इन इस्तीफों को एक अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं थे, लेकिन बढ़ती जांच के बीच उनके फैसलों को नैतिक जिम्मेदारी लेने के तौर पर देखा जा रहा है। राम मंदिर के चंदा चोरी मामले ने पूरे देश में एक बहस छेड़ दी है, जिससे मंदिर प्रशासन में लोगों का भरोसा डगमगा गया है। एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को दान के लेन-देन में गड़बड़ी मिली, जिसके बाद आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं था, लेकिन अपनी लीडरशिप भूमिकाओं के कारण वे इस विवाद के केंद्र में आ गए।

दोनों ने मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके और राम मंदिर की पवित्रता बनी रहे। 80 साल के चंपत राय उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में पैदा हुए थे और सार्वजनिक जीवन में आने से पहले केमिस्ट्री के प्रोफेसर थे। वह कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) से जुड़ गए थे और बाद में 1980 में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) में शामिल हो गए। राम मंदिर के लिए दशकों तक चले संघर्ष में वे एक अहम चेहरा थे। इमरजेंसी के दौरान उन्होंने 18 महीने जेल में बिताए, जिससे उस मकसद के लिए काम करने का उनका संकल्प और मजबूत हुआ जिसमें वे यकीन रखते थे। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फरवरी 2020 में 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' बनाया गया और चंपत राय को इसका जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया। कहा जाता है कि वे मंदिर के निर्माण, प्रशासन और दान के मैनेजमेंट की देखरेख कर रहे थे।

वहीं अनिल मिश्रा 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के ट्रस्टी थे, जिनका काम अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और मैनेजमेंट की देखरेख करना था। उनकी भूमिका मुख्य रूप से प्रशासनिक थी। वे दान के लेन-देन और संगठन से जुड़े कामों समेत मंदिर के कामकाज की देखरेख के लिए दूसरे ट्रस्टियों के साथ मिलकर काम करते थे।

आठ आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए

अयोध्या (आईएएनएस)। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किए जाने के बाद तीन दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रही है और सोमवार को उन्हें दोबारा अदालत में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी। पुलिस के अनुसार, मोहर्रम अवकाश के चलते सभी आरोपियों को स्पेशल रिमांड मजिस्ट्रेट निवेदिता सिंह की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। तीन दिन बाद आरोपियों को फिर अदालत में पेश किया जाएगा। इस मामले में गुरुवार को अयोध्या कोतवाली में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई थी। मुकदमे में मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, ट्रस्ट कर्मचारी अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, अविनाश शुक्ल और सेवानिवृत्त बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव को नामजद किया गया है। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कोलकाता गोदाम हादसा : कंस्ट्रक्शन कंपनी और आर्किटेक्ट ब्लैकलिस्ट

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित तारातला में बन रहे एक गोदाम की छत गिरने से मरने वालों की संख्या शुक्रवार सुबह तक बढ़कर 15 हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने गोदाम बनाने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी और इस स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट, दोनों को पूरी तरह से ब्लैकलिस्ट करने की घोषणा की।

इसका मतलब है कि वे अब राज्य में कोई भी प्रोजेक्ट, चाहे वह प्राइवेट हो या सरकारी, नहीं ले सकते। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मीडिया से कहा, 'कंस्ट्रक्शन कंपनी 'अयान ट्रेडर्स' की तरफ से निगरानी में कमी थी। इस मामले में स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट भी अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। इसीलिए कंस्ट्रक्शन कंपनी और स्ट्रक्चर के आर्किटेक्ट को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।' पता चला है कि शंभूनाथ बेहरा नाम के एक व्यक्ति ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट अथॉरिटी से 30 साल की लीज पर जमीन ली थी, ताकि वहां तीन मंजिला गोदाम बनाया जा सके। बेहरा ने कंस्ट्रक्शन का काम 'अयान ट्रेडर्स' को दिया, जो पोर्ट एरिया में कई कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट संभाल रही थी। बुधवार को तारातला में बन रहे गोदाम की छत गिरने के मामले में कोलकाता पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की शुरुआती जांच से पता चला है कि दो वजहों से यह हादसा हुआ। खराब क्वालिटी का कंस्ट्रक्शन मटीरियल इस्तेमाल करना और गलत कास्टिंग पैटर्न अपनाना। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है।

कोलकाता पुलिस ने कहा कि वे तारातला में बन रहे गोदाम की साइट पर हादसे के समय मौजूद मजदूरों की सही संख्या का पता नहीं लगा पाए, क्योंकि मैनेजरों ने कोई अटेंडेंस रिकॉर्ड नहीं रखा था। पुलिस के मुताबिक, गोदाम में मजदूरों का कोई रजिस्टर नहीं था और इसलिए मलबे के नीचे कितने लोग अभी फंसे हो सकते हैं, इसकी कोई सही गिनती नहीं है। मुख्यमंत्री अधिकारी के मुताबिक यह 'अयान ट्रेडर्स' और आर्किटेक्ट की जिम्मेदारी थी कि वे निगरानी करें और देखें कि कंस्ट्रक्शन स्टैंडर्ड सेफ्टी नियमों के अनुसार और अच्छी क्वालिटी के कंस्ट्रक्शन मैटेरियल का इस्तेमाल करके किया जा रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस मामले में कम से कम निगरानी भी नहीं की गई।

पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा, श्री नवशक्ति विनायक मंदिर में करेंगे दर्शन

एजेंसी ■ विक्टोरिया

सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आधिकारिक दौरे पर सेशेल्स पहुंचेंगे। पीएम वहां के एकमात्र गणेश मंदिर, श्री नवशक्ति विनायक मंदिर में भगवान के दर्शन करेंगे। सेशेल्स में रहने वाला भारतीय समुदाय प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए उत्साहित है। श्री नवशक्ति विनायक मंदिर सहित कई स्थानों पर स्वागत की विशेष तैयारियां की गई हैं।

विक्टोरिया, सेशेल्स में श्री नवशक्ति विनायक मंदिर की एग्जीक्यूटिव कमेटी की सदस्य सुंदरी जवाहर ने बताया, 'हम 35 साल पहले विदेशी वर्कर के तौर पर सेशेल्स आए थे और फिर हमने यहां की नागरिकता ले ली। मेरे पति और मैं अब सेशेल्स के नागरिक हैं। हमारे बच्चे यहीं पले-बढ़े हैं, इसलिए हम यहां के समाज से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं।' सुंदरी जवाहर बताया कि भारत और सेशेल्स की सरकारों के

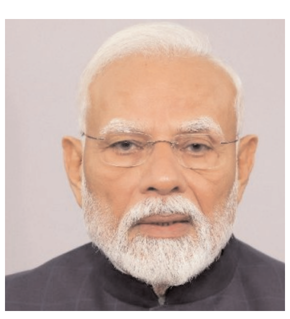

बीच आपसी समझ बहुत अच्छी है, क्योंकि भारत सरकार समुद्री इलाके को मजबूत करने में हमारी मदद कर रही है। हिंद महासागर में हम समुद्री सीमा साझा करते हैं, इसलिए वे इस मामले में हमारी मदद कर रहे हैं। शिक्षा हो या स्वास्थ्य, हर क्षेत्र में हमें भारत सरकार से बहुत सहयोग मिलता है। विक्टोरिया, सेशेल्स में हिंदू कोविल संगम श्री नवशक्ति विनायक मंदिर के चेयरमैन कंदासामी नटेसन ने बताया कि यह मंदिर यहां के लोगों की आस्था का केंद्र है। रोजाना यहां हजारों लोग दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में हमेशा साफ-सफाई होती रहती है।

पीड़ित पिता का दावा, 'सिया को पता था हेयर पैच का सच, यह हत्या की वजह नहीं हो सकती'

एजेंसी ■ पुणे

केतन अग्रवाल के पिता, विशाल अग्रवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके बेटे की मंगेतर और हत्या की आरोपी सिया गोयल और उनके परिवार को पहले से पता था कि वह हेयर पैच इस्तेमाल करते थे। उन्होंने कहा कि यह हत्या की वजह नहीं हो सकती।

केतन अग्रवाल की पुणे के पास लोहागढ़ किले में हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि यह हत्या सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने की थी। विशाल अग्रवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि इस मामले की सुनवाई तेजी से होगी।

उन्होंने न्यायिक प्रणाली में पूरा भरोसा जताते हुए कहा, 'सीएम फडणवीस ने मुझे भरोसा दिलाया है कि वह खुद इस मामले को देखेंगे, इसकी सुनवाई तेजी से होगी और दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जाएगी।' उन्होंने कहा, 'मैंने आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग की है। मुझे पता चला है कि मामले की जांच के लिए पहले ही एक एसआईटी बना दी गई है।'

केतन के पिता ने कहा, 'केतन एक छोटा सा हेयर पैच इस्तेमाल करते थे, यह बात उन्हें (सिया और उनके परिवार को) पहले ही बता दी गई थी। क्या यह किसी के बच्चे की हत्या की वजह हो सकती है? अगर वह उन्हें पसंद नहीं करती थीं, तो वह आसानी से मना कर सकती थीं।'

विशाल अग्रवाल ने कहा कि ट्रेकिंग का आइडिया केतन का था, न कि सिया का, जांच पूरी होने पर यह साफ हो जाएगा। मेरी जानकारी के मुताबिक, सिया ट्रेकिंग पर जाना चाहती थीं। मुझे सिया की शराब पीने की आदतों या चेतन चौधरी के साथ उसकी दोस्ती के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।'

इस बीच, मुख्य आरोपी सिया के माता-पिता ने घटना पर हैरानी जताई है, पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि मामले में जो भी दोषी पाया जाए (उनकी बेटी भी शामिल हो सकती है) उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सिया के पिता, प्रवीण गोयल ने युवक की मौत पर दुख जताया और कहा कि केतन के परिवार के लिए यह नुकसान ऐसा है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

सिया की मां पूजा गोयल ने भी इस घटना पर हैरानी जताई और कहा कि चाहे कोई भी दोषी पाया जाए, न्याय जरूर होना चाहिए। पूजा गोयल ने कहा, 'जब मैंने इस घटना के बारे में सुना, तो मुझे गहरा सदमा लगा। मैं सोचती रही कि ऐसा कैसे हो सकता है। केतन का परिवार आज जो दुख झेल रहा है, वह बहुत बड़ा है, लेकिन मुझे और भी ज्यादा दुख हो रहा है क्योंकि दो परिवार बर्बाद हो गए हैं। केतन बहुत अच्छा इंसान था। अगर इस मामले में कोई भी दोषी पाया जाता है, तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, भले ही वह मेरी बेटी ही क्यों न हो।'

ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर

एजेंसी ■ वाशिंगटन

युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की।

व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।' इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी

वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है। डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।'

पिकअप गहरी खाई में गिरी, छह लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर उपमंडल के तहत तकलेच चौकी क्षेत्र में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि उरमण के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अधिक ऊंचाई से गिरने की वजह से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद सभी शवों को खाई से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पिकअप वाहन उरमण के पास अचानक नियंत्रण खो बैठा और गहरी खाई में गिर गया। फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

ड्रग्स के व्यापारियों के प्रति सख्त अप्रोच रखनी होगी : शाह

आने वाले 100 वर्ष के भविष्य के लिए यह लड़ाई हमें दृढ़ता के साथ जीतनी चाहिए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' और 'एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट -2025' का विमोचन और जम्मू और गुवाहाटी में एनसीबी के जोनल कार्यालयों का ई-उद्घाटन भी किया। अमित शाह ने 'ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' की शुरुआत भी की, जिसमें 6,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करने का लक्ष्य रखा गया है।

अपने संबोधन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज हमारा

देश नारकोटिक्स के खिलाफ लड़ाई के ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां पर आने वाले 3 साल यह तय करेंगे कि नशा हम पर विजय प्राप्त करेगा या हम नशे पर विजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के आने वाले 100 वर्ष के भविष्य के लिए यह लड़ाई हमें दृढ़ता के साथ संयुक्त प्रयास से जीतनी चाहिए। यह लड़ाई कोई एक विभाग, राज्य, सरकार याव्यक्ति नहीं लड़ सकता बल्कि इसके लिए सभी राज्यों और उनके संबंधित विभागों को एक साथ एक मंच पर आना होगा। इस लड़ाई में हमें जनता को प्रेरित करने वाले संतों, देश का भविष्य तय करने वाले युवाओं और हमारी मातृशक्ति को भी जोड़ना पड़ेगा, तभी इस लड़ाई में हम पूरी तरह से सफल हो सकेंगे।

अमित शाह ने कहा कि मादक पदार्थों की समस्या केवल कानून व्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक हितों की रक्षा और हमारी युवा पीढ़ी और उसके माध्यम से देश के भविष्य के साथ जुड़ी हुई समस्या है। इस समस्या पर संपूर्ण विजय प्राप्त करना भारत के सभी राज्यों का एक सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि ड्रग तस्करी, संगठित अपराध, नार्को टेरर फाइनेंस और सीमापार के आतंकी नेटवर्क के वित्त पोषण के साथ यह समस्या एक नार्को-आतंकवाद पारिस्थितिकी तंत्र का विकास भी बन चुकी है।

आयरलैंड ने भारत को पहली बार हराया, 34 रन से जीता पहला टी20

एजेंसी ■ बेलफास्ट

आयरलैंड ने सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले जा रहे टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 34 रन से हरा दिया है। आयरलैंड की यह जीत ऐतिहासिक है। यह पहला मौका है, जब आयरलैंड ने भारतीय टीम को हराया है। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई।

183 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सैमसन (5), ईशान किशन (1) और कप्तान श्रेयस अय्यर (3) का विकेट जल्दी गिर गया। अभिषेक शर्मा एकमात्र बल्लेबाज रहे, जो अपने अंदाज में खेलते हुए नजर आए। अभिषेक ने 20 गेंदों पर 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली।

तिलक वर्मा (19), शिवम दुबे (25), और अक्षर पटेल (15) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं

बदल सके। नियमित अंतराल पर विकेट खो रही भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और 34 रन से मैच गंवा बैठी। आयरलैंड की तरफ से मैथ्यू हम्फ्रीज ने 3, मैथ्यू होलार्ड ने 3 विकेट लिए। जय मूंद्रा ने 2 विकेट लिए। लियाम मैकार्थी और गारेथ डेलानी ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने 9 विकेट पर 182 रन बनाए हैं। आयरलैंड की तरफ से कप्तान टकर 36 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन बनाए। इसके अलावा, डेलानी 32 गेंदों पर 3 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम की तरफ से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 24 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। शिवम दुबे ने 3 ओवर में 18 रन देकर 1 विकेट लिया। वाशिंगटन सुंदर महंगे रहे। उन्होंने 1 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 19 रन लुटाए। अक्षर पटेल ने 4 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत की तरफ से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा सबसे महंगे रहे।

सीएम योगी के नोएडा दौरे पर 2478 करोड़ की 70 परियोजनाओं की सौगात

विश्व केसरी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह नोएडा में कुल 2,478 करोड़ रुपये की 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें 1,045 करोड़ रुपये की 5 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 1,434 करोड़ रुपये की 65 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री का यह दौरा नोएडा और आसपास के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण ने कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम स्थल से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक का जायजा स्वयं प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री सबसे पहले सेक्टर-96 स्थित नवनिर्मित मुख्य प्रशासनिक भवन का लोकार्पण करेंगे। करीब 390 करोड़ रुपये की लागत से बने इस आधुनिक भवन में नोएडा प्राधिकरण के विभिन्न विभाग एक ही परिसर में संचालित होंगे, जिससे नागरिकों को बेहतर और तेज सेवाएं मिल सकेंगी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री 608 करोड़ रुपये की लागत से तैयार डीएससी रोड पर अगाहपुर पेट्रोल पंप से एनएसईजेड तक लगभग 5.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। हालांकि इस मार्ग को नवंबर 2025 में ट्रायल के लिए खोल दिया गया था लेकिन अब इसका औपचारिक लोकार्पण होगा। साथ ही विभिन्न सेक्टरों में सीवर लाइन बिछाने और रेन वाटर ड्रेन निर्माण जैसी परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया जाएगा।

शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाओं में भंगेल एलिवेटेड रोड पर पिलर संख्या-59 के पास क्लोवर लीफ इंटरचेंज का निर्माण, सेक्टर-145 में पांच प्रतिशत आवासीय भूखंडों का विकास, चौड़ी सड़क और नाली निर्माण, दलित प्रेरणा स्थल के सिविल एवं विद्युत कार्यों का अनुरक्षण, शाहदरा ड्रेन और विभिन्न जोनल सड़कों के सुदृढ़ीकरण, सेक्टर-8, 5, 9 और 10 में सड़क एवं पुलिया निर्माण, गिझौड़ तक नाले को ढकने का कार्य, एमपी-2 एलिवेटेड रोड पर नॉइज बैरियर लगाना तथा सेक्टर-38ए स्थित बॉटेनिकल गार्डन बस डिपो का नवीनीकरण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इनके अलावा भी कई विकास कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सेक्टर-96 में विशेष हैलीपैड तैयार किया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री शनिवार दोपहर एक बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर पहुंचेंगे। वहां यमुना सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) से जुड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास करने के साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से नोएडा पहुंचकर प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करेंगे और एमएसएमई कार्यक्रम में भाग लेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर कार्यक्रम स्थल पर पुलिस, पीएसी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की गई है।

बॉम्ब स्क्वायड और डॉग स्क्वायड ने भी पूरे परिसर की गहन जांच की है ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सके। मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह दोपहर 12:55 बजे जेवर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद यमुना सिटी में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। दोपहर 3:25 बजे सेक्टर-96 स्थित नए प्रशासनिक भवन का लोकार्पण करेंगे और एमएसएमई कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शनिवार शाम 4:30 बजे से मेरठ मंडल के लोक निर्माण विभाग के साथ समीक्षा बैठक करेंगे और इसके बाद गाजियाबाद के लिए रवाना होंगे।

मध्य प्रदेश सरकार लोकतंत्र सेनानियों को कराएगी तीर्थाटन : मोहन यादव

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आपातकाल के दौरान जेल में रहने वाले लोकतंत्र सेनानियों को तीर्थाटन करने का ऐलान किया है । मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानी प्रादेशिक सम्मेलन में कई सुविधाएं देने का ऐलान करते हुए लोकतंत्र सेनानियों के तीर्थाटन के लिए एक स्पेशल ट्रेन की शुरुआत करने की घोषणा की। लोकतंत्र सेनानी प्रदेशभर के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस में दो दिन नि:शुल्क ठहर सकेंगे।

दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर उनके गांव, कस्बों में शिलालेख स्थापित करने के साथ ही स्थानीय पार्क, मार्ग और खेल मैदानों के नाम लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर रखे जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों के नि:शुल्क इलाज और एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की जाएगी। जो लोकतंत्र सेनानी ताम्रपत्र प्राप्त करने से वंचित हैं, बहुत जल्द उन्हें भी ताम्रपत्र दिए जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों को पूरा सम्मान मिले, यह सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के कल्याण के लिए उनके सुझावों को भी लागू किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश की लड़ाई को रोकने का प्रयास किया। हमारे देश के आजाद होने के बाद कई राष्ट्र आजाद हुए। जापान तो द्वितीय विश्वयुद्ध में करीब-करीब खत्म हो गया था लेकिन वो देश आज कहां हैं और हमारा देश कहां है। इंदिरा गांधी की आज चौथी पीढ़ी मैदान में हैं लेकिन विचारधारा और नीति में कांग्रेस न तब सुधरी थी, न अब सुधरी है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान चुनौती भरा माहौल था। घर के मुखिया को उठाकर सीधे जेल में बंद कर देते थे। उसके बाद न वकील, न अपील, न दलील। किसी को कुछ पता नहीं होता था कि क्या होगा। बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे, कौन घर देखेगा, कौन फीस भरेगा। मीसाबंदियों से कहा जाता था कि कांग्रेस में शामिल हो जाओ, इंदिरा की जय-जयकार करो तो छोड़ देंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की लड़ाई स्वतंत्रता की पहली लड़ाई के समान है। इस लड़ाई की वजह से आज लोकतंत्र सुरक्षित है। जिसके कारण गरीब परिवार से निकला हुआ व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री है। इस सम्मेलन में लोकतंत्र सेनानियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया वहीं बुजुर्ग लोकतंत्र सेनानियों का

संक्षिप्त खबरें

‘मिशन शक्तिसैट’ के लिए पंजाब की टिया का चयन, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने दी बधाई

चंडीगढ़। पंजाब की एक सरकारी स्कूल की छात्रा टिया को ‘मिशन शक्तिसैट’ के लिए देश की प्रतिनिधि के तौर पर चुना गया है। इसी को लेकर पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक पोस्ट करके टिया को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने लिखा, ‘स्कूल ऑफ एमिनेंस फॉर गर्ल्स, मॉल रोड, अमृतसर की 12वीं कक्षा की मेडिकल छात्रा, टिया को बहुत-बहुत बधाई।’ उन्होंने जानकारी दी कि टिया को ‘मिशन शक्तिसैट’ के लिए भारत की प्रतिनिधि के तौर पर चुना गया है। उन्होंने लिखा, ‘यह लड़कियों का एक लूनर सैटेलाइट मिशन है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) का समर्थन प्राप्त है और यह 108 देशों को जोड़ता है।’ शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि ‘मिशन शक्तिसैट’ के लिए टिया अगस्त 2026 में दिल्ली में होने वाली आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल होंगी।

आईआईटी दिल्ली और फ्रांस की सोरबोन यूनिवर्सिटी ने शुरू किया संयुक्त पीजी व रिसर्च प्रोग्राम

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली व फ्रांस की सोरबोन यूनिवर्सिटी छात्रों को एक खास संयुक्त पीजी व रिसर्च प्रोग्राम ऑफर कर रहे हैं। वर्ष 2026 से ही जैविक विज्ञान में यह संयुक्त पीजी कार्यक्रम और संयुक्त शोध उपाधि कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इससे दोनों देशों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा, आधुनिक शोध सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय अनुभव का लाभ मिलेगा। साथ ही विद्यार्थी दोनों संस्थानों में आ-जा सकते हैं। दरअसल, भारत और फ्रांस के बीच शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। इसी कड़ी में आईआईटी दिल्ली और फ्रांस के प्रतिष्ठित सोरबोन विश्वविद्यालय ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और व्यापक बनाने की घोषणा की है। दोनों संस्थान अब उन्नत अनुसंधान, शैक्षणिक कार्यक्रमों, छात्र एवं शिक्षकों के आदान-प्रदान तथा नवाचार के नए क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। इस साझेदारी की मजबूत नींव पहले से स्थापित भारत-फ्रांस एकीकृत स्वास्थ्य परिसर ने रखी है। अब दोनों संस्थान स्वास्थ्य क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए पदार्थ विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना विज्ञान, संगणक विज्ञान, रोबोटिकी और अन्य बहुविषयक क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने जा रहे हैं। जून 2026 में आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस का दौरा किया है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले पर संत समाज में गुस्सा, बोले- मास्टरमाइंड तक पहुंचना जरूरी

विश्व केसरी

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और दर्ज एफआईआर को लेकर धार्मिक प्रमुखों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। विभिन्न संतों और आध्यात्मिक नेताओं ने इस पूरे प्रकरण पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष और तेजी से जांच की मांग की है।

वरुण दास महाराज ने कहा कि यह घटना समस्त राम भक्तों के हृदय को आहत करने वाली है। इसकी गंभीरता को देखते हुए तुरंत एफआईआर दर्ज होना जरूरी था। पहले जांच की बात चल रही थी, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं हो पा रही थी, जबकि पूरे मामले में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए थी। अंतत: ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसमें विभिन्न धाराओं के तहत आठ लोगों के नाम शामिल हैं। अब उम्मीद की जा रही है कि जांच तेजी से पूरी होगी और सभी तथ्यों को सामने लाकर मामले का निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम सत्य के मार्ग पर चलने के प्रतीक हैं। ऐसे में उनके नाम पर किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान केवल भौतिक वस्तु नहीं है, बल्कि आस्था और भावनाओं का प्रतीक है। इसलिए यदि किसी भी स्तर पर उसके दुरुपयोग की आशंका है तो उसका पूरी तरह से खुलासा होना चाहिए। अनिरुद्ध देव दास ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह विषय पहले से ही चर्चा में था और कई लोग इसे अफवाह बताते रहे, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि मामले की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

चंदे और दान से जुड़ी राशि की सुरक्षा और पारदर्शिता बेहद जरूरी है, क्योंकि यह केवल धन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का विषय है।

महिला पर दिनदहाड़े चाकू से हमला पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया

विश्व केसरी

उज्जैन। शुक्रवार को उज्जैन के व्यस्त दवा बाजार में एक 19 वर्षीय महिला पर दिनदहाड़े एक युवक ने चाकू से कई बार हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता द्वारा अपने बयान में आरोपी की पहचान करने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है।

यह घटना शुक्रवार दोपहर फ्रीगंज इलाके में दवा बाजार के मुख्य द्वार के पास हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की पहचान बापू नगर निवासी पूजा राजक के रूप में हुई है। दयाल फार्मा में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम करती है। हमले के समय वह काम पर जा रही थी। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पूजा को बाजार के प्रवेश द्वार के पास रोका और उससे कुछ देर बात की। फिर उसने कथित तौर पर चाकू निकाला और उस पर कई बार वार करके मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, इस हमले से बाजार में दहशत फैल गई और व्यापारी और राहगीर घायल महिला की मदद के लिए दौड़ पड़े।

दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने तुरंत पूजा को चरक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसके पेट, गर्दन और बांहों पर चाकू के कई घाव पाए। उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि युवक कथित तौर पर पिछले कुछ दिनों से महिला को परेशान कर रहा था। पूजा की मां आरती राजक ने पुलिस को बताया कि सुनील नाम का एक युवक पिछले चार-पांच दिनों से उनकी बेटी को तंग कर रहा था। उन्होंने बताया कि उत्पीड़न के बारे में पता चलने पर परिवार ने दो दिन पहले उसे चेतावनी दी थी। पुलिस को दिए अपने बयान में पूजा ने सुनील की पहचान उस व्यक्ति के रूप में की जिसने उस पर हमला किया था। जांच के दौरान, पुलिस ने संदिग्ध की पहचान उज्जैन जिले के डेंडिया गांव के निवासी सुनील जारोलिया के रूप में की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बताया कि पीड़िता ने अपने बयान में आरोपी की पहचान कर ली है।

पंजाब के राज्यपाल से मिले सुखविंदर सिंह सुक्खू

विश्व केसरी

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और राज्य के लिए बेहद अहम और काफी समय से लंबित कई मुद्दों पर चर्चा की।

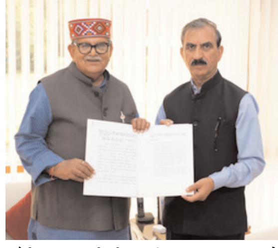

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के अधिकारों और हितों से जुड़े मामलों के जल्द समाधान के लिए पंजाब के गवर्नर का समर्थन मांगा।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में राज्य के जायज 7.19 प्रतिशत हिस्से पर दावा दोहराया। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के प्रावधानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पुराने पंजाब का उत्तराधिकारी राज्य है और राज्य को सौंपे गए क्षेत्रों की जनसंख्या के अनुपात के आधार पर उसे अपना उचित हिस्सा पाने का अधिकार है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चंडीगढ़ का विकास अविभाजित पंजाब के संयुक्त संसाधनों से हुआ था और जहां पंजाब और हरियाणा को पांच दशकों से अधिक समय से शहर की जमीन, संपत्ति और प्रशासनिक ढांचे से फ़ायदा मिला है, वहीं हिमाचल प्रदेश को अभी तक अपना उचित हिस्सा नहीं मिला है।

मालाड विवाद पर राज ठाकरे की अपील, बोले- मराठी और जैन समाज के बीच मतभेद फैलाने वालों से रहें सावधान

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई के मालाड में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के जिरे टोप (शिरस्त्राण) पर जैन समाज का झंडा लगाए जाने के बाद शुरू हुए विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने दोनों समुदायों से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। राज ठाकरे ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल मराठी और जैन समाज के बीच विवाद और तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दोनों समुदायों से ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी तरह के राजनीतिक उकसावे में नहीं आने की अपील की। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने या किसी धर्मगुरु के स्वागत पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अगर किसी हाउसिंग सोसायटी में जैन धर्मगुरु आते हैं, तो उनके स्वागत के लिए कारपेट बिछाया जा सकता है और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उसे हटा देना चाहिए। हालांकि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे इंतजाम नहीं किए जाने चाहिए, जिनसे आम लोगों को असुविधा या परेशानी हो।

राज ठाकरे ने कहा कि जैन मुनि पद्मसागर स्वयं उनके घर आ चुके हैं और उन्हें जैन समाज से किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और उनकी आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन इसके साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दूसरे नागरिकों की सुविधाओं का भी समान रूप से ध्यान रखना जरूरी है।

मनसे प्रमुख ने कहा कि समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने मराठी और जैन समाज से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक साजिश या भड़काऊ कोशिश का हिस्सा न बनें और आपसी विश्वास व सौहार्द के साथ आगे बढ़ें। सामाजिक सौहार्द ही किसी भी विवाद का सबसे बेहतर समाधान है।

जेल में बंद विधायक के समर्थन में आप का राज्यव्यापी प्रदर्शन, कानूनी लड़ाई लड़ने का संकल्प

विश्व केसरी

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को पूरे गुजरात में डेडियापाडा के विधायक चैतर वसावा के समर्थन में मार्च निकाले। वसावा को नर्मदा जिले की एक सेशंस कोर्ट ने 2023 के एक मामले में सात साल की कठोर कैद की सजा सुनाई थी। यह मामला वन विभाग के अधिकारियों के साथ कथित मारपीट, सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने और जबरन वसूली से जुड़ा था।

हालिया प्रदर्शन, 24 जून को आप की ओर से घोषित राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा था। गुजरात यूनिट के इंचार्ज गोपाल राय ने कहा था कि पार्टी तीन चरणों वाले आंदोलन के तहत 26 जून को हर जिले में ‘सपोर्ट मार्च’ (पैदल मार्च) निकालेगी और उसके बाद 28 जून को सभी विधानसभा क्षेत्रों में मार्च करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले में सभी उपलब्ध कानूनी रास्ते अपनाएगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पहले वसावा का समर्थन करते हुए आरोप लगाया था कि उन पर लगे आरोप झूठे और राजनीतिक मकसद से प्रेरित थे। पार्टी का दावा था कि आदिवासी समुदाय के लिए आवाज उठाने वाले वसावा को एक साजिश के तहत जेल भेजा गया था। शुक्रवार को राज्य के कई हिस्सों में मार्च निकाले गए। जूनागढ़ में इस जुलूस का नेतृत्व विधायक गोपाल इटालिया और राज्य संगठन सचिव राजू बोरखतरिया ने किया। सूरत में प्रदेश उपाध्यक्ष रामभाई धडुक, प्रदेश संगठन सचिव धर्मेश भंडेरी और सूरत लोकसभा प्रभारी रजनीकांत वाघानी ने मार्च का नेतृत्व किया। इसी तरह, अहमदाबाद में कार्यक्रम में राज्य उपाध्यक्ष गौरीबेन देसाई, राज्य संगठन सचिव डॉ करण बारोट, राज्य छात्र विंग के अध्यक्ष धार्मिक मथुकिया, राज्य मालधारी सेल के अध्यक्ष किरण देसाई और अन्य पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए।

हरसिमरत कौर ने महाराष्ट्र सीएम से तख्त श्री हजूर साहिब बोर्ड के स्वायत्त स्वरूप को बनाए रखने की अपील की

विश्व केसरी

चंडीगढ़। शिरोमणी अकाली दल की वरिष्ठ नेता एवं बठिंडा सांसद बीबा हरसिमरत कौर बादल ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देंवेंद्र फडणवीस से तख्त श्री हजूर साहिब बोर्ड के स्वायत्त स्वरूप को बरकरार रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें सिख समुदाय की भावनाओं के खिलाफ बोर्ड को सरकार द्वारा नामित मैंबरों को भरने वाले मसौदा कानून को वापिस लेना चाहिए। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में बठिंडा सांसद ने कहा कि सिख समुदाय इस बात से नाराज है कि सिख समुदाय, शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) या हजूरी सचखंड दीवान की भावनाओं को ध्यान में रखे बिना राज्य द्वारा नियुक्त कमेटी की सिफारिशों पर तख्त बोर्ड के स्वरूप में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चूंकि सिख संगठनों से कोई सलाह-मशवरा नहीं किया गया, इसीलिए यह धारणा बन रही है कि यह कदम बोर्ड की स्वायत्तता को खत्म करने की कोशिश है। बीबा बादल ने मुख्यमंत्री से कहा कि दुनिया भर से सिख इसे समुदाय को नुकसान पहुंचाने के लिए पवित्र स्थान को पूरा नियंत्रण लेने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। बीबा हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि समुदाय में इस बात पर आम सहमति है कि तख्त श्री हजूर साहिब की ‘मर्यादा’ (आचार संहिता), प्रबंधन, और धार्मिक स्वायत्ता को प्रभावित करने वाला कोई भी फैसला एकतरफा नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पहले फरवरी 2024 में महाराष्ट्र सरकार ने पवित्र स्थान को नियंत्रित करने वाले अधिनियम में संशोधन करते हुए बोर्ड के 17 में से 12 सदस्यों को सरकार द्वारा सीधे नामांकन के माध्यम से मनोनीत करने की अनुमति दी थी।

नक्सलमुक्त बस्तर के चहुंमुखी विकास के लिए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने समाज प्रमुखों से मांगा सहयोग

सर्व आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक में पेसा क्रियान्वयन और देवस्थलों के संरक्षण पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा जिला पंचायत कांकेर सभाकक्ष में सर्व आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक लेकर बस्तर के नक्सल उन्मूलन के बाद चहुंमुखी विकास, सामाजिक एकता तथा आदिवासियों की पारंपरिक संस्कृति और विरासत को सहेजने, संरक्षित करने पर चर्चा की। जिसमें जिले में पेसा एक्ट का समुचित क्रियान्वयन और पारंपरिक देव स्थलों को संरक्षित करने जैसे विषयों पर द्विपक्षीय सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान समाज प्रमुखों ने भी बारी बारी से सुझाव दिए।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में समाज प्रमुखों से कहा कि किसी समाज की परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों व पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। किसी बड़े लक्ष्य की सफलता समाज के सहयोग से ही संभव होती है और बस्तर में नक्सल उन्मूलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र की मुख्यधारा से टूट कर हिंसा का मार्ग अपनाने वाले युवाओं को वापस मुख्यधारा में लेकर आने में समाज प्रमुखों ने सराहनीय कार्य किया, जिसमें सुरक्षा बलों और जवानों का सतत् सहयोग मिला, जिसके फलस्वरूप आज बस्तर का लाल आतंक से मुक्त होना संभव हुआ। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आज वर्षों से बंद मेला-मड़ई, बाजार, हाट अब आबाद होने लगे हैं। पहले जहां रिश्तेदार भी घर आने में डरते थे वे भी बेखौफ आने जाने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के इतने सालों के बाद भी वे पहली बार (नक्सलवाद से) आजाद होने का अनुभव कर रहे हैं।

सुविधा केंद्र के रूप में विकसित हो रहे अब सुरक्षा कैम्प

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कतिपय बाहरी लोग स्थानीय लोगों में भ्रम फैला रहे हैं कि बस्तर के संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। इस पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि बस्तर का विकास बस्तर के युवाओं और लोगों के द्वारा ही किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय संसाधनों का प्रयोग कर ही ग्रामों का विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए शुरुआत के रूप में सुरक्षा कैम्पों को सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान द्वारा स्थानीय संसाधनों से ही विकसित किया जाएगा।

197 गांवों के देव स्थलों का राजस्व रिकॉर्ड

समाज प्रमुखों से चर्चा के दौरान शर्मा ने बताया कि इसी क्रम में अब बस्तर के देव स्थलों को संरक्षित करने के लिए 197 गांवों के देव स्थलों का राजस्व रिकॉर्ड में चिन्हांकन कर उसे स्थायी पंजीयन की व्यवस्था की जा रही है ताकि देव स्थलों को अच्छे से संरक्षित किया जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा पेसा एक्ट को और भी सशक्त करने का कार्य किया गया है। इसके लिए पहली बार सरकार ने गांव गांव में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर पेसा मोबिलाइजर, कोऑर्डिनेटर रखने का कार्य किया जा रहा है।

जेल से भी पुनर्वास की व्यवस्था

समाज प्रमुखों की जेल में बंद भटके हुए युवाओं के पुनर्वास पर चिंता के संबंध में उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमने हर युवा को मुख्यधारा में लाने के लिए जेल से भी पुनर्वास की व्यवस्था की है। इसके लिए समाज को भी प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि अब पुनर्वासित युवा खुद भी जेल में जाकर भटके युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अन्य मतों में जाने वाले लोगों के साथ सामाजिक स्तर पर चर्चा कर शांति स्थापित करने पर जोर दिया।

शिक्षिका से छेड़छाड़ और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश, आरोपी प्रधान

विश्व केसरी■

धरसींवा। शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले स्कूल परिसर में एक गंभीर और शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। ग्राम पंचायत तरेसर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ एक महिला शिक्षिका के साथ स्कूल के ही प्रधान पाठक पर छेड़छाड़ और जानलेवा हमले का आरोप लगा है।

जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय प्रधान पाठक जय राम सेन पर आरोप है कि वह पिछले कई महीनों से महिला शिक्षिका को परेशान कर रहा था और स्कूल परिसर में अभद्र व्यवहार करता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 24 जून की सुबह स्कूल खुलते ही आरोपी ने फिर से छेड़छाड़ और अश्लील इशारे शुरू कर दिए।

विरोध करने पर मामला अचानक हिंसक हो गया। आरोप है कि प्रधान पाठक ने गुस्से में महिला शिक्षिका का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। इस दौरान स्कूल में मौजूद अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव कर पीड़िता को बचाया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। घटना के बाद महिला शिक्षिका ने सिलयारी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

यूसीसी पर सरकार ने बनाई हाईपावर कमेटी

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में एक बहुत बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने इसके अध्ययन और ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक हाईपावर कमेटी का गठन कर दिया है, जिसका आधिकारिक आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दिया। इस फैसले की जानकारी खुद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर साझा की। नी प्रक्रिया तय होगी।

जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई को मिली कमान

बता दें कि इस बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण कमेटी की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को सौंपी गई है। शासन स्तर पर जारी आदेश के मुताबिक, कमेटी में अनुभवी और जमीन से जुड़े चेहरों को जगह दी गई है।

दीपिका सोनी भाजपा रायपुर जिला शिक्षा प्रकोष्ठ की सह-संयोजक नियुक्त

विश्व केसरी■

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा जवाहर नगर मंडल अंतर्गत तात्यापारा वार्ड क्रमांक 36 की वरिष्ठ, सक्रिय एवं समर्पित महिला नेत्री दीपिका सोनी को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए भाजपा रायपुर जिला शिक्षा प्रकोष्ठ में सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन सहित वार्ड व क्षेत्र के समस्त कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। दीपिका सोनी बहुमुखी प्रतिभा की धनी और समाज सेवा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम हैं। वे वर्तमान में डी.डी. नगर स्थित रॉयल कान्वेंट हाई स्कूल की डायरेक्टर हैं और सन 2000 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में निर्धन बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दान देने का अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। संगठन के प्रति निष्ठावान सोनी इसके पूर्व भी कई महत्वपूर्ण पदों पर समाज और संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही हैं। तथा बालक भगवान छत्तीसगढ़िया सोनार समाज (छत्तीसगढ़) की प्रदेशाध्यक्ष के रूप में भी समाज को नई दिशा दे रही हैं। कोविड आपदा के समय उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था, राशन सामग्री, दवाइयां तथा हर संभव प्रशासनिक व चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई थी। तथा बस्तियों में जन-जागरण लाने, संस्कार कक्षाएं संचालित करने तथा बंद पड़े मंदिरों में पुन: संध्या आरती शुरू कराने में उनकी मुख्य भूमिका रही है।

बिना लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम वाली यात्री बसों पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यात्री सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब सभी यात्री बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) लगाना और उसे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर नियम का पालन नहीं करने वाले बस संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम, 1988 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश न इंद्रावती भवन नवा रायपुर स्थित परिवहन कार्यालय में सभी बस संचालकों एवं विभाग द्वारा वीएलटीडी लगाने हेतु अधिकृत वेंडरों की संयुक्त बैठक लेकर यात्री बसो में स्थापित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि जिन बसों में अभी तक वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) नहीं लगी है, उनमें 15 दिनों के भीतर इसे अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए। वहीं जिन बसों में यह उपकरण लगा हुआ है लेकिन संचालित नहीं है, उन्हें तत्काल चालू किया जाए। परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2025 में राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए भीषण सड़क हादसों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है।

रायपुर में महिला डॉक्टर से 51 लाख की ठगी

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में मकान निर्माण के नाम पर सरकारी महिला डॉक्टर से 51 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित डॉक्टर का नाम डॉ. स्नेहलता दास बताया जा रहा है।

डॉक्टर का आरोप है कि पूरी रकम लेने के बाद बिल्डर ने सिर्फ मकान का ढांचा खड़ा किया और निर्माण कार्य अधूरा छोड़कर अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गया।

पीड़िता की शिकायत पर तेलीबांधा थाना पुलिस ने बिल्डर मोहित सोलंकी और उसके पिता गुलाब सिंह सोलंकी के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजधानी रायपुर में मकान निर्माण के नाम पर सरकारी महिला डॉक्टर से 51 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित डॉक्टर का नाम डॉ. स्नेहलता दास बताया जा रहा है।

डॉक्टर का आरोप है कि पूरी रकम लेने के बाद बिल्डर ने सिर्फ मकान का ढांचा खड़ा किया और निर्माण कार्य अधूरा छोड़कर अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गया।

पीड़िता की शिकायत पर तेलीबांधा थाना पुलिस ने बिल्डर मोहित सोलंकी और उसके पिता गुलाब सिंह सोलंकी के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक लोन और जीवनभर की बचत लगाई

डॉ. दास के अनुसार, मकान निर्माण की कुल लागत 51,00,916 रुपये तय हुई थी।

इसके लिए उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक से 45 लाख रुपये का होम लोन लिया, साथ ही अपनी जीवनभर की बचत और रिश्तेदारों से उधार लेकर कुल 51,31,887 रुपये बिल्डर को बैंक के माध्यम से भुगतान कर दिए।

ढांचा खड़ा कर बंद कर दिया काम

आरोप है कि पूरी राशि मिलने के बाद भी बिल्डर ने केवल भवन का ढांचा तैयार किया। प्लास्टर, ईंट का काम, फिनिशिंग और अन्य जरूरी निर्माण कार्य अधूरे छोड़ दिए। इसके बाद कार्यालय बंद कर दिया गया और आरोपियों के मोबाइल फोन भी बंद हो गए। पीड़िता उनसे संपर्क नहीं कर सकी।

जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क से 'ऑपरेशन गोल्ड' तक छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के 2 साल बेमिसाल

28 जून को बिलासपुर में सजेगा प्रदेश स्तरीय 'सराफा महासम्मेलन' का भव्य मंच

विश्व केसरी■

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी के कुशल नेतृत्व में अपने सफल एवं ऐतिहासिक दो वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस दौरान संगठन ने सराफा व्यापारियों के हितों की रक्षा, संगठनात्मक विस्तार, सुरक्षा, जागरूकता, डिजिटल सशक्तिकरण तथा व्यापारिक विकास के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। संगठन ने प्रदेशभर के छोटे-बड़े सराफा व्यापारियों को एक सशक्त मंच पर जोड़ने का कार्य किया है और अब तीसरे वर्ष में नई उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया है।

शुक्रवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में आयोजित राज्य स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के दो वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में सराफा जन-संवाद अभियान, संगठन विस्तार, जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क, ऑपरेशन गोल्ड, बीआईएस जागरूकता अभियान तथा संगठन की अन्य प्रमुख उपलब्धियों को मीडिया एवं आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

28 जून को न्यायधानी बिलासपुर में तृतीय आमसभा एवं सराफा महासम्मेलन

28 जून 2026, रविवार को प्रात: 10 बजे से रामदेव लॉन, 36 मॉल के बगल, मंगला, बिलासपुर में प्रदेश स्तरीय सराफा महासम्मेलन एवं तृतीय आमसभा आयोजित होगी। इससे पूर्व संगठन की आमसभाएँ जगदलपुर एवं जांजगीर में सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी हैं तथा इस बार न्यायधानी बिलासपुर को इस भव्य आयोजन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। महासम्मेलन में प्रदेशभर से लगभग 5,000 सराफा व्यापारी, प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

संगठन विस्तार की ऐतिहासिक यात्रा

प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने बताया कि जनवरी 2024 में प्रदेश में संगठन की लगभग 60 सक्रिय इकाइयाँ थीं। संगठन विस्तार अभियान के परिणामस्वरूप जून 2024 तक यह संख्या बढ़कर 91 से अधिक हो गई तथा वर्तमान में प्रदेशभर में 125 से अधिक इकाइयाँ संगठन से जुड़ चुकी हैं।

किसानों को खाद बीज समय पर उपलब्ध हो : सांसद

विश्व केसरी■

रायपुर। जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठ जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने की। बैठक में जिले में संचालित केंद्र एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन की स्थिति एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, प्रतिनिधि सदस्य, कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कर्णकुमार उके सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सांसद रूपकुमारी चौधरी ने विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रगति प्रतिवेदनों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि विकास कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय के साथ पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही एवं लेटलतिफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद चौधरी ने कहा कि हम सभी का मुख्य उद्देश्य यह होना चाहिए कि अधिक से अधिक नागरिकों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाए ताकि अंतिम छोर के पात्र हितग्राहियों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहें, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों तक भी इसकी पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए।

28 जून को मुख्यमंत्री करेंगे लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित

विश्व केसरी■

देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस माने जाने वाले 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल की स्मृति को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस तथा 26 जून को आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि 26 जून 1975 से मार्च 1977 तक चल 21 माह के आपातकाल को देश कभी मूल नहीं कर सकता उस कालखंड में नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया एवं हजारों लोकतंत्र समर्थकों को मीसा अन्य कठोर कानूनों के अत्तर्गत जेलों में बद किया गया तथा प्रस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाए गए। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया। उपासने ने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों को गाननीय मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित भव्य सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा साथ ही इस अवसर पर आपातकाल मोड़ा सदर्भ ग्रंथ स्गारिका का विमोचन भी किया जाएगा। विशेष आकर्षण यह होगा की लोकतंत्र सेनानी राघ व प्रहरी के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर प्रदेश स्तर की आपातकाल कभी विस्मृत न हो एवं 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासंगिकता इन विषयों पर निका प्रतियोगिता आयोजित की गई थी मुख्यमंत्री द्वारा विजयी प्रथम द्वितीय तृतीय चयनित छात्रों को विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर 31000, 21000 व 11000 रुपए नगद पुरस्कार दोनों स्तरों पर गय स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। उसी प्रकार सनी 520 शामिल विद्यार्थियों सहित विद्यालय व महाविद्यालय के प्राचार्य को भी मुख्यमत्री द्वारा 28 जून को सम्मानित किया जाएगा इस वर्ष भी इस भव्य आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया जा रहा है यह भव्य आयोजन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 28 जून रविवार को 11:00 बजे से आयोजित है। सम्मेलन में संगठन के समस्त पदाधिकारी व प्रबुद्ध वैचारिक सत्त्वाओं, मंत्रियों, विधायकों, निगम आयोग अध्यक्षली सहित बड़ी संख्या में शुभ चितकों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में आपातकाल का काला इतिहास एवं संविधान हत्या दिवस विषय पर प्रयुद्ध पक्ताओं क व्याख्यान भी होगे तथा इस विषय पर प्रकाशित विशेष स्मारिका आपातकाल योद्धा का विमोचन किया जाएगा।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने संरक्षा एवं रेल विकास कार्यों का निरीक्षण

विश्व केसरी■

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में महाप्रबंधक तरुण प्रकाश द्वारा मरौदा से ताड़ोकी रेल सेक्शन का संरक्षा एवं रेल विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मरौदा रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के विकासात्मक कार्य, अप्रोच रोड़, आर आर आई, रेलवे स्टेशन परिसर का गहनता से निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण की कड़ी में बालोद रेलवे स्टेशन, दल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन में चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर किए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं विकासात्मक कार्यों यात्री सुविधाओं में वृद्धि, रेलवे स्टेशनों में सुगम्य प्रवेश आसानी से टिकट लेने, प्रतीक्षालय की व्यवस्था, रेल परिचालन संबंधित, यात्री सुविधा व संरक्षा संबंधित कार्यों पर आवश्यक दिशा निर्देश की अनुपालना हेतु संरक्षा कोटि के रेल कर्मियों तथा रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे ट्रैकमेनो से संरक्षा विषयों पर संवाद किये ।

बालोद रेलवे स्टेशन पर व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों चेंबर ऑफ कॉमर्स, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद सहित स्थानीय गणमान्य लोगों ने महाप्रबंधक महोदय से रेल के विकासात्मक कार्यों पर चर्चा की। एवं संयुक्त चालक दल लॉबी में लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर के ड्यूटी मैनेजमेंट, यार्ड रिमॉडलिंग पर चर्चा की।

संपादकीय

कैसे खुली केतन हत्याकांड की परतें

महेन्द्र तिवारी

केतन अग्रवाल हत्याकांड उन मामलों में शामिल हो गया है जिन्होंने यह दिखाया कि आधुनिक अपराध जांच में डिजिटल साक्ष्य कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शुरुआत में जो घटना एक दुखद दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, वह कुछ ही दिनों में ऐसे मामले में बदल गई जिसमें कथित साजिश, रिश्तों के उलझे हुए समीकरण, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन विश्लेषण जैसे कई पहलू सामने आए। पुलिस का दावा है कि यदि परिवार ने शुरुआती स्तर पर संदेह व्यक्त नहीं किया होता और तकनीकी साक्ष्यों की गहराई से जांच न की जाती, तो संभव है कि यह मामला एक सामान्य दुर्घटना मानकर बंद कर दिया जाता।

महाराष्ट्र के पुणे क्षेत्र में रहने वाले 26 वर्षीय केतन अग्रवाल की मौत 18 जून को लोहागढ़ किले के पास हुई थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार माना गया कि वह ऊंचाई से गिर गए थे और इसी कारण उनकी मृत्यु हुई। उस समय उपलब्ध परिस्थितियां भी दुर्घटना की संभावना की ओर इशारा कर रही थीं। परिवार शोक में डूबा हुआ था और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं हुई। कुछ दिनों बाद घटनाक्रम ने ऐसा मोड़ लिया जिसने पूरे मामले की दिशा बदल दी।

पुलिस के अनुसार इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी केतन की बहन साबित हुई। अंतिम संस्कार के लगभग 4 दिन बाद सिया गोयल परिवार से मिलने पहुंचीं। परिवार के सदस्यों से बातचीत के दौरान केतन की बहन ने घटना से जुड़े कई सवाल पूछे। बताया जाता है कि कुछ सवालों के जवाबों में विरोधाभास दिखाई दिया। बहन को लगा कि घटना के बारे में पूरी सच्चाई सामने नहीं आ रही है। यह संदेह धीरे धीरे गहराता गया और परिवार ने अपनी शंकाएं पुलिस के सामने रखीं। यही वह क्षण था जिसने जांच को नई दिशा दे दी। बाद में पुलिस ने भी माना कि परिवार की ओर से व्यक्त किया गया यह शक जांच की पहली महत्वपूर्ण कड़ी बना।

जब पुलिस ने मामले को केवल दुर्घटना मानकर देखने के बजाय अन्य संभावनाओं पर भी विचार करना शुरू किया, तब तकनीकी और डिजिटल जांच का दायरा बढ़ाया गया। मोबाइल फोन रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स, इंटरनेट उपयोग, लोकेशन डेटा और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों की जांच शुरू हुई। इसी दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच संपर्कों का विश्लेषण किया गया। पुलिस के अनुसार पिछले लगभग 6 महीनों के दौरान दोनों के बीच 2004 बार फोन पर बातचीत हुई थी। यह संख्या अपने आप में जांच अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पर्याप्त थी। जब बातचीत की कुल अवधि का आकलन किया गया तो वह लगभग 238 घंटे निकली। कुछ रिपोर्टों में यह अवधि 258 घंटे भी बताई गई है, लेकिन जांच से जुड़े प्रमुख दावों में 238 घंटे का आंकड़ा प्रमुख रूप से सामने आया।

जांच एजेंसियों के लिए केवल कॉल्स की संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं थी, बल्कि उन कॉल्स की आवृत्ति, समय और परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण थीं। पुलिस का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर लगातार संपर्क ने दोनों व्यक्तियों के संबंधों और संभावित योजनाओं को लेकर सवाल खड़े किए। इसी आधार पर जांच को और गहरा किया गया। कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण करते समय यह देखा गया कि किन दिनों में बातचीत अधिक हुई, किन समयों पर संपर्क हुआ और घटना से पहले संपर्क की प्रकृति कैसी थी। इन जानकारियों ने जांच को आगे बढ़ाने में सहायता की।

मामले में एक और महत्वपूर्ण बिंदु इंटरनेट गतिविधियों से जुड़ा था। पुलिस का दावा है कि घटना वाले दिन सुबह लगभग 7 बजे से शाम 5 बजकर 40 मिनट तक चेतन चौधरी का इंटरनेट बंद रहा। जांचकर्ताओं ने इस तथ्य को अत्यंत महत्वपूर्ण माना क्योंकि सामान्य परिस्थितियों में लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने की स्थिति संदेह उत्पन्न करती है। पुलिस ने यह समझने का प्रयास किया कि क्या यह महज संयोग था या किसी योजना का हिस्सा। इसी प्रश्न ने जांच को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया।

जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आया कि चेतन चौधरी ने अपना मोबाइल फोन अपनी दुकान पर छोड़ दिया था और किसी कर्मचारी का फोन साथ लेकर गया था। पुलिस का दावा है कि ऐसा वास्तविक लोकेशन छिपाने और मोबाइल ट्रैकिंग से बचने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है। यदि यह दावा सही साबित होता है तो यह दर्शाता है कि डिजिटल निगरानी से बचने का प्रयास किया गया था। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही संभव होगा, लेकिन जांच एजेंसियों ने इसे एक महत्वपूर्ण संकेत माना। जांचकर्ताओं ने घटना वाले दिन की प्रत्येक गतिविधि को दोबारा खंगालना शुरू किया। मोबाइल लोकेशन रिकॉर्ड, कॉल हिस्ट्री और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संकेतों को एक साथ जोड़कर देखा गया। जिन लोगों ने उस दिन संबंधित मोबाइल नंबरों पर कॉल किया था, उनसे भी पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार कुछ लोगों ने बताया कि फोन पर संबंधित व्यक्ति ने स्वयं बात नहीं की थी बल्कि किसी अन्य व्यक्ति ने कॉल रिसीव की थी। इस जानकारी ने जांच अधिकारियों के संदेह को और मजबूत किया। डिजिटल जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि अलग अलग स्त्रोतों से प्राप्त जानकारियों को एक दूसरे के साथ मिलाकर देखा गया। केवल कॉल रिकॉर्ड या केवल लोकेशन डेटा के आधार पर निष्कर्ष निकालने के बजाय पुलिस ने विभिन्न तकनीकी संकेतों को जोड़ने का प्रयास किया। कॉल्स की संख्या, बातचीत की अवधि, इंटरनेट उपयोग का पैटर्न, मोबाइल की गतिविधियां और कथित लोकेशन डेटा को एक साथ रखकर घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया।

महिलाओं का एक और 'जौहर'

सोनाली मिश्र

क्या आपको पता है कि स्वतंत्रता के उपरांत भी हिन्दू महिलाओं ने जौहर किया था? जौहर, अर्थात सामूहिक रूप से अपने प्राण इस्लामी आक्रान्ताओं के कारण त्याग देना! आपको नहीं पता होगा, क्योंकि हम पढ़ना ही नहीं चाहते हैं। स्वतंत्र भारत का जौहर हुआ था कश्मीर में! जब कबीलाई सेना ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर मीरपुर पर हमला कर दिया था और लगभग बीस हजार हिन्दू और सिखों की हत्या पाकिस्तानी सेना और पठानों ने की थी। 25 नवंबर 1947 तक मीरपुर में लगभग 25,000 हिन्दू और सिख रह रहे थे। मगर जब शहर पर पाकिस्तानी सेना और पठानों ने हमला किया तो लगभड़ ढाई हजार लोग मारे गए और लगभग ढाई हजार लोग जम्मू और कश्मीर सेना के साथ भारत की ओर चले गए। और शेष रह गए 20,0000 लोगों को पाकिस्तानी सेना और पठानों ने गुलाम बना लिया।

और वे अलीबेग की तरफ ले गए। रास्ते में पाकिस्तानी और पठानों ने लगभड़ 10,000 हिन्दू और सिखों को मार डाला और पाँच हजार हिन्दू और सिख महिलाओं का अपहरण कर लिया। और फिर जो शेष लोग रह गए थे, उन्हें कैद कर लिया।

बाल के गुप्ता, जो उस समय कैदी बना लिए गए थे और मात्र दस वर्ष के थे। उन्होनें पुस्तक Forgotten AtrocitiesÑ Memoirs of a Survivor of the 1947 Partition of India में लिखते हैं कि कैसे हिन्दू और सिख महिलाओं ने अपना मान बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी थी। 28 नवंबर को पाकिस्तानी सेना ने थाथल गाँव में कैद इन हिन्दू और सिखों को उठाया और भारतीय एयरफोर्स से बचने के लिए रात में ही दूसरे स्थान पर ले जाने का निर्णय लिया। कुछ लोगों की हत्या रास्ते में इसलिए कर दी गई, क्योंकि उन्होनें अपनी बेटियों को पाकिस्तानी सेना और पठानों से बचाने की कोशिश की थी। कुछ लोग कलमा पढ़कर मुसलमान हो गए, मगर वह भी काम नहीं आया और उन्हें मार डाला गया। जब वे लोग झेलम पर पहुंचे तो सैकड़ों बंदी हिन्दू और सिख महिलाओं ने झेलम में अचानक से ही छलांग लगाना शुरू कर दिया।

वे बस पाकिस्तानी सैनिकों और पठानों से अपने आप को बचाना चाहती थीं। गुप्ता लिखते हैं कि 'मैं नहर के बर्फीले पानी में लाशों को तैरते हुए देख सकता था। कुछ औरतें उदास चेहरों के साथ पुल के किनारे खड़ी थीं और कुछ नहर के किनारे पर। उन्होंने सबसे पहले अपने बच्चों को तेज़ी से बहते पानी में फेंक दिया; ऐसा लग रहा था कि उन्हें अपने ही बच्चों की चीख-पुकार से कोई फ़र्क नहीं पड़ रहा था। जैसे-जैसे बच्चे पानी की धारा में बहते गए, नहर में समाने से पहले उनके सिर एक-दो बार ऊपर उठे। माँएँ बेबस होकर यह सब देखती रहीं। मुसलमानों द्वारा अगवा किए जाने और यातना दिए जाने के डर ने उनके चेहरों से सारी रौनक और भावनाएँ छीन ली थीं। फिर वे भी नहर में कूद गईं और पलक झपकते ही सब कुछ खत्म हो गया। हालांकि कुछ पाकिस्तानी सैनिकों ने बहुत कोशिश की कि ये महिलाएं इस तरह से नदी में न कूदें और महिलाओं को धमकाया, परंतु अपने मान की रक्षा का विचार इस सीमा तक उनके मन में था, कि इन धमकियों की परवाह न करते हुए महिलाओं ने छलांग लगाना जारी रखा। सैकड़ों महिलाओं ने जान दे दी थी। और स्वतंत्रता के बाद भारतीय महिलाओं के इस जौहर की चर्चा कभी भी कहीं नहीं होती है!

अच्छे बीजों की तरह ज़रूरी है अच्छे विचारों का चयन

एक किसान फसल उठाने के बाद सबसे पहले जो काम करता है वह है फसल में से सर्वोत्तम बीजों का चुनाव करना और अगले साल बोने के लिए उन्हें भंडारघर में सुरक्षित रख देना। एक किसान की तरह ही हमें भी अपने मन रूपी भंडार में केवल सर्वोत्तम विचारों का ही भंडारण करना चाहिए। जिस प्रकार उत्तम बीजों से उत्तम फसल पाई जा सकती है उसी प्रकार सकारात्मक सोच रूपी बीज ही उचित अवसर पाकर व्यक्ति तथा समाज के लिए उत्तम सृजन कर पाने में सक्षम होते हैं। मनुष्य के मन में हर क्षण असंख्य विचार उत्पन्न होते रहते हैं जिनमें से कुछ विचार सकारात्मक या उपयोगी होते हैं तो कुछ नकारात्मक या अनुपयोगी। क्योंकि ज़्यादातर विचार निरर्थक नकारात्मक होते हैं और यदि वे सब विचार प्रभावी अथवा पूर्णता को प्राप्त हो जाएँ तो हमारा जीवन नरक बन जाए। इसलिए विचारों के चयन में हमें सदा सचेत रहने की ज़रूरत है। हमें प्रयास करके सकारात्मक व उपयोगी विचारों का चयन कर मन के हवाले कर देना चाहिए। व्यक्ति के विचार अथवा उसकी सोच सबसे महत्त्वपूर्ण है।

कोई व्यक्ति क्या सोचता है यह महत्त्वपूर्ण है न कि क्या करता है अथवा कैसा दिखता है। वास्तव में व्यक्ति क्या कर रहा है अथवा कैसा दिख रहा है यह उसकी पूर्व सोच का ही परिणाम है। उसकी पिछली सोच ने ही उसके वर्तमान का निर्माण किया है। चाहे व्यक्ति का भौतिक शरीर हो, उसकी वर्तमान आर्थिक स्थिति हो, उसका जीवन के प्रति दृष्टिकोण अथवा वर्तमान मनोवृत्ति हो या उसके विकार अथवा संस्कार हों सब उसकी पिछली सोच का ही परिणाम होते हैं। यही कर्मफल का सिद्धांत है। जैसा बोओगे वैसा काटोगे।

सोच भी वह बीज ही तो है जिसकी फसल सोचने वाले को कर्मफल के रूप में काटनी पड़ती है। अच्छे सोच रूपी बीज बोओगे तो उसी के अनुरूप अच्छे व्यक्तित्व, अच्छे स्वास्थ्य, अच्छे संस्कार और सुख-समृद्धि रूपी अच्छी फसल काट पाओगे। अपनी सोच को बदल कर उसे सकारात्मकता प्रदान कर हम अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं तथा विकारों से मुक्ति पा सकते हैं इसमें संदेह नहीं। दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं इसका हम पर कोई असर नहीं पड़ता अपितु हमारी अपनी सोच ही हमें और दूसरों से हमारे व्यवहार को प्रभावित करती है। हर बार हर किसान के खेत में अच्छी फ़सल नहीं होती। कई बार फ़सल कमज़ोर होती है तो कई बार बीजों में कीड़े वग़ैरा लग जाते हैं। ऐसे में वो बड़ी समझदारी से काम लेता है। एक किसान घुन लगे या कमज़ोर बीज कभी नहीं बोता। अगले साल बोने के लिए वो किसी भी प्रकार से सर्वोत्तम बीजों की ही व्यवस्था करता है। एक व्यक्ति को भी अच्छे विचारों के चयन के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।

विचारों का उद्गम स्थल है हमारा मन अत: मन पर नियंत्रण द्वारा हम ग़लत विचारों पर रोक लगा सकते हैं तथा अच्छे विचारों से मन को आप्लावित कर सकते हैं। यदि जीवन रूपी बगिया को सुंदर बनाना है, उसे रंगों से सराबोर करना है तथा उसे भीनी-भीनी गंध से महकाना है तो मन रूपी बगिया में चुन-चुन कर अच्छे विचार बीजों को बोइए, सकारात्मक सोच के पौधे लगाइए।

प्राय: कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं मन की इच्छा से नहीं। बिलकुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है और किसे कहते हैं पुरुषार्थ? पहली बात तो यह है कि मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ भी असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ या हिम्मत अथवा प्रयास करने की इच्छा भी किसी न किसी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न तथा संचालित होते हैं। अत: मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव बनाता है। पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्त्व मन ही है। जिस प्रकार वृक्ष के उगने के लिए बीज अनिवार्य है उसी प्रकार हर कार्य के मूल में भी एक बीज होता है और वह है विचार। जैसा बीज वैसा पौधा तथा जैसा विचार वैसा कर्म। मनुष्य हर कर्म किसी न किसी विचार के वशीभूत ही करता है अत: विचारों का बड़ा महत्त्व है।

बोध कथा

सादा भोजन

एक थे ब्रह्मचारी ज्ञानेन्द्रजी। आत्मार्थ की भावना से भरा हुआ था जिनका हृदय। ज्ञान -ध्यान के अभ्यास में प्रयत्न -पूर्वक लगे रहते थे। बाहरी प्रपंचो से कोसों दूर, एक ग्राम से 2 कि.मी.दूर एकान्त में स्थित एक तीर्थ क्षेत्र पर सामान्य कमरे में रहते थे। श्रावक लोग खाद्य -सामग्री दे जाते और वे अपना भोजन स्वयं बनाकर खाते।

क्षेत्र की स्वच्छता,स्वाध्याय आदि का तो ध्यान रखते, परन्तु विकास की अन्य योजनाओं से अत्यन्त निस्पृह रहते। किसी बड़े कार्यक्रम के समय तो वे प्राय: अन्यत्र चले जाते थे।

एक दिन एक श्रावक मालपुआ आदि मिष्ठान्न लाया। उन्होंने अस्वीकार कर दिया। विशेष आग्रह करने पर, शिक्षा देने के अभिप्राय से एक मालपुआ वहीं दीवाल पर लगे दर्पण पर रगड़ दिया, जिससे उसमें धुँधला (अस्पष्ट) दिखने लगा। फिर उन्होंने एक सूखी रोटी उस पर रगड़ दी, जिससे वह फिर चमकने लगा। तब वे बोले - 'भाई! इसीप्रकार गरिष्ट मिष्टान्न आदि हमारे उपयोग को मलिन करते हैं और साधना में बाधक होते हैं।

अत: हमें स्वाद पर दृष्टि न रखते हुए, संयम के अनुकूल सादा भोजन करना ही हितकर है। वह सहज और सस्ता होने से, उपलब्ध भी सहजता से हो जाता है। उसके बनने में आरम्भ भी कम होता है, समय भी कम लगता है और सादगी-पूर्ण जीवन के लिए कमाना भी कम पड़ता है, अत: गृहस्थ को भी सात्विक भोजन ही करना चाहिए, जिससे हमारे परिणाम भी शान्त रहें और हम निराकुलता से धर्मध्यान भी कर सकें।

उन भाई को सादा भोजन एवं सादे जीवन की शिक्षा सहज ही समझ में आ गयी।

तीर तेवर

सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

चौराहे पर लोकतंत्र

- रणविजय राव

सत्ता एक है, लेकिन उसके चाहने वाले अनेक। ठीक वैसे ही जैसे गांव के तालाब में एक ही बड़ी मछली हो और उसे पकड़ने के लिए दर्जनों मछुआरे जाल लेकर खड़े हों। चुनाव का मौसम आते ही पूरे इलाके में लोकतंत्र का मेला लग गया। हर दल का नेता जनता को 'जनार्दन' कहकर पुकारने लगा। जो नेता पांच साल तक जनता को पहचानने से इंकार करता रहा था, वह अब गली-गली जाकर बच्चों को गोद में उठा उठाकर पुचकार रहा था और बुजुर्गों के चरण छू रहा था। उधर जनता भी कम चतुर नहीं थी। उसे मालूम था कि उसका वोट अमूल्य है। किंतु उसने इस अमूल्य वस्तु का मूल्य तय कर लिया था। कोई कंबल मांग रहा था, कोई साड़ी, कोई मोबाइल रिचार्ज, कोई टीवी तो कोई नकद सम्मान राशि। गांव के चौपाल पर बैठे रामखेलावन ने गर्व से कहा, 'भाई, लोकतंत्र में हमारा वोट ही हमारी पूंजी है। पांच साल में एक बार ब्याज समेत वसूलना तो पड़ेगा ही। नेता लोग भी कम चतुर नहीं थे। उन्हें जनता की इस जागरूकता पर पूरा भरोसा नहीं था। उन्हें विश्वास था तो केवल अपने दो पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं पर। उनमें एक था दारू और कैश। चुनावी रातों में ये दोनों कार्यकर्ता इतनी मेहनत करते कि बड़े-बड़े स्टार प्रचारक भी शर्मा जाएं। दारू घर-घर जाकर मतदाताओं से आत्मीय संबंध स्थापित करती और कैश चुपचाप जेबों में लोकतंत्र का तेल डालता चलता।

मतदान के दिन सबने अपने-अपने लोकतांत्रिक कर्तव्य निभाए। जनता ने कीमत वसूली, नेताओं ने निवेश किया और लोकतंत्र मुस्कुराता हुआ मतदान केंद्र के बाहर चौराहे खड़ा सब देखता रहा। परिणाम आने के बाद विजयी नेता जनता को धन्यवाद देकर राजधानी रवाना हो गया और जनता अगले चुनाव तक फिर विकास, रोजगार, सड़क, पानी और बिजली की प्रतीक्षा में लग गई।

लोकतंत्र के इस बाजार में दोनों चतुर सयाने खुद की जीत का जश्न मना रहे थे। नेता वोट खरीद लेने में सफल होकर खुश था और वोटर वोट बेचकर खुद को चतुर समझ रहा था। जबकि असली सौदा दोनों का नहीं, बल्कि लोकतंत्र का हुआ था, जनहित का हुआ था। अंतत: 'माया महाठगनी' दोनों पक्षों को ठगकर सत्ता के सिंहासन पर विराजमान हो गई थी।

इतिहास

इतिहास में 27 जून का विशेष महत्व है। 1964 में इसी दिन यह निर्णय लिया गया था कि दिल्ली में स्थित तीन मूर्ति भवन में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का संग्रहालय बनाया जाएगा। उनके निधन के बाद उनकी स्मृति में इसे संग्रहालय में तब्दील कर दिया गया। सीढ़ीनुमा गुलाब उद्यान और एक दूरबीन यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। इसी गुलाब उद्यान से नेहरु जी अपनी शेरवानी पर लगाने के लिए गुलाब का फूल चुना करते थे। देश और दुनिया के इतिहास में 27 जून की तारीख पर दर्ज अन्य प्रमुख घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है:-

1693 : लंदन में महिलाओं की पहली पत्रिका 'लेडीज मरकरी' का प्रकाशन शुरू।

1838 : राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म।

1839 : पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह का निधन। महाराजा रणजीत एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने न केवल पंजाब को एक सशक्त सूबे के रूप में एकजुट रखा, बल्कि अपने जीते-जी अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के पास भी नहीं फटकने दिया।

संक्षिप्त खबरें

तालाब डूबने से दो बहनों की मौत

धमतरी। धमतरी जिले के कपालफोड़ी गांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। नहाने के लिए घर से निकलीं दो 7 वर्षीय चचेरी बहनें तालाब में डूब गईं और उनकी मौत हो गई। खुशबू साहू और गीतिका साहू सुबह करीब 9 बजे गांव के बाजार चौक स्थित तालाब में नहाने गई थीं। दोनों के घर से तालाब की दूरी महज 300 मीटर थी। लेकिन काफी देर तक जब वे वापस नहीं लौटीं तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। इसी दौरान तालाब किनारे दोनों बच्चियों के कपड़े पड़े मिले। कपड़े देखकर ग्रामीणों को अनहोनी का अंदेशा हुआ और तुरंत तालाब में खोजबीन शुरू की गई। कुछ देर बाद दोनों बच्चियां तालाब में डूबी हुई मिलीं। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। एक साथ दो मासूम बच्चियों की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के लोग भी इस घटना से गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में इसे हादसा माना जा रहा है, लेकिन पूरे मामले की जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर छोटे बच्चों की सुरक्षा और खुले जलाशयों के आसपास सतर्कता बरतने की जरूरत को सामने लाती है।

प्रधान आरक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बेमेतरा। थाना खम्हरिया थाने में एसीबी ने 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते प्रधान आरक्षक को रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि एसीबी की टीम ने पहले पूरी टीम से संपर्क किया और जैसे ही प्रधान रक्षक ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे अरेस्ट कर लिया। यह पता लगाया जा रहा है कि इस मामले में कोई और भूमिका नहीं है। खास बात यह है कि बेमेतरा पुलिस विभाग में यह एसीबी की पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। वहीं साजा विधानसभा क्षेत्र में दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले एक पटवारी भी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा जा चुका है।

नवीन लैडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में कार्यस्थल सुरक्षा एवं परिचालन सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बीसी बे, हॉट सॉ पल्पिट क्रमांक-9 के समीप क्रेन ऑपरेटरों के लिए 25 जून 2026 को नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का निर्माण एवं लोकार्पण किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तिदार ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभागीय टीम की उपस्थिति में नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मैकेनिकल) अरविंद टंडन, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) एन. के. खरे, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) प्रशांत खोंड, महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) प्रशांत लाखे, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) आर. के. राजधर, उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) आर. के. पवार, उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) विक्रम वर्मा, सहायक महाप्रबंधक (मैकेनिकल) आलोक श्रीवास्तव सहित रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल की टीम उपस्थित रही।

कवर्धा धान घोटाले में 3 और प्रभारियों पर एफआईआर, अफसरों की भूमिका की भी जांच

विश्व केसरी

कवर्धा। जिले में धान खरीदी व्यवस्था में घोटालों का खुलासा लगातार जारी है। सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के तीन धान उपार्जन केंद्रों में जांच के दौरान लाखों रुपये के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। प्रशासन ने तीनों केंद्रों के प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। अब तक जिले भर में 6 धान खरीदी केंद्रों के प्रभारियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की संयुक्त जांच टीम ने औचक निरीक्षण किया। विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान बासिझोरी, बिरनपुर और सहसपुर लोहारा धान खरीदी केंद्रों में कुल 2441.92 क्विंटल धान और 21,982 नग खाली बारदाने गायब मिले।

81 लाख से ज्यादा का नुकसान, समिति प्रबंधक की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे मामले से शासन को करीब 81 लाख 19 हजार 502 रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचने का अनुमान है। जांच में सहसपुर लोहारा समिति प्रबंधक गंगादास मानिकपुरी सहित अन्य कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। सहसपुर लोहारा धान खरीदी केंद्र के प्रभारी पर भी गंभीर आरोप लगे हैं।

जांच टीम को कई ऐसे तौल पत्र मिले, जिनमें केवल किसानों के हस्ताक्षर कराए गए थे, जबकि धान खरीदी प्रभारी, फड़ प्रभारी और तौलकर्ता के हस्ताक्षर वाले कॉलम खाली छोड़े गए थे। आरोप है कि दस्तावेजों में हेरफेर कर इस गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। पूरा मामला भौतिक सत्यापन के दौरान सामने आया, जहां सरकारी रिकॉर्ड और मौके की स्थिति में बड़ा अंतर मिला।

108 केंद्रों की जांच जारी, और एफआईआर की संभावना

प्रशासन का कहना है कि धान खरीदी में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले में बनाए गए 108 धान उपार्जन केंद्रों की लगातार जांच की जा रही है। कबीरधाम के एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अब तक खरीदी केंद्रों से जुड़े लोगों पर ही कार्रवाई की गई है, विस्तृत जांच के लिए एएसपी के नेतृत्व में अलग से टीम गठित की गई है, जो इन घोटालों में अफसरों की भूमिका की भी जांच कर रही है। जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ेगा, और मामले दर्ज होने की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले भी कई केंद्रों में धान की कमी मिलने पर प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।

हिट एंड रन मुआवजा योजना के संबंध में बैठक आयोजित

मुंगेली। सुप्रीम कोर्ट के एस. राजसीकरण बनाम यूनियन ऑफ इंडिया प्रकरण में 12 जनवरी 2024 को पारित आदेश तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जिला न्यायालय परिसर में हिट एंड रन मुआवजा योजना-2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में अज्ञात वाहनों से प्रभावित मृतकों एवं गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को समयबद्ध मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिजा देवी मेरावी ने हिट एंड रन मामलों में पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को निर्धारित मुआवजा समय पर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज समयबद्ध ढंग से तैयार कर पुलिस एवं परिवहन विभाग के समन्वय से सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को बिना अनावश्यक विलंब के क्षतिपूर्ति मिल सके।

सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों के हाथ लगा हथियारों का जखीरा व लाखों का कैश

विश्व केसरी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले के थाना ओरछा और थाना छोटेडोंगर क्षेत्र में चलाए गए सर्च एवं एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और 24 लाख रुपये की नकद राशि बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, थाना ओरछा क्षेत्र अंतर्गत टेकला जंगल-पहाड़ी में सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के छिपाए गए हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया। बरामद सामग्री में इंसास रायफल, एसएलआर रायफल, .303 रायफल, 30-ओसी बंदूक, बीजीएल लॉन्चर, सिंगल शॉट बंदूक, बड़ी संख्या में मैगजीन, सैकड़ों जिंदा कारतूस, डेटोनेटर तथा संचार उपकरण शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने पूरे हथियार डंप को सुरक्षित तरीके से कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों का मानना है कि ये हथियार नक्सली गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने की तैयारी में थे।

टोयामेटा जंगल से 24 लाख रुपये नकद बरामद

इसी तरह थाना छोटेडोंगर क्षेत्र के टोयामेटा जंगल-पहाड़ी में चलाए गए एक अन्य सर्च अभियान के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई 24 लाख रुपये की नकद राशि बरामद की। नकदी को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

जारी रहेगा सर्च अभियान

नारायणपुर पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सर्च और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा है। जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक सामग्री और अन्य संसाधनों की तलाश जारी रहेगी। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास को और मजबूत किया जा सके।

सक्ती में दिनदहाड़े युवती की गोली मारकर हत्या, नकाबपोश हमलावर बाइक से फरार

विश्व केसरी

सक्ती। जिले के जोंगरा गांव में दिनदहाड़े एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दो नकाबपोश बाइक सवार हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतका की पहचान पूर्णिमा चौहान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह हर्बल लाइफ उत्पादों के व्यवसाय से जुड़ी थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो युवक बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और दोनों ने अपने चेहरे नकाब से ढंके हुए थे। कुछ ही क्षणों में आरोपियों ने पूर्णिमा चौहान पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ीं। वारदात के बाद दोनों हमलावर बाइक से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सक्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस व्यक्तिगत रंजिश, कारोबारी विवाद सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही।

307 प्राथमिक स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे, युक्तियुक्तकरण में भी सुधार नही

विश्व केसरी

जगदलपुर। बस्तर जिले की सरकारी शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के उद्देश्य से किए गए युक्तियुक्तकरण के बावजूद जिले के 307 प्राथमिक विद्यालय आज भी केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि पहले ऐसे विद्यालयों की संख्या 292 थी, जो अब बढ़कर 307 हो गई है। यानी व्यवस्था सुधारने की कोशिशों के बावजूद हालात और बिगड़ गए हैं।

जानकारी के अनुसार, कई स्कूलों में प्रधान अध्यापकों की मृत्यु, कुछ शिक्षकों का अन्य सरकारी नौकरियों में चयन, त्यागपत्र और रिक्त पदों पर समय पर नियुक्ति नहीं होने के कारण शिक्षकों की संख्या लगातार घटती गई। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। एकल शिक्षकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक को केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं रहना पड़ता। उन्हें मिड-डे मील की निगरानी, छात्र-छात्राओं का रिकॉर्ड संधारण, सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, विभिन्न विभागीय पोर्टलों पर ऑनलाइन जानकारी अपलोड करना, अभिभावकों से समन्वय और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ती हैं। ऐसे में एक शिक्षक के लिए सभी कक्षाओं के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि प्राथमिक स्तर पर मजबूत शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव होती है। यदि शुरुआती कक्षाओं में ही पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे तो इसका असर विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और शिक्षा की गुणवत्ता पर लंबे समय तक दिखाई देगा। शिक्षा विभाग का कहना है कि युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य स्कूलों में शिक्षकों का संतुलित वितरण करना था, लेकिन रिक्त पदों की संख्या अधिक होने और नई भर्ती पूरी नहीं होने के कारण कई स्कूलों में अब भी केवल एक शिक्षक ही कार्यरत हैं। विभाग का दावा है कि नई शिक्षक भर्ती और पदस्थापना पूरी होने के बाद ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सरकार जल्द शिक्षक भर्ती कर इन 307 स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था करेगी, या फिर हजारों बच्चों का भविष्य लंबे समय तक केवल एक शिक्षक के भरोसे ही चलता है।

स्कूल में शिक्षक ने पी शराब, अभिभावकों में नाराजगी

विश्व केसरी

कवर्धा। जिले के पंडरिया विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम तेलियापानी लेदरा से शिक्षा व्यवस्था को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शासकीय स्कूल के शिक्षक का परिसर में कथित रूप से शराब का सेवन करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घटना के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में एक शिक्षक स्कूल भवन के भीतर एक कमरे में शराब का सेवन करते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में कमरे के अंदर शराब की बोतलें और खाने-पीने का सामान भी रखा नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह घटना स्कूल समय के दौरान की है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर बच्चों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी होती है, वहां इस तरह की गतिविधियां न केवल अनुशासनहीनता हैं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। मामले की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) एफ.आर. वर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित प्रधान पाठक से विस्तृत प्रतिवेदन तलब किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वायरल वीडियो की सत्यता, समय और स्थान की जांच की जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या वास्तव में शराब का सेवन स्कूल परिसर में किया गया है या वीडियो किसी अन्य स्थान का है।

डीईओ ने कहा है कि प्रारंभिक जांच के बाद यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ नियमों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

शिक्षा से ही संवरता है भविष्य, संस्कारों से बनता है सशक्त समाज : मंत्री राजेश अग्रवाल

लखनपुर में शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

विश्व केसरी

जशपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल आज लखनपुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्प एवं तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें अध्ययन सामग्री प्रदान कर नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया।

अपने संबोधन में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, अनुशासन, शिक्षकों का सम्मान और माता-पिता का आशीर्वाद ही जीवन में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत मार्ग है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा एवं लगन से प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, प्रशासक और जनप्रतिनिधि बनकर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यही तीनों किसी भी विद्यार्थी की सफलता का मजबूत आधार बनते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने, अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने तथा निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का भी विकास करें, जबकि अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में निरंतर सहयोग देने की अपील की।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्यवर्धक 'कोकोनट कैफे जंक्शन' का शुभारंभ

विश्व केसरी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 02-03 पर 'कोकोनट केफे जंक्शन' (नारियल पानी स्टॉल) का शुभारंभ किया गया है। इस पहल से यात्रियों को यात्रा के दौरान प्राकृतिक, ताजा एवं ऊर्जा प्रदान करने वाला पेय (नारियल पानी) सहज रूप से उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हे हर मौसम में बेहतर स्वास्थ्यवर्धक पेय की सुविधा प्राप्त होगी।

इसका विधिवत शुभारंभ आज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. भारतीयन की उपस्थिति में एक बालिका यात्री के करकमलों द्वारा कराया गया।

इस अवसर पर पर्यवेक्षकगण, कर्मचारीगण एवं यात्रीगण उपस्थित रहे। शुभारंभ के दौरान यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी कदम बताया। यात्रियों ने कहा कि स्टेशन पर प्राकृतिक एवं ताज़ा पेय अर्थात नारियल पानी उपलब्ध होने से उन्हें स्वस्थ विकल्प मिलेगा तथा यात्रा के दौरान ताजगी और ऊर्जा बनाए रखने में सहायता मिलेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों के बेहतर स्वास्थ्य तथा प्राकृतिक एवं पौष्टिक पेय पदार्थों को प्राथमिकता देने की सोच के साथ बिलासपुर स्टेशन पर 'कोकोनट केफे जंक्शन' की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पीयूष गोयल को भारत-ब्रिटेन संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए यूके-इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में मिला विशेष सम्मान

विश्व केसरी ■

लंदन/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए लंदन में आयोजित वार्षिक यूके-इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में 'भारत-ब्रिटेन संबंधों को बेहतर बनाने में उत्कृष्ट नेतृत्व' का विशेष सम्मान दिया गया।

300 से अधिक नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी की सबसे बेहतरीन पारी अभी बाकी है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लगातार मजबूत हो रहे रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी संबंधों का उल्लेख किया और साथ ही कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) 15 जुलाई से लागू होने जा रहा है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती मिलेगी।

पीयूष गोयल ने कहा, 'लंदन में आयोजित वार्षिक यूके-इंडिया अवॉर्ड्स 2026 में 'भारत-ब्रिटेन संबंधों को बेहतर बनाने में उत्कृष्ट नेतृत्व' का विशेष सम्मान पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों का है जिन्होंने सरकार, उद्योग, शिक्षा, संस्कृति और भारतीय प्रवासी समुदाय के माध्यम से भारत और ब्रिटेन के संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने दोहराया कि 'भारत-ब्रिटेन साझेदारी की सबसे बेहतरीन पारी अभी बाकी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तेज आर्थिक प्रगति दोनों देशों के बीच व्यापार, नवाचार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के अभूतपूर्व अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने इस अवसर पर अन्य पुरस्कार विजेताओं को भी बधाई दी और कहा कि उनके योगदान से भारत और ब्रिटेन की साझेदारी और अधिक मजबूत होगी।

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ता आर्थिक सहयोग, मजबूत होते कारोबारी रिश्ते और लोगों के बीच गहरे होते संबंध दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा व्यापार, नवाचार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रही है।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने एक बार फिर जोर देते हुए कहा, 'भारत-ब्रिटेन साझेदारी की सबसे बेहतरीन पारी अभी बाकी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 1 अरब डॉलर बढ़कर 672.5 अरब डॉलर पहुंचा, गोल्ड रिजर्व में जोरदार बढ़ोतरी

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 19 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.587 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे पिछले सप्ताह दर्ज की गई गिरावट की भरपाई हो गई है। समीक्षा अवधि के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.930 अरब डॉलर हो गया।

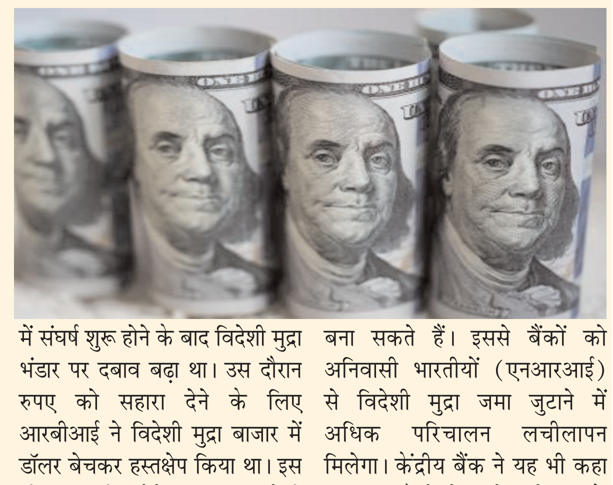

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रह गई। इससे पहले रिपोर्टिंग सप्ताह में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी। हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में शामिल है। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में दर्ज किए गए 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे है।

हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा था। उस दौरान रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर बेचकर हस्तक्षेप किया था। इस बीच, आरबीआई ने इस सप्ताह विदेशी मुद्रा गैर-निवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) जमा से जुड़े परिचालन पहलुओं पर स्पष्टीकरण जारी किया। यह स्पष्टीकरण बैंकों द्वारा एफसीएनआर-बी जमा जुटाने और उससे संबंधित ऋण गतिविधियों को लेकर उठाए गए सवालों के जवाब में दिया गया। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक एफसीएनआर-बी खाताधारकों को लोन भी दे सकते हैं और इन जमाओं पर लियन (गिरवी अधिकार) भी बना सकते हैं। इससे बैंकों को अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से विदेशी मुद्रा जमा जुटाने में अधिक परिचालन लचीलापन मिलेगा। केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा कि यदि बैंकों ने विशेष योजना के तहत कम से कम तीन वर्ष की मूल अवधि वाली नई और पात्र एफसीएनआर-बी जमाएं जुटाई हैं, तो वे तीन वर्ष से कम अवधि वाले विदेशी मुद्रा स्वैप भी कर सकेंगे। इस व्यवस्था के तहत आरबीआई बैंकों को साधारण खरीद-बिक्री (प्लेन बाय-सेल) विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा उपलब्ध कराएगा। यह सुविधा केवल जमा की मूल राशि पर लागू होगी और इसमें ब्याज की राशि शामिल नहीं होगी।

भारत के इंजीनियरिंग निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड, मई में पहली बार छुआ 12 अरब डॉलर का आंकड़ा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात मई में पहली बार 12 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार में व्यवधान के बावजूद इंजीनियरिंग निर्यात में साल-दर-साल 24.48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी शुक्रवार को इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) इंडिया ने दी।

सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 12.31 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी महीने 9.89 अरब डॉलर था।

ईईपीसी इंडिया ने बताया कि मई में भारत के कुल माल निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) में इंजीनियरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 27.2 प्रतिशत रही।

निर्यात में यह मजबूत प्रदर्शन मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक मशीनरी

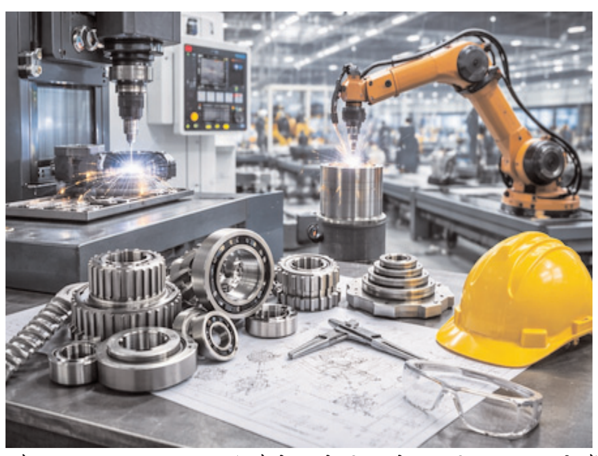

और उपकरण, जहाज एवं तैरते ढांचे, मोटर वाहन तथा लोहा-इस्पात उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी के कारण दर्ज किया गया।

मई में इंजीनियरिंग उत्पादों के 34 में से 28 श्रेणियों में निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अब अपनी सप्लाई चेन को फिर से व्यवस्थित कर रही हैं ताकि किसी एक देश, विशेषकर चीन, पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सके। इससे भारतीय इंजीनियरिंग कंपनियों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में वाणिज्य मंत्रालय से तेज नीति राहत, सस्ता व्यापार वित्त और बेहतर जोखिम सुरक्षा का समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा।

चड्ढा ने कहा कि सरकार के उचित मार्गदर्शन से भारत 2030 तक 250 अरब डॉलर के इंजीनियरिंग निर्यात लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, मई में भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए उत्तर अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा, जहां कुल निर्यात का 19.3 प्रतिशत गया। इसके बाद पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका क्षेत्र की हिस्सेदारी 16.7 प्रतिशत तथा यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 15.2 प्रतिशत रही।

पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका क्षेत्र में भू-राजनीतिक संकट के बावजूद मई में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अप्रैल-मई की अवधि में इस क्षेत्र को होने वाले निर्यात में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एआई, क्वांटम, परमाणु और अंतरिक्ष तकनीक भारत को बनाएंगी वैश्विक महाशक्ति: डॉ. जितेंद्र सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत तेजी से अत्याधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम तकनीक आने वाले समय की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने केवल तीन वर्षों में अपने तय लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं। क्वांटम आधारित सुरक्षित संचार (क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन) के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका उपयोग रक्षा, रणनीतिक

संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा में किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'भारत आज उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जहां वह कई महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। साथ ही ऐसी क्षमताएं विकसित कर रहा है, जो आने वाले समय में आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा तय करेंगी।

डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु और क्वांटम तकनीक भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। ये तकनीकें केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि रणनीतिक ताकत और भू-राजनीतिक स्थिति को भी प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि जो देश इन तकनीकों में पीछे रह जाएंगे, वे विकास और सुरक्षा दोनों मामलों में पिछड़ने का जोखिम उठाएंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोलते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एआई अब हर क्षेत्र के लिए एक जरूरी उपकरण बनता जा रहा है। आने वाले समय में इसका प्रभाव शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं पर और अधिक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे, कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा संसाधनों और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियों में निवेश करके इस पूरे तकनीकी इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है।

डॉ. सिंह ने कहा कि आधुनिक दुनिया में तकनीकी प्रगति ही विकास की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है और कोई भी देश नवाचार तथा अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाए बिना लंबे समय तक विकास नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए इस तकनीकी परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्नत कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मजबूत और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत की तकनीक-आधारित विकास यात्रा को गति देने और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण होगी।

भारत ने निर्यात बढ़ाने के लिए आइसलैंड में पहली बार आमों के प्रसार कार्यक्रम का किया आयोजन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय देश आइसलैंड में पहली बार भारतीय आम प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से दी जारी किए गए बयान में कहा गया कि आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून 2026 को और 25 जून 2026 को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में भारतीय आमों का प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया।

मंत्रालय ने आगे कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को भारतीय आमों की चार प्रमुख किस्मों—दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर—का स्वाद चखाया गया। इन आमों के बेहतरीन स्वाद, मनमोहक सुगंध और उत्कृष्ट गुणवत्ता की सभी ने भरपूर सराहना की। यह आयोजन व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने, भारतीय कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने तथा भारत और आइसलैंड के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

इन आयोजन के दौरान भारत के राजदूत आर. रवीन्द्र ने भारत की विश्व-प्रसिद्ध आम की विभिन्न किस्मों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला और आइसलैंड में भारतीय आमों के निर्यात के विस्तार की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया।

वहीं, आइसलैंड ट्रेड फेडरेशन के महासचिव ओलाफुर स्टीफेंसन ने कहा कि आइसलैंड के कारोबारी समुदाय में भारत के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय कृषि उत्पादों, खासकर आमों के आयात में वृद्धि की संभावनाओं को बेहद उत्साहजनक बताया।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में आइसलैंड के विदेश मंत्रालय में व्यापार समझौता निदेशक स्वेन के. एइनार्सन ने भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) से मिलने वाले अवसरों और उसके माध्यम से आइसलैंड में भारतीय आमों के आयात को बढ़ावा मिलने की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

मंत्रालय ने आगे कहा कि वर्तमान में आइसलैंड मुख्य रूप से थाईलैंड, ब्राजील, कंबोडिया, घाना और पेरू से आमों का आयात करता है। वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की सीमित उपलब्धता के कारण इन देशों के आमों ने आइसलैंड के बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाई है। वर्ष 2025 में आइसलैंड ने लगभग 33 लाख अमेरिकी डॉलर (3.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के आमों का आयात किया, जिसमें से लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर (1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के आम केवल थाईलैंड से आयात किए गए थे। भारतीय मिशन द्वारा स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी सामने आई कि आइसलैंड के लोग आम काफी पसंद करते हैं और विशेष रूप से स्मूदी, डेजर्ट (मिष्ठान) तथा फ्रूट सलाद में उनका सेवन करना पसंद करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि आइसलैंड के बाजार में भारतीय आमों के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत ताकत बना एमएसएमई सेक्टर, जीडीपी में योगदान 31 प्रतिशत के पार; 38.9 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) आज देश की आर्थिक वृद्धि और औद्योगिक विकास की मजबूत आधारशिला बन चुके हैं। विश्व एमएसएमई दिवस से पहले शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक फैक्ट शीट के अनुसार, एमएसएमई सेक्टर का देश की जीडीपी में लगभग 31.1 प्रतिशत, विनिर्माण उत्पादन में 35.4 प्रतिशत और कुल निर्यात में 48.58 प्रतिशत योगदान है (जनवरी 2026 तक)।

38.9 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाला एमएसएमई सेक्टर, कृषि के बाद देश में रोजगार उपलब्ध कराने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र ने एमएसएमई के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करने के लिए हर वर्ष 27 जून को विश्व एमएसएमई दिवस के रूप में घोषित किया है।

सरकार के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 भारत के एमएसएमई सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। इस दौरान औपचारिक पंजीकरण, ऋण सुविधा, तकनीक अपनाने, शिकायत निवारण और बाजार विस्तार जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं, जिससे एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र और मजबूत हुआ।

जून 2026 तक उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण की संख्या 8.7 करोड़ से अधिक हो गई है, जिससे करोड़ों सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत ऋण, सरकारी योजनाओं और नए बाजारों तक बेहतर पहुंच मिली है।

फैक्ट शीट के अनुसार, क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) ने 1 जनवरी से 30 नवंबर 2025 के बीच 29.03 लाख गारंटी को मंजूरी दी, जिनकी कुल राशि 3.77 लाख करोड़ रुपए रही। एमएसएमई को बिना गिरवी अधिक ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने गारंटी कवरेज सीमा 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए कर दी है। सरकार ने बताया कि वर्ष के दौरान खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 1.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गई, जो ग्रामीण उद्योगों की बढ़ती मांग और रोजगार सृजन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

सूक्ष्म और लघु उद्योगों को भुगतान में देरी से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संचालित एमएसएमई समाधान पोर्टल पर जून 2026 तक 2,56,892 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कुल 55,244.29 करोड़ रुपए के दावे शामिल थे। इनमें से 58,148 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा एमएसई सुविधा परिषदों द्वारा किया गया।

उद्यमियों की शिकायतों के समाधान के लिए बनाए गए चैंपियंस पोर्टल पर वर्ष 2025-26 के दौरान 39,494 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 39,387 शिकायतों का समाधान कर दिया गया, जिससे पोर्टल ने 99.72 प्रतिशत निस्तारण दर हासिल की।

सरकार ने ऑनलाइन डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन (ओडीआर) पोर्टल भी शुरू किया है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म और लघु उद्योगों के भुगतान विवादों का तकनीक आधारित और तेज समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि भुगतान में देरी की समस्या कम हो सके।

भारत के किराना बाजार का आकार वित्त वर्ष 30 तक 992 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के घरेलू किराना बाजार का आकार वित्त वर्ष 30 तक बढ़कर 992 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। मौजूदा समय में 91 प्रतिशत किराना की खरीदारी स्टॉर्स के जरिए होती है, जो दिखाता है कि डिजिटल की हिस्सेदारी अभी भी काफी कम है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

रेडसीर की रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 30 तक भारत के 15 करोड़ से अधिक परिवारों का सालाना खर्च 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें किराना की हिस्सेदारी सबसे अधिक होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का कुल किनारा बाजार 8 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर दर से बढ़कर वित्त वर्ष 30 तक 658 अरब डॉलर से 992 अरब डॉलर पहुंचने की राह पर है।

किनारा के क्षेत्र में अगले दशक की बढ़त मेट्रो शहरों की रणनीतियों को टियर-2 और टियर-3 मार्केट में लागू करके हासिल नहीं की जा सकेगी। हालांकि, जो ब्रांड सफल होंगे, वे घरेलू ग्राहकों की जरूरतों

और पसंद को ध्यान में रखते हुए अपने पोर्टफोलियो, कीमत और डिस्ट्रीब्यूशन के तरीके को बदलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, खरीदार क्षेत्रीय वैरायटी, छोटे पैक साइज और किफायती कीमत वाले ब्रांडेड, पैक्ड और सेहतमंद प्रोडक्ट्स को पसंद करते हैं।

अभी एक बड़े 'वैल्यू ग्रॉसरी' प्लेयर के पास लगभग 278 क्षेत्रीय और प्राइवेट-लेबल ब्रांड होते हैं, जो पुराने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की तुलना में तीन गुना से भी ज्यादा हैं। इसके लगभग 58 प्रतिशत एसकेयू क्षेत्रीय या प्राइवेट लेबल वाले होते हैं, जबकि पुराने प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़ा 18-20 प्रतिशत ही होता है। रिपोर्ट में पाया गया कि 'वैल्यू ग्रॉसरी' मॉडल उभर रहा है, जो बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय प्रोडक्ट्स, प्राइवेट लेबल और कम लागत वाली डिलीवरी पर आधारित है। यह भारत के अगले 10 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों को डिजिटल कॉमर्स से जोड़ने का एक बड़ा रास्ता बनाता है।

साल 2030 तक, घरेलू परिवार संयुक्त रूप से हर साल लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर मूल्य के सामान और सेवाओं का इस्तेमाल करेंगे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर का यह बाजार 15 करोड़ से अधिक परिवारों से चलता है, जिनकी खर्च करने की क्षमता हर साल लगभग 4-5 प्रतिशत की दर से बढ़ती है।

क्या दाल पकाने से पहले इसे भिगोना चाहिए? कितनी देर भिगोने से बनती है टेस्टी और परफेक्ट दाल, जानें सही तरीका

दाल का सेवन सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी है. प्रोटीन का मुख्य सोर्स होती है दालें. मूंग, मसूर, अरहर, उड़द, चना आदि दालें बेहद पौष्टिक होती हैं. कुछ लोग दाल पकाने के लिए उसे फटाफट एक बार पानी से धोते हैं और कुकर में हल्दी, नमक डालकर पैक कर देते हैं. वहीं, कुछ दाल को धोने के बाद कुछ देर पानी में भिगोकर रखते हैं. तो क्या दाल पकाने से पहले उसे पानी में भिगोकर रखने से दाल स्वादिष्ट बनता है. आखिर दाल पकाने से पहले उसे भिगोकर रखने से क्या होता है? जानें यहां...

दाल पकाने से पहले क्या उसे भिगोना चाहिए?

-काफी लोग चावल पकाते हैं तो उसे धोने के बाद थोड़ी देर पानी में ही भिगोकर रखते हैं. जब आप दाल को भिगोते हैं तो इससे दाल पानी को सोखती है. इससे दाल की ऊपरी परत नर्म हो जाती है. जब पानी और अंदर तक दाल में जाता है तो दाल का अंदर का हार्ड भाग भी सॉफ्ट होने लगता है. दाल जब आप पकाते हैं तो गर्मी भी दाल के अंदर तक अच्छी तरह से पहुंचती है और दाल जल्दी पक भी जाती है.

-दाल पकाने से पहले इसे आप कम से कम 15 से 30 मिनट तक जरूर भिगोकर रखें. खासकर, जो दाल बहुत हार्ड होती है, जो पकने में अधिक समय लेती है जैसे चना दाल. ये जल्दी नहीं पकती है. इसे आप पानी में भिगोकर जरूर रखें. जब आप दाल को बिना धोए पकाते हैं तो इससे ये पकने में अधिक समय लेती है, लेकिन पानी में भिगोने के बाद यही दाल जल्दी पक जाती है. खासकर, जब आप तुअर दाल, चना दाल, साबुत दालें आमतौर पर अधिक समय लेती हैं पकने में. जितनी जल्दी आपकी दाल पकेगी, गैस भी कम खर्च होगा. दाल को पकाने के लिए भगोने की तुलना में कुकर बेस्ट बर्तन है. -दाल को भिगोने से ये अंदर-बाहर अच्छी तरह से पक जाते हैं, लेकिन बिना भिगोए दाल को पकाने में कई बार अंदर का सख्त भाग कच्चा ही रह जाता है. खासकर तब, जब आप जल्दी में खाना पका रहे हों. -विशेषज्ञों के अनुसार, जब आप दाल भिगोते हैं तो पाचन क्षमता भी बेहतर हो जाती है. दाल में कुछ कम्पाउंड्स नेचुरली मौजूद होते हैं जैसे एंटी-न्यूट्रिएंट्स. ये फाइटिक एसिड और एंजाइम इन्हिबिटर्स मुख्य रूप से मौजूद होते हैं. ये कम्पाउंड मिनरल्स के एब्जॉर्प्शन में रुकावट डालते हैं. इससे जिन्हें पहले से ही पाचन संबंधित समस्याएं हैं, उनमें गैस, अपच, ब्लोटिंग, जलन, पेट संबंधित असहजता जैसी समस्याएं हो सकती हैं. ऐसे में एंटी-न्यूट्रिएंट्स के प्रभाव को कम करने के लिए भी दाल को पानी में 15 से 30 मिनट भिगोने के बाद ही पकाना चाहिए. इससे दाल आसानी से पच सकती है.

- दाल को जब भिगोया जाता है तो उसके अंदर कुछ प्राकृतिक जैविक प्रक्रियाएं सक्रिय हो जाती हैं. इससे शरीर में जिंक, आयरन, मैग्नीशियम आदि का अवशोषण बेहतर तरीके से हो सकता है. ऐसे में दाल भिगोकर खाने से शरीर में पोषक तत्वों का असर और उपयोग सही तरीके से हो पाता है.

किस दाल को भिगोना चाहिए

सभी दालों को भिगोने की जरूरत नहीं होती है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, छिलका रहित टूटी हुई दालें जैसे मसूर दाल, धुली मूंग दाल के दाने नेचुरली सॉफ्ट होते हैं. इन्हें भिगोने की जरूरत नहीं होती है. ये आसानी से पक सकती हैं. वहीं, अरहर दाल, चना दाल छिलका रहिट टूटी हुई दालों से हार्ड होती हैं. इन्हें जल्दी पकाने के लिए 15 मिनट तो कम से कम जरूर भिगोकर रखें. इससे बनावट भी सही रहता है, स्वाद भी बना रहता है और जल्दी पक भी जाती हैं.

मानसून के मौसम में जरूर एक्सप्लोर करें पश्चिमी घाट के ये 4 डेस्टिनेशंस

मानसून के मौसम में पश्चिमी घाट की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है. यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल यह पर्वत श्रृंखला अपनी हरियाली, झरनों, घने जंगलों और बादलों से घिरी चोटियों के लिए दुनिया भर में मशहूर है. ऐसे में अगर आप मानसून के दौरान प्रकृति का सबसे शानदार रूप देखना चाहते हैं, तो पश्चिमी घाट की ये पाँच जगहें निश्चित रूप से आपकी यात्रा सूची में शामिल होनी चाहिए...

महाबलेश्वर (महाराष्ट्र): मानसून के मौसम में महाबलेश्वर घूमने के लिए एक शानदार जगह है. यहां की हरी-भरी घाटियां, वेन्ना झील और लिंगमाला वॉटरफ़ॉल मुख्य आकर्षण हैं. ऐतिहासिक जगहों से दिखने वाले नज़ारे आपकी यात्रा को सच में यादगार बना देंगे. चिकमगलूर (कर्नाटक) : कॉफ़ी के बागानों के लिए मशहूर चिकमगलूर मॉनसून के मौसम में और भी खूबसूरत हो जाता है. मुल्लायनगिरी पीक, हेब्बे फ़ॉल्स और बाबा बुदानगिरी जैसी जगहें ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं.

मुन्नार (केरल): मुन्नार अपने हरे-भरे चाय के बागानों और धुंध से ढकी पहाड़ियों के लिए मशहूर है. यहां की ताज़ी हवा, झरने और शांत माहौल शहर की भागदौड़ भरी ज़िंदगी से दूर सुकून का एहसास कराते हैं.

गोरखपुर नौका विहार में मोरिंगा, नीम, तुलसी सूप और जूस के लिए लगती है लंबी लाइन, मॉर्निंग हेल्थ ड्रिंक ट्रेंड पर विशेषज्ञों की जाने सलाह

बदलती जीवनशैली के बीच लोग अब प्राकृतिक और आयुर्वेदिक पेय पदार्थों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं. शहर के नौका विहार क्षेत्र में हर सुबह ऐसा ही नजारा देखने को मिलता है, जहां लोग मोरिंगा (सहजन), नीम, तुलसी और अन्य औषधीय पौधों से तैयार सूप और जूस पीने के लिए सुबह-सुबह पहुंचते हैं. यहां सुबह 5 बजे से 9 बजे तक बड़ी संख्या में लोग इन पेय पदार्थों का सेवन करते हैं.

मोरिंगा को क्यों माना जाता है खास

मोरिंगा, जिसे सहजन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर पौधा माना जाता है. इसकी पत्तियों में विटामिन॰, ष्ट, श्व, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. यही वजह है कि इसे 'सुपरफूड' भी कहा जाता है. कई शोधों में यह सामने आया है कि संतुलित आहार के हिस्से के रूप में मोरिंगा का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और पोषण की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है.

मोरिंगा के अलावा नीम और तुलसी के पत्तों से तैयार जूस और सूप भी यहां लोगों के बीच लोकप्रिय हैं. आयुर्वेद में नीम को त्वचा और शरीर की सफाई के लिए उपयोगी माना गया है, जबकि तुलसी को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और मौसमी संक्रमण से बचाव में सहायक माना जाता है.

सुबह 5 से 9 बजे तक मिलता है सूप

नौका विहार में इन सूप और जूस को बेचने वाले 'राहुल' बताते हैं कि वह रोज सुबह 5 बजे से 9 बजे तक ही स्टॉल लगाते हैं. उनका कहना है कि नियमित रूप से इन पेय पदार्थों का सेवन करने वाले कई ग्राहक खुद को पहले से अधिक ऊर्जावान महसूस करने की बात बताते हैं. सुबह के समय यहां लोगों की लंबी लाइन भी देखने को मिलती है. स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार मोरिंगा, नीम और तुलसी जैसे पौधों में कई लाभकारी तत्व होते हैं, लेकिन इन्हें किसी बीमारी का 'जड़ से इलाज' या दवा का विकल्प नहीं माना जा सकता, यदि किसी व्यक्ति को मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी, लीवर या अन्य गंभीर बीमारी है, या वह नियमित दवाएं ले रहा है, तो ऐसे हर्बल पेय का नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर या योग्य आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है.

गौहर जान: देश की पहली रिकॉर्डिंग स्टार, रियासती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दी गई थी स्पेशल ट्रेन की सुविधा

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जिन्होंने अपने हुनर से एक नया दौर शुरू किया। गौहर जान ऐसा ही एक नाम हैं। उन्हें भारत की पहली रिकॉर्डिंग स्टार और पहली सेलिब्रिटी गायिका माना जाता है। उनकी पहचान सिर्फ गायकी तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनकी शाही जीवनशैली और बेबाकी के किस्से भी खूब मशहूर रहे। इन्हीं किस्सों में एक किस्सा यह भी है कि उन्होंने एक कार्यक्रम में अपने पूरी टीम के साथ जाने के लिए स्पेशल ट्रेन की मांग कर दी थी। गौहर जान का जन्म 26 जून 1873 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में हुआ था। उनका असली नाम एंजेलिना योवर्ड था। उनके पिता रॉबर्ट विलियम योवर्ड एक इंजीनियर थे, जबकि मां विक्टोरिया हेमिंग्स संगीत और नृत्य जानती थीं। जब गौहर छोटी थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए। इसके बाद उनकी मां ने इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया और अपना नाम मलका जान रख लिया। एंजेलिना का नाम भी बदलकर गौहर जान कर दिया गया। बाद में मां-बेटी कोलकाता आ गईं, जहां से गौहर के संगीत जीवन की असली शुरुआत हुई। कोलकाता में गौहर जान ने उस दौर के कई बड़े उस्तादों से संगीत और नृत्य की शिक्षा ली। उन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, ठुमरी, दादरा, कजरी और कथक जैसी विधाओं में महारत हासिल की। कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा लोगों के सामने आने लगी। साल 1888 में उन्होंने दरभंगा राज के दरबार में प्रस्तुति दी, जिसके बाद उन्हें दरबारी संगीतकार के रूप में पहचान मिली। धीरे-धीरे उनका नाम देश के कई राजघरानों तक पहुंचने लगा। बीसवीं सदी की शुरुआत में जब ग्रामोफोन तकनीक भारत पहुंची, तब गौहर जान ने इतिहास रच दिया। वर्ष 1902 में उनकी आवाज पहली बार रिकॉर्ड की गई। उस समय रिकॉर्ड की अवधि केवल तीन मिनट के आसपास होती थी, इसलिए उन्होंने लंबे शास्त्रीय गायन को छोटे समय में प्रस्तुत करने की अनोखी कला विकसित की। हर रिकॉर्डिंग के आखिर में वे 'माय नेम इज गौहर जान' कहती थीं, जो उनकी पहचान बन गई। 1902 से 1920 के बीच उन्होंने 600 से ज्यादा गीत रिकॉर्ड किए और दस से ज्यादा भाषाओं में गाया। गौहर जान की लोकप्रियता इतनी ज्यादा थी कि उनकी फीस भी उस समय के हिसाब से बहुत ज्यादा मानी जाती थी। उनकी शाही जीवनशैली के कई किस्से आज भी सुनाए जाते हैं।

इन्हीं में एक चर्चित किस्सा स्पेशल ट्रेन की मांग से जुड़ा है। इतिहासकार विक्रम संपत की किताब 'माई नेम इज गौहर जान' और उस पर आधारित लेखों में उल्लेख मिलता है कि एक रियासती कार्यक्रम में जाने के लिए उन्होंने अपने बड़े दल, नौकरों और सामान के साथ सफर करने के लिए स्पेशल ट्रेन की मांग की थी। कहा जाता है कि उनकी लोकप्रियता और प्रतिष्ठा को देखते हुए यह मांग स्वीकार भी कर ली गई।

राखीगढ़ी में मिले मानव कंकाल एएनएसआई को सौंपा गया, हड़प्पा काल की जीवनशैली पर मिल सकती है नई जानकारी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने हरियाणा के पुरातात्विक स्थल राखीगढ़ी से हाल ही में खुदाई में मिले मानव कंकाल अवशेषों को औपचारिक रूप से एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएनएसआई) को सौंप दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

एएनएसआई के डायरेक्टर प्रोफेसर बी.वी. शर्मा ने कहा कि दोनों संस्थाओं के बीच हाल ही में हुए समझौते (एमओयू) के तहत कंकाल अवशेषों को ट्रांसफर किया गया है। इससे सिंधु-सरस्वती सभ्यता के सबसे महत्वपूर्ण शहरी केंद्रों में से एक पर मल्टी-डिसिप्लिनरी (कई विषयों से जुड़ी) रिसर्च को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ये अवशेष आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करते हैं। इनमें प्राचीन डीएनए विश्लेषण, स्थिर समस्थानिक अध्ययन, अस्थि-विज्ञान, प्राचीन रोगों का अध्ययन और पर्यावरण पुनर्निर्माण शामिल हैं।

इन तरीकों से हड़प्पा काल के दौरान वंशावली, प्रवासन पैटर्न, आहार, रोगों की व्यापकता, अनुकूलन रणनीतियों और मानव-पर्यावरण संबंधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। हरियाणा में लगभग 550 हेक्टेयर में फैला राखीगढ़ी, सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा ज्ञात स्थल माना जाता है। पुरातात्विक खुदाई में प्रारंभिक हड़प्पा से लेकर परिपक्व हड़प्पा काल तक निरंतर बसावट के प्रमाण मिले हैं, जिनमें नियोजित बस्तियां, जल निकासी प्रणाली, शिल्प उत्पादन केंद्र, व्यापार नेटवर्क और कब्रिस्तान शामिल हैं।

लाखों खर्च करने के बाद भी बाथरूम दिखेगा बेकार, अगर शावर लगवाते समय कर दीं ये 7 बड़ी गलतियां

बाथरूम अब केवल एक फंक्शनल स्थान नहीं रह गया है, बल्कि यह आराम और लग्जरी का स्थान बन गया है. बाथरूम के विभिन्न घटकों को देखते हुए, शावर एरिया निस्संदेह सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है. लेकिन टाइल्स और अन्य फिटिंग्स का चुनाव करते समय, कई लोग शावर डिज़ाइन के उन महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जिनका बाथरूम के अनुभव पर गहरा प्रभाव पड़ता है.

आज के समय में बाथरूम केवल नहाने की जगह नहीं, बल्कि घर का ऐसा हिस्सा बन चुका है जहां लोग सुकून और रिलैक्सेशन की तलाश करते हैं. मॉडर्न इंटीरियर में खूबसूरत टाइल्स, स्टाइलिश फिटिंग्स और आकर्षक लाइटिंग के साथ शावर एरिया का डिजाइन भी बेहद महत्वपूर्ण हो गया है. लेकिन कई लोग बाथरूम बनवाते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो ना केवल रोजमर्रा के इस्तेमाल में असुविधा पैदा करती हैं, बल्कि पूरे बाथरूम का लुक भी खराब कर देती हैं. अगर आप नया बाथरूम बनवा रहे हैं या रेनोवेशन की प्लानिंग बना रहे हैं, तो इन 7 शावर डिजाइन गलतियों से जरूर बचें...

जरूरत के हिसाब से शावर का चुनाव ना करना - हर बाथरूम के लिए एक जैसा शावर सही नहीं होता. छोटे बाथरूम में वॉल-माउंटेड शावर अधिक व्यावहारिक और किफायती विकल्प होता है, जबकि बड़े बाथरूम में सीलिंग-माउंटेड रेन शावर लगाकर स्पा जैसा अनुभव लिया जा सकता है. शावर चुनने से पहले बाथरूम का आकार, सीलिंग की ऊंचाई और पानी के प्रेशर का ध्यान रखना जरूरी होता है. बहुत छोटा शावर हेड लगाना - छोटे शावर हेड पानी की बचत तो कर सकते हैं, लेकिन इनसे पानी का फ्लो सीमित रहता है. इससे नहाने का अनुभव उतना आरामदायक नहीं होता. बड़े या रेन शावर हेड विशेष रूप से 10 इंच या उससे बड़े मॉडल पूरे शरीर पर समान रूप से पानी गिराते हैं और बाथरूम को भी अधिक प्रीमियम लुक देते हैं. अधिक व्यास वाले रेन शावर हेड आराम को बढ़ाते हैं और अधिक गहन स्नान अनुभव प्रदान करते हैं. अच्छी क्वालिटी वाले शावर हेड में निवेश करने से आपके बजट में अधिक वृद्धि किए बिना आपके बाथरूम का ओवरऑल एक्सपीरियंस बेहतर हो सकता है.

थर्मोस्टेटिक डायवर्टर को नजरअंदाज करना - पानी के तापमान में उतार-चढ़ाव कई बाथरूमों में एक आम समस्या है, खासकर उन घरों में जहां एक साथ कई नलों का उपयोग किया जाता है, इससे नहाते समय परेशानी हो सकती है. थर्मोस्टेटिक डायवर्टर पानी का तापमान स्थिर बनाए रखता है, जिससे आराम और सेफ्टी दोनों मिलती है. थर्मोस्टैटिक डायवर्टर शॉवर पानी का तापमान एक समान बनाए रखने में मदद करता है. यह छोटा लेकिन बेहद उपयोगी अपग्रेड आराम और सुरक्षा को बेहतर बनाता है, साथ ही बाथरूम को मॉर्डन और प्रीमियम लुक भी देता है. खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों वाले घरों में यह बेहद उपयोगी फीचर है.

उर्मिला मातोंडकर ने लगभग ठुकरा दिया था 'छम्मा छम्मा' गाना, राजकुमार संतोषी के समझाने पर किया परफॉर्म

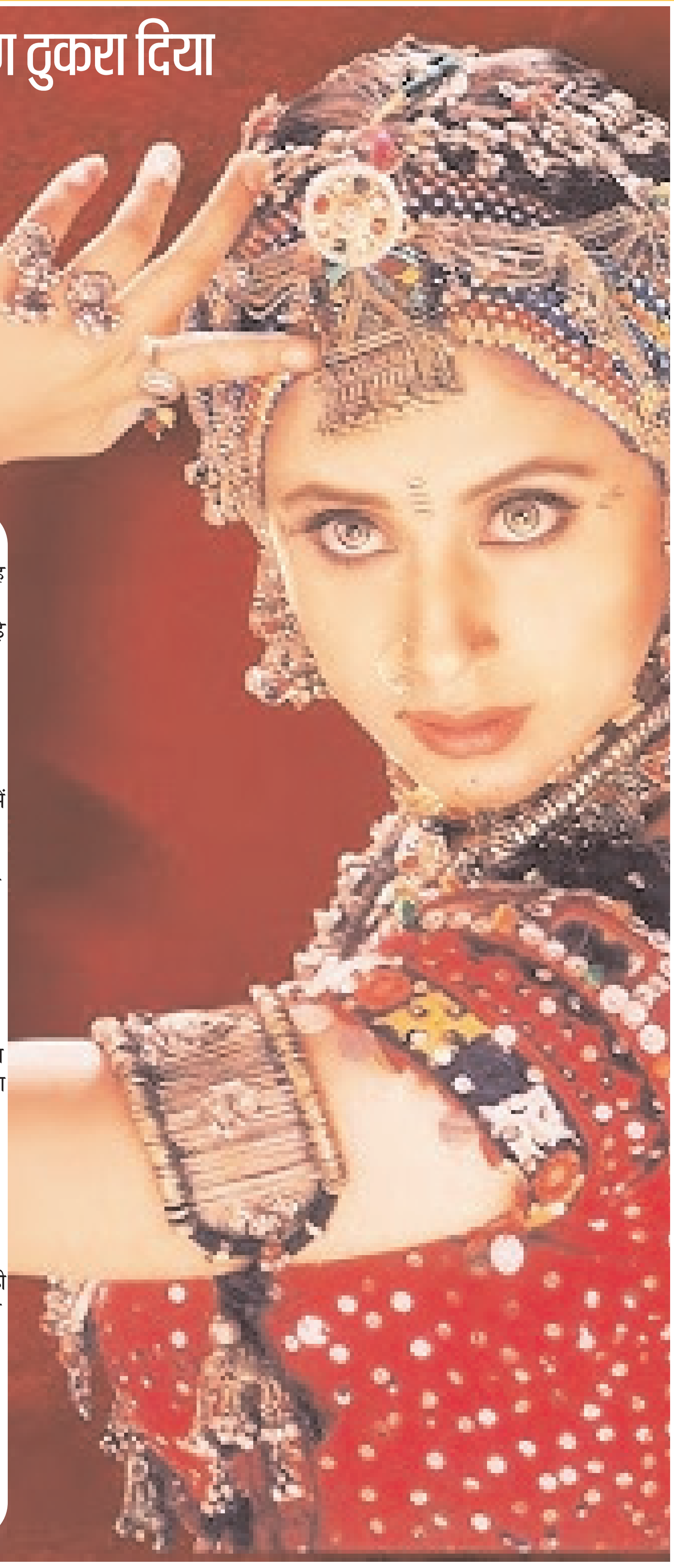

बॉलीवुड के कई ऐसे गाने हैं जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेता है। ऐसा ही एक गाना है फिल्म 'चाइना गेट' का मशहूर डांस नंबर 'छम्मा छम्मा', जिसे आज भी दर्शक बड़े चाव से सुनते और देखते हैं। इस गाने में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस गाने को लेकर अब उर्मिला ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस गाने को करने के लिए शुरुआत में बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं। उन्होंने इसके लिए लगभग मना कर दिया था।दरअसल, उर्मिला मातोंडकर टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'छम्मा छम्मा' गाने की शूटिंग के समय को याद किया और बताया, 'जब मुझे फिल्म 'चाइना गेट' के इस गाने का ऑफर मिला और मुझे बताया गया कि यह निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म का गाना है, तो मैंने इसे करने के लिए लगभग मना कर दिया था, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री में आइटम नंबर को लेकर एक अलग सोच थी, जिसके चलते मैं शुरुआत में इस गाने को करने में झिझक रही थी। उन्होंने आगे कहा, ''बाद में निर्देशक राजकुमार संतोषी ने मुझसे बात की और मेरा नजरिया बदल दिया। उन्होंने समझाया कि पहले भी एक ऐसा गाना बनाया गया था, जिसे लोग डांस करते समय हमेशा याद करते हैं। वह चाहते हैं कि मैं एक ऐसा गाना करूं जो दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक बना रहे। इसके बाद मैंने इस गाने को करने का फैसला लिया।'

उर्मिला मातोंडकर ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने बताया, ''जब मैंने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य से पूछा कि इस गाने की शूटिंग में कितना समय लगेगा, तो उन्होंने बताया कि लगभग 12 दिन लग सकते हैं। लेकिन पूरी टीम की मेहनत, तैयारी और तालमेल की वजह से यह गाना सिर्फ तीन दिनों में ही शूट कर लिया गया। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास था, क्योंकि इतनी तेजी से एक इतना बड़ा और लोकप्रिय गाना तैयार होना आसान नहीं होता।''

इसी कार्यक्रम में मौजूद अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने भी इस गाने को लेकर अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, ''जब यह गाना पहली बार रिलीज हुआ था, तब मुझे यह बहुत पसंद आया था। उर्मिला ने इस गाने में शानदार काम किया है। यह गाना अपने समय में भी बेहद खास था और आज भी इसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है।''

सनी देओल सिर्फ डायलॉग नहीं बोलते, हर इमोशन को महसूस करते हैं: निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा

अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार आवाज और पर्दे पर मजबूत किरदारों के लिए जाने जाते हैं। इस कड़ी में निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने अपनी आने वाली फिल्म 'इक्का' में सनी देओल के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बातें साझा की।

उन्होंने आईएएनएस को बताया कि लोग सनी देओल को केवल दमदार डायलॉग बोलने वाले अभिनेता के रूप में देखते हैं, जबकि असलियत यह है कि वह हर सीन की भावना को पूरी तरह महसूस करने के बाद ही कैमरे के सामने उसे निभाते हैं।

बता दें कि 'इक्का' में सनी देओल के साथ अक्षय खन्ना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले दोनों साल 1999 की फिल्म 'बॉर्डर' में साथ नजर आए थे। अब करीब 26 साल बाद फिर एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे।

सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने 'इक्का' को लेकर कहा, 'सनी देओल और अक्षय खन्ना लंबे समय बाद एक साथ नजर आएंगे। दोनों कलाकारों की अभिनय शैली एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है और यही बात इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाती है। जब दो अलग सोच और अलग तरीके से अभिनय करने वाले कलाकार एक ही स्क्रीन में आमने-सामने आते हैं तो उस सीन का प्रभाव अपने आप बढ़ जाता है।

सनी देओल के बारे में विस्तार से बात करते हुए सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने कहा, ''वह बेहद भावुक अभिनेता हैं। लोग अक्सर सनी देओल के दमदार डायलॉग्स को याद रखते हैं, लेकिन उनकी आंखों का अभिनय भी उतना ही प्रभावशाली होता है। कई बार बिना कुछ बोले ही उनकी आंखें किरदार की पूरी भावना दर्शकों तक पहुंचा देती हैं। सनी किसी भी सीन को पहले उसकी पूरी भावना को समझते हैं। उन्होंने कहा, ''वह यह जानने की कोशिश करते हैं कि उनका किरदार उस समय क्या महसूस कर रहा है और उसके बाद डायलॉग्स को अपने अंदाज में ढालते हैं। इसलिए वह हर लाइन को महसूस करने के बाद ही कैमरे के सामने बोलना पसंद करते हैं।निर्देशक ने अक्षय खन्ना के अभिनय के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अक्षय का तरीका सनी देओल से बिल्कुल अलग है। वह पहले पूरे सीन को अपने दिमाग में समझते हैं और यह जानते हैं कि निर्देशक उनसे क्या चाहते हैं। इसके बाद वह बहुत सटीक तरीके से अभिनय करते हैं। अक्षय इतने अनुभवी अभिनेता हैं कि कई बार एक ही बार में पूरा शॉट बिल्कुल वैसा कर देते हैं जैसा निर्देशक चाहते हैं। दोनों कलाकार अपने-अपने तरीके से शानदार हैं और दोनों की अलग-अलग शैली फिल्म को खास बनाती है।

निर्देशक ने फिल्म 'इक्का' की कहानी के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया, ''इस फिल्म में सनी देओल एक ईमानदार, सिद्धांतों पर चलने वाले और मशहूर वकील की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अक्षय खन्ना एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर हत्या का आरोप लगा है। कहानी में दिखाया गया है कि कभी सनी देओल के किरदार की वजह से उस व्यक्ति का जीवन पूरी तरह बदल गया था। अब दोनों अदालत में आमने-सामने होंगे, जहां सच और झूठ की लड़ाई के साथ पुराने हिसाब भी सामने आएंगे। यही टकराव फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनने वाला है। फिल्म 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

काम में है जीवन की चिंताओं को दूर करने की ताकत, ये रुका तो सब रुक जाएगा: अमिताभ बच्चन

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि काम में जिंदगी की चिंताओं को दूर करने की ताकत होती है। उन्होंने सभी को फोकस बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'आज का काम खत्म हुआ और अब अपने पर काम करना है। जब आप काम करते हैं, तो काम उन सभी चिंताओं का ध्यान रखता है जो हो सकती हैं। जब काम रुक जाता है, तो बाकी सब कुछ भी रुक जाता है। इसे जारी रखें। प्यार। इससे पहले 22 जून को अभिनेता ने बताया था कि उन्होंने हॉलीवुड स्टार टॉम हैंक्स की आवाज में बनी दूसरे विश्व युद्ध की डॉक्यूमेंट्री देखने में कुछ समय बिताया। उन्होंने ब्लॉग पर लिखा, 'टॉम हैंक्स की आवाज में दूसरे विश्व युद्ध पर बनी डॉक्यूमेंट्री देखी और युद्ध की निरर्थकता को महसूस किया। लाखों बेगुनाह लोगों की जान चली गई, पर किसलिए? अक्सर किसी एक व्यक्ति की सनक और अहंकार की वजह से... और नतीजा क्या निकला?' उन्होंने कहा, 'हथियार, युद्ध की मशीनरी, बेरहमी से की गई हत्याएं और ऐसी मान्यताएं जिनका शांतिपूर्ण दुनिया में कोई स्थान नहीं है... और एआई इन सबको एक साथ दिखाता है। 1939 में पोलैंड पर हमले से लेकर युद्ध के अंत और परमाणु युग की शुरुआत तक का संघर्ष, जिसमें न केवल रणनीति और नेताओं पर बल्कि आम सैनिकों और नागरिकों की पीड़ा पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'युद्ध की निरर्थकता का विचार कई बातों को देखने-समझने से आता है।

काम में है जीवन की चिंताओं को दूर करने की ताकत, ये रुका तो सब रुक जाएगा : अमिताभ बच्चन

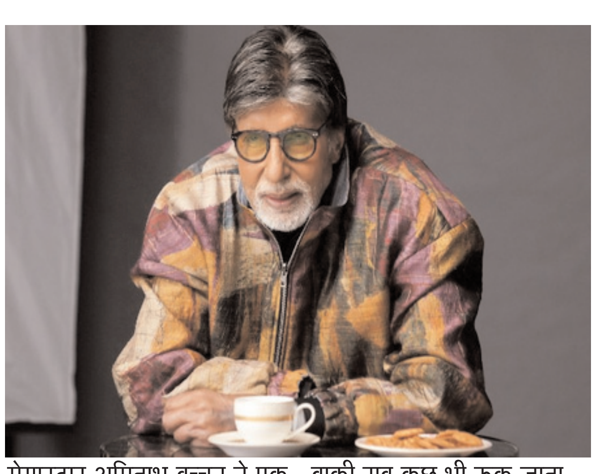

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि काम में जिंदगी की चिंताओं को दूर करने की ताकत होती है। उन्होंने सभी को फोकस बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'आज का काम खत्म हुआ और अब अपने पर काम करना है। जब आप काम करते हैं, तो काम उन सभी चिंताओं का ध्यान रखता है जो हो सकती हैं। जब काम रुक जाता है, तो बाकी सब कुछ भी रुक जाता है। इसे जारी रखें। प्यार। इससे पहले 22 जून को अभिनेता ने बताया था कि उन्होंने हॉलीवुड स्टार टॉम हैंक्स की आवाज में बनी दूसरे विश्व युद्ध की डॉक्यूमेंट्री देखने में कुछ समय बिताया। उन्होंने ब्लॉग पर लिखा, 'टॉम हैंक्स की आवाज में दूसरे विश्व युद्ध पर बनी डॉक्यूमेंट्री देखी और युद्ध की निरर्थकता को महसूस किया। लाखों बेगुनाह लोगों की जान चली गई, पर किसलिए? अक्सर किसी एक व्यक्ति की सनक और अहंकार की वजह से... और नतीजा क्या निकला? उन्होंने कहा, 'हथियार, युद्ध की मशीनरी, बेरहमी से की गई हत्याएं और ऐसी मान्यताएं जिनका शांतिपूर्ण दुनिया में कोई स्थान नहीं है... और एआई इन सबको एक साथ दिखाता है। 1939 में पोलैंड पर हमले से लेकर युद्ध के अंत और परमाणु युग की शुरुआत तक का संघर्ष, जिसमें न केवल रणनीति और नेताओं पर बल्कि आम सैनिकों और नागरिकों की पीड़ा पर भी जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि 'युद्ध की निरर्थकता का विचार कई बातों को देखने-समझने से आता है।' उन्होंने कहा, 'करोड़ों लोग मारे गए, फिर भी इसमें शामिल लगभग हर देश का मानना ? था कि वे जरूरत के कारण ऐसा कर रहे थे। शहर बर्बाद हो गए, आबादी विस्थापित हो गई और पूरे समुदाय खत्म हो गए। यहां तक ??कि जीतने वालों को भी भारी नुकसान और सदमे का सामना करना पड़ा। इस युद्ध ने एक अत्याचार का तो अंत किया, लेकिन दुनिया को नए तनावों का सामना करने के लिए छोड़ दिया, जिनमें कोल्ड वॉर और परमाणु हथियार शामिल थे। इसमें लोगों के साहस की मिसालें भी देखने को मिलती हैं, लेकिन ये सब भारी मानवीय त्रासदी के बीच होता है। दूसरे विश्व युद्ध पर बनी गंभीर डॉक्यूमेंट्रीज़ में अक्सर यह बात सामने आती है कि युद्ध भले ही कभी-कभी अपरिहार्य हो, लेकिन जो लोग इसे झेलते हैं, उनके नजरिए से यह कभी भी गौरवपूर्ण नहीं होता।

काम की बात करें तो, 80 साल से ज्यादा की उम्र में भी वह एक्टिव हैं। अभी नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं।

'वेलकम टू द जंगल' को मिला-जुला रिस्पॉन्स; किसी ने कहा 'पैसा वसूल' तो किसी ने बताया 'पुरानी वेलकम बेहतर'

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल और जैकी श्रॉफ जैसे कई बड़े सितारों से सजी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही है। किसी ने इसे शुरुआत से आखिर तक हंसाने वाली फिल्म बताया तो कुछ दर्शकों का मानना है कि यह मनोरंजक तो है लेकिन पहली 'वेलकम' जैसी बात इसमें नहीं है। एक दर्शक ने कहा, ''फिल्म में सभी कलाकारों ने अच्छा काम किया है लेकिन मुझे अक्षय कुमार की एक्टिंग सबसे ज्यादा पसंद आई। इसके अलावा, मुझे फिल्म का सेकंड हाफ ज्यादा मजेदार लगा। इतनी बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ संभालना आसान नहीं होता लेकिन डायरेक्टर ने यह काम अच्छे तरीके से किया है। फिल्म मनोरंजन करने में सफल रही और मैं इसे पांच में से चार स्टार दूंगा। एक अन्य दर्शक ने कहा, ''मैं आज अपना जन्मदिन मनाने के लिए यह फिल्म देखने पहुंचा और फिल्म ने मुझे बिल्कुल भी निराश नहीं किया। पूरी फिल्म के दौरान मैं लगातार हंसता रहा। सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदार पूरी ईमानदारी से निभाए हैं। यह पूरी तरह पैसा वसूल फिल्म है। मुझे खास तौर पर अक्षय कुमार की कॉमिक टाइमिंग सबसे ज्यादा बढ़िया लगी। फिल्म में सबसे ज्यादा हंसी उन्हीं के सीन पर आती है। एक और दर्शक ने कहा, ''फिल्म शुरू से लेकर आखिर तक मनोरंजन करती है। फिल्म देखने के दौरान बोरियत महसूस नहीं होती और कॉमेडी का सिलसिला लगातार चलता रहता है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे फैमिली के साथ बैठकर देखा जा सकता है। एक महिला दर्शक ने कहा, ''फिल्म ने मुझे बिल्कुल भी बोर नहीं होने दिया। लंबे समय बाद अक्षय कुमार और फरीदा जलाल को एक साथ स्क्रीन पर देखकर खुशी हुई।

जब दीपिका पादुकोण से लिफ्ट में मिले इंद्रजीत लंकेश, सुनाया पहली मुलाकात का दिलचस्प किस्सा

निर्देशक इंद्रजीत लंकेश इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने आईएएनएस संग बातचीत में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के फिल्मी सफर की शुरुआत से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा की हैं। इंद्रजीत ने बताया कि जब वह अपनी कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' के लिए नई अभिनेत्री की तलाश कर रहे थे, तभी उनकी मुलाकात दीपिका से हुई थी। पहली ही मुलाकात में उन्हें यह एहसास हो गया था कि वह आगे चलकर बड़ी स्टार बनेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए इंद्रजीत लंकेश ने कहा, ''कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' के लिए मैं बिल्कुल नया चेहरा चाहता था। इसी दौरान किसी ने मुझे दीपिका पादुकोण के नाम का सुझाव दिया। जब मैं उनसे मिलने पहुंचा और बात की, तो मैंने फैसला कर लिया था कि वहीं मेरी फिल्म की लीड एक्ट्रेस होंगी।'' निर्देशक ने अपनी पहली मुलाकात का एक दिलचस्प किस्सा भी बताया। उन्होंने कहा, ''मेरी और दीपिका की पहली मुलाकात लिफ्ट में हुई थी। उस दौरान मैंने फिल्म की कहानी सुनानी शुरू कर दी। मैं कहानी की सिर्फ दो लाइन्स ही बता पाया था कि दीपिका ने तुरंत फिल्म के लिए हां कर दिया। दीपिका पहले से ही आत्मविश्वास से भरी हुई थीं। उन्हें केवल एक ऐसा माहौल देने की जरूरत थी, जहां वह बिना किसी डर और दबाव के अपना बेस्ट परफॉर्म कर सकें। मैंने सिर्फ इतना किया कि उनको खुलकर अभिनय करने का भरोसा दिया।'' इंद्रजीत लंकेश ने कहा, ''पहली मुलाकात में ही मुझे दीपिका के भीतर कई ऐसी खूबियां दिखाई दी थीं, जो किसी बड़े कलाकार में होती हैं। उनकी लंबाई, उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व, कैमरे के सामने उनकी मौजूदगी और सबसे बढ़कर खुद को साबित करने की मजबूत इच्छा ने मुझे काफी प्रभावित किया। मैंने उसी समय दीपिका से कह दिया था कि एक दिन आप दुनिया भर में अपनी पहचान बनाएंगी। आप एक दिन हॉलीवुड की फिल्मों में भी काम करेंगी। कई साल बाद जब दीपिका ने अभिनेता विन डीजल के साथ फिल्म की, तब मुझे अपनी कही हुई वही बात याद आई।''

निर्देशक ने आगे कहा, 'कई लोगों को लगता है कि दीपिका कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' और हिंदी फिल्म 'ओम शांति ओम' पर एक साथ काम कर रही थीं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। पहले 'ऐश्वर्या' फिल्म की शूटिंग पूरी हुई और सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक 100 दिन चली। इसके बाद ही शाहरुख खान ने दीपिका को 'ओम शांति ओम' के लिए चुना।'

बता दें कि 'ऐश्वर्या' साल 2006 में रिलीज हुई कन्नड़ भाषा की एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसका निर्देशन इंद्रजीत लंकेश ने किया था। इस फिल्म में उपेंद्र, दीपिका पादुकोण और डेजी बोपन्ना मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

वेनेजुएला के मुश्किल वक्त में भारत बना सहारा, शुरू हुआ 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है।

इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल टीम अपने साथ लगभग छह टन

चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। इसी बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि ऑपरेशन अमिस्ताद जारी है। उन्होंने लिखा, ''भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान भूकंप प्रभावित वेनेजुएला के राहत एवं बचाव प्रयासों में सहायता के लिए तत्काल राहत सामग्री लेकर रवाना हुए। इस सहायता में भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट के साथ 35 टन से अधिक राहत सामग्री, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा दो भीष्म क्यूब भी भेजे गए हैं। भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों के साथ खड़ा है तथा हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।' भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

भारत का यह मिशन केवल राहत सामग्री भेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संकट की घड़ी में मित्र देशों के साथ खड़े रहने की उसकी नीति का भी प्रतीक है।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ वार्ता की

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने शुक्रवार को बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह चीन की उनकी चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक रहा। इस दौरान दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के अतिरिक्त प्रेस सचिव अतिकुर रहमान रुमोन के अनुसार, प्रधानमंत्री तारिक रहमान और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शुक्रवार सुबह बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता शुरू हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता महदी अमीन ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और अन्य साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की उम्मीद है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार,

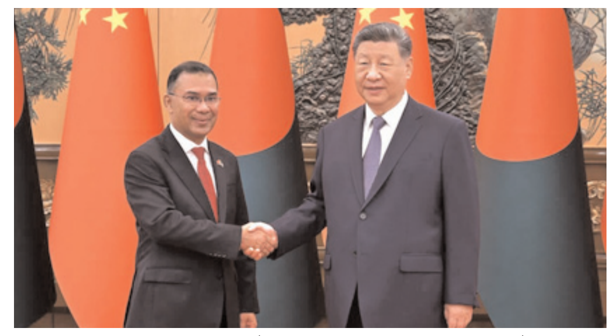

प्रधानमंत्री तारिक रहमान इस बैठक में बांग्लादेश के हितों से जुड़े कई अहम मुद्दे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के समक्ष उठाने वाले हैं।

यह बैठक गुरुवार को चीन के प्रधानमंत्री ली च्यांग के साथ तारिक रहमान की द्विपक्षीय वार्ता के बाद हुई। उस बैठक में तीस्ता परियोजना, व्यापार और निवेश जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। साथ ही दोनों देशों के बीच दो समझौतों और 13 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। बैठक के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'दोनों प्रधानमंत्रियों ने उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप दो समझौतों और 13 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह बांग्लादेश-चीन सहयोग और साझेदारी को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

तारिक रहमान सोमवार रात (स्थानीय समयानुसार) मलेशिया की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी करने के बाद चीन के डालियान पहुंचे थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा का पहला चरण था। रहमान का यह चीन दौरा आर्थिक और रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है।

बांग्लादेश में पत्रकारों पर हमलों की एडिटर्स काउंसिल ने की कड़ी निंदा

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश की एडिटर्स काउंसिल ने ढाका के धनमंडी इलाके में पत्रकारों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, काउंसिल ने घटना की तेज, बिना किसी भेदभाव के और पारदर्शी जांच की मांग की है। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के ऊपर 23 जून को धनमंडी 32 इलाके में कथित तौर पर कई पत्रकारों पर हमला करने का आरोप लगाया गया है। हमलावरों ने पत्रकारों पर अवामी लीग का सहयोगी होने का आरोप लगाया गया था। इस हमले में जमुना टेलीविजन के सीनियर रिपोर्टर रब्बी सिद्दीकी और डेली सकाल मल्टीमीडिया के रिपोर्टर महफूजुर रहमान शिशिर घायल हो गए। बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को जारी एक बयान में काउंसिल ने कहा कि जमात की ढाका साउथ यूनिट के एक राजनीतिक कार्यक्रम के बाद जानकारी इकट्ठा करते समय पत्रकारों पर हमला किया गया।

एस जयशंकर ने दक्षिण कोरियाई दौरे पर क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रिपब्लिक ऑफ कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून के निमंत्रण पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 24-25 जून 2026 को दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर गए। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने समकक्ष चो ह्यून के साथ द्विपक्षीय बैठक की और दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, एस जयशंकर ने सियोल में अपने समकक्ष चो ह्यून के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा करने और आपसी फायदे के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों को साझा किया। अप्रैल 2026 में दक्षिण

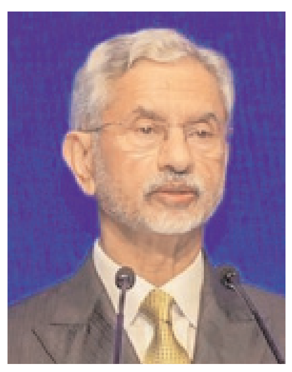

कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत दौरे के नतीजों के आधार पर, दोनों मंत्रियों ने राजनीतिक लेन-देन, व्यापार और निवेश, आर्थिक सहयोग, जहाज निर्माण, रक्षा और सुरक्षा, नई तकनीक, स्टार्टअप, संस्कृति, शिक्षा और लोगों के बीच बातचीत जैसे खास क्षेत्रों में हुई प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा की और आने वाले सालों में आपसी सहयोग को और गहरा करने के तरीकों की पहचान की। दोनों मंत्रियों ने आपसी संबंधों में नई तेजी का स्वागत किया और हाल की उच्च-स्तरीय बातचीत के नतीजों को आगे बढ़ाने और भारत-दक्षिण कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए करीबी बातचीत में बने रहने पर सहमत हुए।

इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशक वाई सुंग-लैक से भी मुलाकात की और क्षेत्रीय और वैश्विक विकास को लेकर अपनी राय साझा की। विदेश मंत्री ने 25 जून 2026 को जेजू में शांति और समृद्धि के लिए जेजू फोरम के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया। इसके अलावा, डॉ. जयशंकर ने विदेश मंत्री चो ह्युन को भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त आयोग की अगली मीटिंग के लिए आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत आने का न्योता दिया। इससे पहले, दक्षिण कोरिया में जेजू फोरम फॉर पीस एंड प्रॉस्पेरिटी 2026 को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री ने कहा, 'विडंबना यह है कि जिन चुनौतियों का हम सामना कर रहे हैं, उन्होंने एकजुटता की आवश्यकता को और अधिक मजबूत किया है। चाहे कोविड जैसी महामारी हो, आतंकवाद की घटनाएं हों या फिर चरम जलवायु घटनाओं का प्रभाव, इन समस्याओं को राजनीतिक सीमाओं के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता।

15वीं पंचवर्षीय योजना में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाएगा चीन

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राज्य परिषद सूचना कार्यालय ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के सदस्य और राष्ट्रीय ऊर्जा प्रशासन के प्रशासक वांग होंगची ने बताया कि 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-2030) के दौरान चीन में तेल, गैस, कोयला और सहायक बिजली आपूर्ति परियोजनाओं में निवेश लगातार बढ़ेगा।

अगले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में कुल निवेश 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021-2025) की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ने का अनुमान है। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर कुल बिजली निवेश का लगभग 60 प्रतिशत हो जाएगी। ग्रिड क्षेत्र में अंतर-प्रांतीय बिजली पारेषण लाइनों, अंतर-प्रांतीय

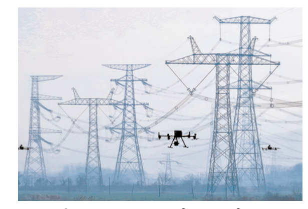

बिजली सहायता परियोजनाओं, मुख्य ग्रिड, वितरण ग्रिड और स्मार्ट माइक्रोग्रिड के निर्माण पर विशेष जोर दिया जाएगा। 15वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ग्रिड क्षेत्र में निवेश 14वीं पंचवर्षीय योजना की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक बढ़ेगा। इसके अलावा, नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों के विकास से जुड़ी परियोजनाओं में 20 खरब युआन से अधिक का निवेश किया जाएगा। राष्ट्रीय ऊर्जा प्रशासन के उप प्रशासक वान चिनसोंग ने कहा कि 15वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चीन नई ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेजी लाएगा।

बढ़ते खतरों के बीच अमेरिकी साइबर रक्षा एजेंसी को गृह सुरक्षा विभाग फिर से करेगा तैयार

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने सांसदों को बताया कि ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन अमेरिकी सरकार की साइबर रक्षा एजेंसी को फिर से बनाने और चीन, ईरान, रूस और उत्तर कोरिया से बढ़ते मुश्किल साइबर खतरों का सामना करने की उसकी क्षमता को मजबूत करने की योजना बना रहा है।

गृह सुरक्षा को लेकर हाउस एप्रोप्रिएशन सब-कमेटी के सामने मुलिन ने कहा, 'साइबर सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (सीआईएसए) सरकारी नेटवर्क, बिजनेस और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को विदेशी साइबर हमलों से बचाने में अहम भूमिका निभाएगी। हमारे दुश्मन न सिर्फ हमारी सरकार पर, बल्कि हर दिन हमारे बिजनेस पर भी हमला कर रहे हैं। इसलिए ऐसा करने का अधिकार सीआईएसए के पास है।' उन्होंने माना कि हाल के

सालों में एजेंसी ने अपनी दिशा खो दी है, लेकिन कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन इसे फिर से बनाना चाहता है। शायद इसकी बदनामी इसलिए हुई क्योंकि यह अपनी अथॉरिटी का इस्तेमाल नहीं कर रहा था। हम सबसे अच्छे लोगों की नियुक्ति कर रहे हैं।'

मुलिन ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन ने एजेंसी की काबिलियत को ठीक करने के लिए नए नेतृत्व को नियुक्त करने और विशेषज्ञों को लाने का प्लान बनाया है। उन्होंने कहा, 'हम इसे खड़ा करना चाहते हैं और सिर्फ एवरेज नहीं बनना चाहते।

हम देश में साइबर सिक्योरिटी के लिए सबसे आगे रहना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'डीएचएस का मानना है कि सीआईएसए अपनी जरूरत से लगभग आधे स्टाफ पर काम कर रहा है। क्या हमें सबको वापस नियुक्त करने की जरूरत है? नहीं। क्या हमें लगभग 600 लोगों को वापस नियुक्त करने की जरूरत है? सचिव ने कहा कि एजेंसी को फिर से बनाने में समय लगेगा। मुलिन ने आने वाले सीआईएसए डायरेक्टर का जिक्र करते हुए कहा, 'एक बार जब वह आ जाएंगे, तो इसे फिर से बनाने में मुझे शायद 12 महीने लगेंगे।' उन्होंने सरकार और निजी सेक्टर के बीच ज्यादा सहयोग की भी अपील की और कहा कि तकनीकी कंपनियां अकेले सरकार के साइबर खतरों का सामना नहीं कर सकतीं।

चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका ने पैसिफिक में अपनी कोशिशें बढ़ाईं

विश्व केसरी

वाशिंगटन। ट्रंप सरकार ने कहा कि वह पैसिफिक आइलैंड्स में अपने कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा एंगेजमेंट को बढ़ा रहा है ताकि इस इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। ट्रंप सरकार ने इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से जरूरी बताया है।

पूर्वी एशियाई और पैसिफिक मामलों के राज्य के सहायक सचिव माइकल जी. डीसोम्ब्रे ने पूर्व एशिया और पैसिफिक पर हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी को बताया कि राज्य विभाग ने पैसिफिक को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक बनाया है। डीसोम्ब्रे ने कहा, 'यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर राज्य विभाग बहुत ज्यादा फोकस कर रहा है।' उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की रणनीति का मुख्य उद्देश्य प्रशांत द्वीपीय देशों की क्षमता और लचीलेपन को मजबूत करना है,

साथ ही उन्हें चीन के तेजी से बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव का एक व्यवहारिक विकल्प उपलब्ध कराना भी है। डीसोम्ब्रे ने कहा, 'पहला कदम आर्थिक मजबूती बनाने की कोशिश करना है। असल में हम पैसिफिक आइलैंड्स के साथ मिलकर ऐसे तरीके ढूंढ रहे हैं जिनसे हम इन देशों में ज्यादा अमेरिकी या दूसरे पश्चिमी सहयोगी निवेश ला सकें।' अमेरिकी समोआ क्षेत्र की कांग्रेसी महिला औमुआ अमाता कोलमैन रेडवेगन ने कहा कि पैसिफिक आइलैंड देश अमेरिका और हिंद-प्रशांत के बीच हैं, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग और बढ़ते कर्ज के जरिए चीन के बढ़ते असर का सामना कर रहे हैं।

पीएम मोदी का सेशेल्स दौरा : भारत के उच्चायुक्त बोले, सुरक्षा से लेकर समुद्री सहयोग तक मिलेंगे नए आयाम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के मौके पर आयोजित गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर वहां के लोगों में खुशी का माहौल है। सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त ने पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ खास बातचीत की।

दोनों देशों के लिए प्रधानमंत्री के इस दौरे का महत्व बताते हुए सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त रोहित रथीश ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का जो दौरा है, ये बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। सेशेल्स अपनी आजादी के 250वें सालगिरह पर गोल्डन जुबली मना रहे हैं। पीएम मोदी मुख्य अतिथि हैं। ये दर्शाता है कि हमारा संबंध

कितना गहरा है। पीएम मोदी के इस दौरे से हमारे संबंध सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, केपेसिटी ब्लिडिंग, समुद्र और विज्ञान समेत तमाम क्षेत्रों में और भी गहरे और मजबूत हो जाएंगे। दोनों देशों के बीच जो रिश्ता है, वो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध से जुड़ा हुआ है। भारतीय समुदाय के लोग भी रहते हैं। पीएम मोदी उनसे भी मिलेंगे।

भारत और सेशेल्स के बीच मौजूदा संबंध के बारे में पूछे जाने पर उच्चायुक्त रोहित रथीश ने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच कूटनीतिक संबंध के 50 साल हो गए हैं। इस दौरे पर दोनों देशों के बीच संबंध में द्विपक्षीय साझेदारी की भी भूमिका है। पिछले नौ महीनों में हमारे आपसी संबंध और मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के शपथग्रहण समारोह में अक्टूबर 2025 में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी आए थे।

इसके बाद राष्ट्रपति हर्मिनी भारत के दौरे पर पहुंचे। साझेदारी की मौजूदा हालत डायनामिक है, यह बहुत अच्छी है। हाल ही में, पिछले नौ महीनों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गाइडेंस में संबंध और मजबूत हुए हैं, नई ऊर्जा और मोमेंटम मिला है। जब पूछा गया कि भारतीय समुद्री क्षेत्र के लिए भारत के दृष्टिकोण में सेशेल्स की क्या भूमिका है, तो सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त रोहित रथीश ने कहा, 'हम दोनों देश इस क्षेत्र को साझा करते हैं, दोनों देश अपनी आर्थिक सुरक्षा, अपनी समुद्री सुरक्षा वगैरह के लिए भारतीय समुद्र पर निर्भर करते हैं।

अमेरिकी वीजा प्रोसेसिंग के लिए एआई को बढ़ावा देने की योजना बना रही है ट्रंप सरकार

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने सांसदों को बताया कि ट्रंप सरकार यूएस वीजा प्रोसेसिंग और लीगल इमिग्रेशन सर्विस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदलाव करने की योजना बना रहा है। इसमें एक नया मोबाइल एप्लीकेशन भी शामिल है, जिसका मकसद अप्रूवल में तेजी लाना, पेपरवर्क कम करना और दक्षता में सुधार करना है।

देश के अंदर सुरक्षा को लेकर हाउस एप्रोप्रिएशन सब-कमेटी के सामने पेश होते हुए मुलिन ने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) इमिग्रेशन सिस्टम को आधुनिक बना रहा है ताकि लीगल माइग्रेशन तेजी से हो सके और साथ ही सुरक्षा

निगरानी भी ज्यादा सख्त रहे।

मुलिन ने कहा, 'हम अभी ऐसे सिस्टम बना रहे हैं ताकि एक ऑटोमेटेड सिस्टम के जरिए ऐसा किया जा सके।' उन्होंने कहा, 'पहला एआई-इनेबल्ड प्लेटफॉर्म 30 दिनों के अंदर चालू हो जाएगा। शुरुआती रोलआउट का फोकस डेफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स (डीएसीए) प्रोग्राम के तहत आवेदन प्रक्रिया में बैकलॉग को कम करना होगा।' मुलिन ने कहा कि विभाग अपने आवेदन प्रक्रिया को भी रीडिजाइन कर रहा है ताकि उन गलतियों को कम किया जा सके जिनसे अक्सर वीजा अप्रूवल में देरी होती है। उन्होंने कहा, 'हम इसे ऐसे सिस्टम में क्यों नहीं ले जा सकते कि आप पेपरवर्क तब तक सबमिट न कर सकें जब तक वह सही तरीके से भरा न जाए? तकनीक मौजूद है, हमें बस उसे अपनाना है।' सचिव ने बताया कि डीएचएस वाणिज्य विभाग के साथ मिलकर एक मोबाइल आवेदन विकसित कर रहा है, जो आवेदकों के लिए इमिग्रेशन सर्विस को आसान बनाएगा।

अमेरिका में 4.5 लाख प्रवासी बच्चों का नहीं चला पता, गृह सुरक्षा विभाग ने जताई गंभीर चिंता

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि उनका विभाग उन 4.5 लाख प्रवासी बच्चों का पता लगाने के प्रयास तेज कर रहा है, जिनका पिछली सरकार के दौरान प्रायोजकों (स्पॉन्सर्स) के पास भेजे जाने के बाद संपर्क टूट गया था। उन्होंने बताया कि अब तक इनमें से 1.47 लाख बच्चों का पता लगाया जा चुका है।

गृह सुरक्षा से जुड़े मामलों पर हाउस एप्रोप्रिएशन सब-कमेटी के समक्ष गवाही देते हुए मुलिन ने कहा कि कमजोर और असुरक्षित प्रवासी बच्चों का पता लगाना गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने लॉमेकर्स से कहा, 'यह उन सबसे भयावह और विचलित करने वाले

मामलों में से एक है, जिनसे हमें जूझना पड़ा है। यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है।' मुलिन ने स्पष्ट किया कि जिन बच्चों का पता लगाया गया, उनमें से सभी किसी खतरे की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा, 'हर बच्चे को बचाव अभियान की जरूरत नहीं थी। कुछ बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुरक्षित मिले और उनकी स्थिति सामान्य थी। हालांकि, जांच के दौरान हमें कुछ बेहद गंभीर और चिंताजनक मामले भी सामने आए हैं।' मुलिन ने कहा कि जांच के दौरान ऐसे मानव तस्करी गिरोहों का खुलासा हुआ है, जिनके चंगुल में फंसे प्रवासी बच्चों को गंभीर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मीडिया में एक मामला सामने आया था, जिसमें कई वयस्कों का एक गिरोह बच्चों को भूमिगत बंकर जैसी कालकोठरी में बंद करके रखे हुए था।' मुलिन ने उन नाबालिग लड़कियों का भी जिक्र किया, जो कथित तौर पर मानव तस्करों के कब्जे में पहुंचने के बाद बार-बार यौन शोषण का शिकार हुईं। उन्होंने कहा, 'इन घटनाओं की भयावहता इतनी ज्यादा है कि किसी डरावनी कहानी की भी कल्पना इससे आगे नहीं जा सकती।'उन्होंने कहा कि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता था। इसी उद्देश्य से गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) लापता प्रवासी बच्चों का पता लगाने के लिए एक बड़ी विशेष टास्क फोर्स गठित कर रहा है।

नशे पर नकेल : हरियाणा में बनेगी ज्वाइंट टास्क फोर्स, नशामुक्ति के बाद मिलेगी कौशल ट्रेनिंग

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया ऐलान, नशे के सौदागरों में पैदा होगा खौफ

विश्व केसरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को नशामुक्त करने के लिए 'ज्वाइंट टास्क फोर्स' के गठन की घोषणा की है। ये टास्क फोर्स ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नशे की बिक्री पर लगाम लगाएगी और इसके कारोबारियों को पकड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन टास्क फोर्स को इतना सशक्त बनाया जाएगा कि नशे के सौदागरों में डर पैदा हो।

बैठक में 'हरियाणा विजन-2047' के तहत सामाजिक न्याय विभाग के रोडमैप की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नशे की रोकथाम में सहयोग देने और समाज को नशामुक्त करने का संकल्प भी दिलवाया।

नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए ग्रामीण स्तर पर सरपंच, वार्ड सदस्य, बीडीपीओ, एसएचओ और एनजीओ को मिलाकर टास्क फोर्स बनेगी। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय के सचिव, वार्ड पार्षद, एसएचओ और एनजीओ शामिल होंगे। ये टास्क फोर्स नशे की बिक्री वाले स्थानों की पहचान कर कार्रवाई करेंगी।

मुख्यमंत्री ने नशा पीड़ितों के पुनर्वास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि और नशामुक्ति केंद्र खोले जाएंगे। इलाज के बाद निकलने वाले व्यक्तियों की 3 महीने तक देखरेख की जाएगी और उन्हें कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर दिए जाएंगे ताकि वे समाज की मुख्य धारा में लौट सकें।

असम पुलिस ने 10.8 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की, एक गिरफ्तार

विश्व केसरी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को बताया कि असम पुलिस ने श्रीभूमि जिले में रात भर चले अभियान के दौरान लगभग 10.8 करोड़ रुपए मूल्य की मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त की है। उन्होंने राज्य के नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्यमंत्री के अनुसार, यह अभियान श्रीभूमि पुलिस द्वारा चलाया गया था, जिसके परिणामस्वरूप ड्रग्स की एक बड़ी खेप पकड़ी गई। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। वहीं, पुलिस तस्करी नेटवर्क में शामिल शेष आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चला रही है।

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि असम पुलिस से पंगा लेने पर 10.8 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना देना पड़ता है। रात भर चले अभियान के दौरान इतनी बड़ी खेप को जब्त करने के लिए श्रीभूमि पुलिस को बधाई। एक को गिरफ्तार किया गया है और शेष आरोपियों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री द्वारा साझा की गई तस्वीरों में जब्ती के बाद संदिग्ध गांजे के दर्जनों पैकेट ढेर लगे हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनमें पुलिसकर्मी और चश्मदीद मौजूद हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि खेप के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और इस रैकेट से जुड़े अंतरराज्यीय और सीमा पार के संपर्कों का पता लगाने के प्रयास भी जारी हैं। असम ने पिछले कुछ वर्षों में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसके साथ ही कानून प्रवर्तन एजेंसियां मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने के लिए राज्य भर में नियमित अभियान चला रही हैं। लगातार चलाए गए अभियानों में भारी मात्रा में हेरोइन, मेथम्फेटामाइन की गोलियां, गांजा और अन्य प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए गए हैं। पुलिस ने इन अभियानों में सैकड़ों तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त खबर

बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गांधीनगर के तीन आरोग्य मंदिर सम्मानित

विश्व केसरी

गांधीनगर। जन-जन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में गांधीनगर जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले के शाहपुर, कांठा और वेडा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक यानी एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्रदान किया है। इन स्वास्थ्य केंद्रों पर ओरल हेल्थ केयर, प्राइमरी आई, ईयर, नोज और थ्रोट केयर, एंटीनेटल केयर और मैटरनिटी सर्विसेज, नियोनेटल और चाइल्ड हेल्थ सर्विसेज, मेंटल हेल्थ केयर, गैर-संचारी रोग मैनेजमेंट और मरीजों को मुफ्त दवाओं का वितरण जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में 12 प्रमुख मानकों को पूरा किया है। स्थानीय निवासियों के मुताबित इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उन्हें चिकित्सीय परामर्श, लैब टेस्टिंग और मेडिसिन जैसी सभी सुविधाएं मुफ्त मिल रही हैं। स्थानीय निवासी हीतेंद्र राठौड़ ने कहा कि किसी भी तरह की समस्या हो तो यहां पर आपको प्राथमिक सुविधा मिल जाती है। यहां पर मलेरिया, टीबी, सभी का इलाज होता है। यहां डॉक्टर सभी का इलाज करते हैं, जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस की सुविधा भी मिल जाती है। संगीताबेन प्रजापति ने कहा कि यहां सारी सुविधा मिल जाती है, बीपी, डायबिटीज की दवा मिल जाती है। सामान्य बीमारी के इलाज की सुविधा भी दी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का डिजिटल माध्यम से वर्चुअल असेसमेंट किया था, जिसमें ये हेल्थ सेंटर सभी 12 मानकों पर खरे उतरे हैं।

उत्तराखंड सीमा पर निहंग सिखों से वार्ता शांति बनाए रखने पर प्रशासन का जोर

विश्व केसरी

पिछले दिनों उत्तराखंड में स्थानीय लोगों और निहंग समुदाय के बीच चल रही तकरार अब शांत पड़ रही है और प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद वार्ता के जरिये मामले को सुलझाने के प्रयास चल रहे हैं। गुरुद्वारा पांवटा साहिब में प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच शांतिपूर्ण माहौल में बातचीत जारी है। एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर भी वार्ता के लिए हिमाचल प्रदेश सिरमौर के पांवटा साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। निहंग जत्थेदार अकाली जसदीप सिंह ने कहा कि उनकी मांगों को प्रशासन ने स्वीकार किया है और उन्हें दो दिन का समय दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नजरबंद निहंग सिखों से मिलने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। देहरादून के जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने शुक्रवार को पांवटा साहिब सीमा का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। सीमा और अन्य प्रवेश मार्गों पर पुलिस की सख्त निगरानी है तथा देहरादून आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

धार्मिक पहचान छिपाकर प्यार का नाटक, फिर ब्लैकमेलिंग; फरियाद लेकर पहुंची यूपी की युवती

विश्व केसरी

पलामू। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले की रहने वाली एक युवती ने पलामू जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के एक युवक पर अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर शादी का झांसा देने, शारीरिक और मानसिक शोषण करने तथा आपत्तिजनक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, वह एक निजी ई-कॉमर्स कंपनी में कार्यरत है। उसकी करीब दो वर्ष पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के कररिया गांव निवासी एक युवक से पहचान हुई थी। युवती का आरोप है कि युवक ने खुद को दूसरे नाम और दूसरी पहचान के साथ परिचित कराया तथा स्वयं को राजपूत समुदाय का बताया। युवती का आरोप है कि उसने प्यार का नाटक किया। इस दौरान युवक ने शादी का भरोसा देकर उसका शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किया।

युवती ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके कुछ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए, जिनका बाद में ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया गया। शिकायत के अनुसार, जब उसे युवक की वास्तविक पहचान की जानकारी मिली और उसने उससे दूरी बनाने की कोशिश की, तो आरोपी कथित तौर पर फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देने लगा।

युवती ने आरोप लगाया कि वह गुरुवार शाम आरोपी से अपना मोबाइल, लैपटॉप तथा आपत्तिजनक सामग्री वापस लेने के लिए उसके गांव पहुंची थी। वहां आरोपी और उसके परिजनों ने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया, मारपीट की और रातभर उसे घर के बाहर रखा। उसका यह भी आरोप है कि उसका मोबाइल और लैपटॉप छीन लिया गया।

पीड़िता का कहना है कि शुक्रवार सुबह वह वहां से निकलकर करीब छह किलोमीटर पैदल चलकर मोहम्मदगंज थाना पहुंची और पुलिस से सुरक्षा तथा न्याय की गुहार लगाई। मोहम्मदगंज थाना पुलिस ने युवती की शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : मनोज झा ने बताया श्रद्धालुओं से धोखा

विश्व केसरी

सहरसा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला अब सिर्फ विपक्ष से जुड़ा नहीं, बल्कि पूरे देश के श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी है। यह हमारी आस्था का विषय है। उन्होंने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब देखिए स्थिति कैसी हो चुकी है। एक तरफ जहां राम मंदिर के दानपात्र में हुए घपलेबाजी का मामला प्रकाश में आ गया तो वहीं उज्जैन लैंड स्कैम से जुड़ा मामला भी सामने आया है। राम और शिव दोनों ही हिंदू धर्म के दो अहम प्रतीक माने जाते हैं। आप अगर इंसान के साथ धोखाधड़ी करते तो हमें समझ में भी आता, लेकिन, अफसोस की बात है कि आपने ईश्वर को नहीं छोड़ा। अब लीपालोपी की कोशिश की जा रही है, जो बहुत ही महंगा पड़ने वाला है।

उन्होंने भरत तिवारी के एनकाउंटर को लेकर भी अपनी बात रखी। उनके मुताबिक, यह सरकार सच का एनकाउंटर करने की कोशिश अब तक करती रही।

साथ ही, उन्होंने सम्राट सरकार जैसे शब्दों पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब आप सम्राट सरकार कहते हैं, तो मैं चौंक जाता हूं। आमतौर पर सरकार का चयन तो देश की जनता की ओर से किया जाता है। यह जगजाहिर है कि किस तंत्र का सहारा लेकर बिहार में सरकार बनाई गई। अगर आप नीतीश सरकार जैसे वाक्यों का भी जिक्र करते, तो मैं मान लेता क्योंकि उनके पक्ष में मतदान था। सम्राट के पक्ष में तो कोई मतदान ही नहीं गया है। ऐसी स्थिति में आप सम्राट सरकार कैसे कह सकते हैं। साथ ही, उन्होंने रौशन आनंद प्रकरण को लेकर भी अपनी बात रखी। उनके मुताबिक, यह बिहार की लचर कानून व्यवस्था का ही नतीजा है कि आज हमें अपने प्रदेश में इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

एनसीईआरटी सिलेबस पर सियासी घमासान, कांग्रेस बोली- एकतरफा इतिहास नहीं पढ़ाया जाना चाहिए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में आपातकाल (इमरजेंसी) पर अध्याय शामिल किए जाने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी का दौर जारी है। एक तरफ सत्ता पक्ष इसे छात्रों को सच्चाई से अवगत कराने की पहल बता रहा है, तो दूसरी ओर विपक्ष इसे गलत ठहराने में जुटा हुआ है।

कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि नई पीढ़ी को इमरजेंसी के बारे में पढ़ाया जा रहा है, तो अन्य घटनाओं को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केवल एक पक्षीय इतिहास नहीं पढ़ाया जाना चाहिए, बल्कि हाल के वर्षों में हुई घटनाओं पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, 'आप अब युवा पीढ़ी को इमरजेंसी के बारे में बताने की कोशिश कर रहे हैं। मैं यह पूछना चाहता हूं कि एक और बात भी जोड़ी जानी चाहिए कि बिहार में चुनाव कैसे हुए और आपने चुनाव में कैसे धांधली की। चुनाव के दौरान आपने सरकारी खजाने से लोगों के बैंक खातों में 10,000-10,000 रुपये ट्रांसफर किए और चुनाव को प्रभावित किया। उस बात को भी जोड़ें, ताकि आने वाली पीढ़ी इसके बारे में पढ़े। यह भी शामिल करें कि आपने मध्य प्रदेश में हमारे उम्मीदवार को कोई समय नहीं दिया, जबकि झारखंड में आपने बार-बार समय दिया। यह भी जोड़ें कि पहले आप वोट चुराते थे और अब आपने सीटें चुराना शुरू कर दिया है।' वहीं कांग्रेस नेता हुसैन दलवई के बयान पर पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इंसान जन्म से ही एक सामाजिक और धार्मिक प्रवृत्ति के साथ होता है, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच विकसित करना होना चाहिए। सुरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि वर्तमान शैक्षणिक ढांचे में बच्चों को एक विशेष वैचारिक दिशा में ढालने का प्रयास किया जा रहा है, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण देना होना चाहिए, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने एनसीईआरटी द्वारा चुनाव आयोग (ईसीआई) पर शामिल किए गए अध्याय का स्वागत किया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान की अगुवाई की

विश्व केसरी

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज बनाने के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने की सामूहिक कोशिशों की जरूरत है। उन्होंने लोगों, खासकर युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ने इम्फाल के ऐतिहासिक कांग्ला किले के पश्चिमी गेट से 'विश्व ड्रग समस्या: बनी हुई समस्याएं, नई चुनौतियां, नए समाधान' थीम के तहत 10 किलोमीटर की मेगा जागरूकता दौड़ को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने दौड़ में शामिल लोगों के उत्साह की सराहना की और बड़ी संख्या में ऊर्जावान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक युवाओं को जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते देखकर खुशी जताई। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'नशीली दवाओं को ना कहें' का नारा दिया और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों सहित सभी लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ शपथ दिलाने और उस पर हस्ताक्षर करवाने का नेतृत्व किया। बाद में, अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

बैकडोर भर्ती विवादः मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने महबूबा को सबूत पेश करने की दी चुनौती

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की ओर से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार पर लगाए गए उन आरोपों का कड़ा खंडन किया, जिनमें 25,000 'बैकडोर' नियुक्तियों की बात कही गई थी।

शुक्रवार को मुहर्रम के 10वें दिन के जुलूस में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती और उनकी पार्टी पर राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए पाखंड करने का आरोप लगाया। एनसी सरकार द्वारा 25,000 बैकडोर नियुक्तियां किए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। जिन्होंने सबसे ज्यादा गैरकानूनी और बैकडोर नियुक्तियां कीं, वे ही अब ये आरोप लगा रहे हैं। क्या हमें यह भूल जाना चाहिए कि उनकी कई बैकडोर नियुक्तियां अदालतों ने रद्द कर दी थीं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुफ्ती के परिवार से जुड़े लोगों को भी अनियमित भर्ती प्रक्रियाओं से फायदा हुआ है। उन्होंने सरताज मदनी के बेटे का उदाहरण देते हुए दावा किया कि उन्हें बैकडोर प्रक्रिया के जरिए नियुक्त किया गया था और बाद में अदालत के निर्देशों के बाद हटा दिया गया। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर बैंक में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं का भी जिक्र किया, जिनमें से एजेंसियां कई की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं पीडीपी-भाजपा सरकार के दौरान की गई बैकडोर नियुक्तियों को गिनना शुरू करूं, तो आपके पास पूरी सूची सुनने के लिए पर्याप्त समय नहीं होगा।

स्कूल-अस्पताल समेत सार्वजनिक इमारतों के लिए राष्ट्रीय फायर सेफ्टी फ्रेमवर्क की मांग, याचिका दायर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। इसमें देश भर में ज्यादा जोखिम वाली सार्वजनिक जगहों (जैसे स्कूल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर, होटल और कमर्शियल बिल्डिंग) के लिए 'नेशनल मिनिमम फायर एंड लाइफ-सेफ्टी फ्रेमवर्क' (राष्ट्रीय न्यूनतम अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा) बनाने और लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिका में स्कूलों, अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों, होटलों और कमर्शियल जगहों पर बार-बार होने वाली आग की घटनाओं का हवाला दिया गया है। वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने अपनी तरफ से यह रिट याचिका दायर की है। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों से सार्वजनिक इमारतों के लिए एक जैसे न्यूनतम फायर और लाइफ-सेफ्टी स्टैंडर्ड तय करने के निर्देश देने की मांग की गई है, चाहे अलग-अलग राज्यों में मौजूदा नियम-कानून कैसे भी हों। याचिका में कहा गया है कि फायर सेफ्टी से जुड़े मौजूदा नियम अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अलग-अलग और असमान हैं। इससे स्टैंडर्ड में अंतर आता है और नियमों को लागू करने में कमियां रह जाती हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। पीआईएल में एक 'नेशनल मिनिमम फायर एंड लाइफ-सेफ्टी फ्रेमवर्क' बनाने और लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें स्कूल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर, होटल, गेस्ट हाउस, मनोरंजन स्थल, कमर्शियल बिल्डिंग और लोगों के आने-जाने वाली अन्य जगहें शामिल हों। इसमें फायर सेफ्टी नियमों का पालन सुनिश्चित करने, समय-समय पर जांच करने, आपातकालीन तैयारी, लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की योजना और नियमों के उल्लंघन पर अधिकारियों व जगह के मालिकों की जवाबदेही तय करने के लिए असरदार तरीके अपनाने की मांग की गई है।

गर्मियों में बाहर के खाने को कहें ना, घर पर बनाएं चटपटे अचारी आलू, जानें विधि

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर लोगों को बाहर के तले-भुने और खुले खाने से परहेज करने की सलाह देते हैं। ऐसे समय में घर का बना हल्का लेकिन स्वादिष्ट भोजन सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। अगर आपको चटपटा और मसालेदार खाना पसंद है तो अचारी आलू एक बेहतरीन डिश हो सकती है, जो स्वाद और सेहत दोनों का संतुलन बनाए रखती है।

गर्मी के मौसम में तेज धूप और नमी के कारण बाहर का खाना जल्दी खराब हो सकता है और पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। ऐसे में अगर आपको चटपटा और तीखा स्वाद बहुत पसंद है तो घर पर ही अचारी आलू बनाकर लुत्फ उठाइए। यह न सिर्फ स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी सुरक्षित विकल्प है।

अचारी आलू देसी रसोई का एक क्लासिक व्यंजन है। इसमें आलू को अचार वाले खास मसालों जैसे सौंफ, मेथी, राई, कलौंजी और सरसों के तेल के साथ पकाया जाता है। खट्टा-तीखा और मसालेदार स्वाद इसे हर किसी का पसंदीदा बना देता है। यह नाश्ते में, लंच बॉक्स में, दोपहर के भोजन के साथ या शाम की चाय के साथ भी परोसा जा सकता है।

इस डिश को बनाने की सबसे अच्छी बात यह है कि यह आसानी से घर पर तैयार हो जाती है। गर्मियों में जब भारी खाना पचाना मुश्किल हो जाता है, तब अचारी आलू हल्का स्वादिष्ट विकल्प साबित होता है। सरसों का तेल इसमें न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि इसमें मौजूद गुण गर्मियों में शरीर को ठंडक भी प्रदान करते हैं।

अचारी आलू घर का बना होने से स्वच्छ और तरोताजा रहता है, बाहर के चाट-पकौड़ी या तीखे खाने का सुरक्षित विकल्प, कम सामग्री में बनकर तैयार और लंबे समय तक खराब नहीं होता, इसलिए यात्रा के लिए भी बेस्ट है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि गर्मी के दिनों में मसालेदार लेकिन घर का खाना खाना फायदेमंद होता है। अचारी आलू में इस्तेमाल होने वाले मसाले पाचन सुधारने में मदद करते हैं और स्वाद भी बढ़ाते हैं। आप इसे रोटी, पराठा, पूड़ी या चावल के साथ खा सकते हैं।

आयातित दवाओं के लिए शेष शेल्फ लाइफ नियमों में राहत की तैयारी, सरकार ने प्रस्ताव पर संबंधित पक्षों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आयातित दवाओं के लिए बची हुई शेल्फ लाइफ के नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत मौजूदा नियम, जिसमें आयात के समय दवा की कुल शेल्फ लाइफ का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बचा होना जरूरी है, को बदलकर न्यूनतम 12 महीने की शेल्फ लाइफ रखने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे दवा आपूर्ति शृंखला (सप्लाई चेन) अधिक प्रभावी होगी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में कारोबार करना आसान होगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 31 में संशोधन का मसौदा अधिसूचना जारी की है और इस प्रस्ताव पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित किए हैं।

प्रस्तावित संशोधन के तहत, भारत में आयात होने वाली दवाओं के पास आयात के समय कम से कम 12 महीने की शेष शेल्फ लाइफ होना अनिवार्य होगा, जबकि वर्तमान में उनकी कुल शेल्फ लाइफ का 60 प्रतिशत से अधिक शेष रहने की आवश्यकता होती है।

हालांकि, सरकार ने बायोलॉजिकल उत्पादों और रेडियोफार्मास्युटिकल दवाओं के लिए मौजूदा नियमों को बरकरार रखने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि इनका उपयोग विशेष परिस्थितियों में होता है और ये सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इस बदलाव का उद्देश्य आयात नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाना है, जबकि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि मरीजों को पर्याप्त उपयोग अवधि वाली दवाएं मिलती रहें।सरकार का कहना है कि 12 महीने की न्यूनतम शेल्फ लाइफ दवाओं के वितरण और उपयोग के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराएगी, जिससे दवा आपूर्ति प्रणाली अधिक कुशल बनेगी और सप्लाई चेन का संचालन बेहतर होगा। मंत्रालय का मानना है कि प्रस्तावित संशोधन से सख्त शेल्फ लाइफ नियमों के कारण होने वाली दवाओं की अनावश्यक बर्बादी कम होगी। इसके अलावा, इन्वेंट्री प्रबंधन बेहतर होगा, सप्लाई चेन की लागत घटेगी और देश भर में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता मजबूत होगी।इसके अतिरिक्त, सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव केवल आयात के समय लागू होने वाली शेष शेल्फ लाइफ की शर्त से संबंधित है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता से जुड़े अन्य सभी नियम पहले की तरह ही लागू रहेंगे।

गर्मी में तन-मन को ठंडक देता है खस का शरबत, पूरे दिन बनी रहेगी एनर्जी और ताजगी

नई दिल्ली। गर्मी अब अपने पूरे जोर पर है। लू चल रही है और दिनभर के बाद शरीर व मन दोनों थकान से भरे रहते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स की जगह पारंपरिक और सेहतमंद खस का शरबत कई लोगों की पहली पसंद बन रहा है। यह सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं, बल्कि तन और मन दोनों को आराम देने वाला प्राकृतिक उपाय है। खस शरबत गर्मियों के मौसम में ठंडक का पारंपरिक स्वाद माना जाता है। इसकी मनमोहक खुशबू, हल्की मिठास और ठंडक का एहसास पीते ही तरोताजगी भर देता है। पूरे देश के साथ ही खासतौर पर उत्तर भारत में खस शरबत सदियों से घर-घर में लोकप्रिय रहा है। जब बाहर सूरज तप रहा हो, तब एक गिलास खस शरबत दिनभर की थकान, जलन और गर्मी को तुरंत कम कर देता है।

खस की जड़ें प्राकृतिक रूप से ठंडक प्रदान करने वाली मानी जाती हैं। इन्हें पानी में भिगोकर रखने से पानी में ठंडक आ जाती है। यह शरीर के अंदर से गर्मी निकालने में मदद करता है, पसीने से होने वाली कमजोरी को दूर करता है और मन को शांत रखता है। आयुर्वेद में भी खस को गर्मी से बचाव और पाचन सुधारने वाला बताया गया है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए सुरक्षित है।

खस का शरबत बनाने का तरीका भी आसान है। इसके लिए खस की जड़ों को अच्छी तरह साफ करके दो-तीन घंटे पानी में भिगोकर रखें। फिर इस पानी को छानकर उसमें चीनी या गुड़, नींबू का रस और थोड़ी सी इलायची मिलाकर शरबत तैयार कर लें। चाहें तो इसमें पुदीना या सौंफ भी डाल सकते हैं। गर्मी में इसे फ्रिज में रखकर पीने से दोहरी ठंडक मिलती है। बाजार में मिलने वाले रेडीमेड शरबत की जगह घर पर बना शरबत ज्यादा स्वादिष्ट और फायदेमंद होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों में खस शरबत रोज पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है, निर्जलीकरण से बचाव होता है और थकान जल्दी दूर होती है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि स्वाद की दृष्टि से भी बेहद लाजवाब है।

फेक न्यूज और डीपफेक के खिलाफ सेना की मुहिम, फैक्ट-चेक प्लेटफॉर्म किया शुरू

नई दिल्ली। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल रही फर्जी खबरों, भ्रामक सूचनाओं और डीपफेक सामग्री के खतरे के बीच भारतीय सेना ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सेना ने अपने आधिकारिक फैक्ट-चेक सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'मिथबस्टर' के माध्यम से लोगों को सत्यापित और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की है।

भारतीय सेना ने नागरिकों को सतर्क रहने और सेना से जुड़ी किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी पुष्टि करने की सलाह दी है।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आज के सूचना-प्रधान दौर में गलत जानकारी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में सही तथ्यों को समय पर सामने लाना बेहद आवश्यक है। सेना के 'मिथबस्टर' मंच का उद्देश्य भारतीय सेना से संबंधित फर्जी खबरों, दुष्प्रचार, गलत सूचनाओं, भ्रामक दावों और एआई के जरिए तैयार किए गए डीपफेक वीडियो या तस्वीरों की पहचान करना और उनका त्वरित खंडन करना है। इसके माध्यम से लोगों को यह बताया जा सकेगा कि कौन सी जानकारी सही नहीं है या फिर सेना से जुड़ी कौन सी जानकारी भ्रामक व मनगढ़ंत है।

सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि सूचना युद्ध के इस दौर में दुष्प्रचार भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। कई बार सोशल मीडिया पर सेना के अभियानों, गतिविधियों या जवानों से जुड़ी ऐसी सामग्री प्रसारित की जाती है, जो तथ्यों पर आधारित नहीं होती। इससे न केवल आम जनता गुमराह होती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी गलत धारणाएं बन सकती हैं।

गौरतलब है कि कई मौकों पर सेना ने लोगों से अपील की है कि किसी भी खबर, वीडियो या तस्वीर को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांचें। सेना का कहना है कि केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें। भारतीय सेना का मानना है कि जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ही फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, डीपफेक तकनीक और एआई के बढ़ते उपयोग ने गलत सूचनाओं की पहचान को पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। ऐसे समय में भारतीय सेना का यह आधिकारिक फैक्ट-चेक मंच सत्य और तथ्य आधारित जानकारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ दुष्प्रचार के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा।

भारतीय सेना देशवासियों से सजग रहने, सत्यापित जानकारी पर भरोसा करने और सत्य के साथ खड़े रहने का आह्वान करती रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि फर्जी खबरों और भ्रामक प्रचार के खिलाफ सामूहिक रूप से प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सके।

फॉक्सकॉन भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए अतिरिक्त 37.2 मिलियन डॉलर करेगा निवेश

नई दिल्ली। ताइवान के हॉन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर ने अपनी भारतीय इकाई फॉक्सकॉन हॉन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 37.2 मिलियन डॉलर के निवेश को मंजूरी दे दी है। यह कंपनी की लंबी अवधि की निवेश रणनीति के मुताबिक है। यह जानकारी कंपनी की ओर से दी गई।

कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने भारतीय सब्सिडियरी के लगभग 351.73 मिलियन कॉमन शेयरों को 10 रुपए प्रति शेयर की फेस वैल्यू पर सब्सक्राइब करके निवेश करने को मंजूरी दी।

इस लेनदेन की कुल वैल्यू लगभग 37.2 मिलियन डॉलर है।

फाइलिंग में कहा गया है कि यह निवेश पूरी तरह से अपनी सब्सिडियरी कंपनी में पूंजी बढ़ाकर किया जा रहा है और इसका मकसद लंबी अवधि का निवेश करना है। इस लेनदेन के लिए फंड का सोर्स निजी पूंजी है। शेयर सब्सक्रिप्शन के बाद, फॉक्सकॉन सिंगापुर के पास फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड की लगभग पूरी इक्विटी बनी रहेगी। इसमें कुल मिलाकर लगभग 2.82 अरब डॉलर के निवेश के साथ 23.18 अरब से अधिक शेयर शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि इस लेनदेन से उसके बिजनेस मॉडल में कोई बदलाव नहीं होगा। फॉक्सकॉन ने यह भी कहा कि इस लेनदेन में कोई ब्रोकर शामिल नहीं था और डायरेक्टर्स की ओर से कोई असहमति नहीं थी।

इसके अलावा, कंपनी के हालिया फाइनेंशियल स्टेटमेंट के आधार पर, यह निवेश ग्रुप की कुल एसेट्स का 3.55 प्रतिशत और शेयरहोल्डर्स की इक्विटी का 7.72 प्रतिशत है। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस कंपनियों में से एक है और यह भारत में कई फैसिलिटीज में निवेश के जरिए अपनी मैन्युफैक्चरिंग का दायरा बढ़ा रही है।

अप्रैल में, 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की शिपमेंट में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत (साल-दर-साल) की बढ़ोतरी हुई। इसकी वजह निर्यात में 28 प्रतिशत की तेजी और घरेलू बिक्री में 1 प्रतिशत की वृद्धि थी। इसका सबसे अधिक फायदा फॉक्सकॉन हॉन हाई को हुआ; एप्पल की मजबूत शिपमेंट की वजह से इसके निर्यात में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पोषक तत्वों का खजाना शरीफा : फल के साथ बीज और पत्तियां भी फायदेमंद, जानें इसके अनोखे गुण

प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जिनके सेवन से सेहत को भला चंगा रखा जा सकता है। शरीफा या शुगर एप्पल भी ऐसा ही फल है, जो न केवल स्वाद में कमाल बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। मीठे स्वाद और मलाईदार गूदे के लिए मशहूर शरीफा केवल एक स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर यह फल शरीर को एनर्जी देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी पहुंचाता है। खास बात यह है कि इसके फल के अलावा बीज और पत्तियां भी कई तरह से उपयोगी होते हैं।

बिहार सरकार का वन, जल एवं पर्यावरण विभाग शरीफा के गुणों से अवगत कराता है। विभाग के अनुसार, शरीफा के केवल फल नहीं बल्कि इसके बीज और पत्तियां भी उपयोगी होते हैं। इनका इस्तेमाल प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में किया जा सकता है। इससे खेती में रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि यह पौधा कृषि और पर्यावरण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

शरीफा, जिसे सीताफल, आता और शुगर एप्पल के नाम से भी जाना जाता है, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। यही कारण है कि इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी फलों में गिना जाता है। इसके नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं। खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है।

दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए। स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है। भाप में पकी सब्जियों में विटामिन और खनिज अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं। ग्रिल या रोस्ट किए गए खाद्य पदार्थ कम तेल में तैयार हो जाते हैं और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। इसी प्रकार हल्का भूनकर या उबालकर बनाया गया भोजन पाचन के लिए भी बेहतर माना जाता है। इसके अलावा, ताजी सामग्री का उपयोग करना, भोजन को अधिक देर तक न पकाना और आवश्यकता से अधिक नमक तथा चीनी का प्रयोग न करना भी स्मार्ट कुकिंग का हिस्सा है। घर का ताजा बना भोजन हमेशा बाहर के जंक फूड की तुलना में अधिक सुरक्षित और पौष्टिक होता है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिपः भारत ने 7 गोल्ड के साथ जीते कुल 24 मेडल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 24 मेडल अपने नाम किए। जर्मनी के सुहल में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत ने 7 गोल्ड, 8 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए।

भारत के अभियान की शुरुआत जबरदस्त रही। सेजल कांबले ने 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस जूनियर इवेंट में व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता, जबकि हिमांशी ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। इसके बाद सेजल कांबले, वंशिका चौधरी और नव्या बिश्नोई की तिकड़ी ने इसी इवेंट के टीम मुकाबले में गोल्ड मेडल जीतकर चैंपियनशिप में भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, जबकि रोहित कन्यान 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर प्रतियोगिता में विजेता बने। प्राची गायकवाड़ ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला जूनियर इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। इनके अलावा, भारत ने लगातार अच्छा टीम प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष जूनियर टीम और 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

अन्वी राठौड़ ने 10 मीटर एयर राइफल महिला जूनियर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा, जिसके बाद प्रीतम केंद्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। भारत ने 25 मीटर पिस्टल महिला जूनियर टीम और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल जीते और स्टैंडिंग में अपनी टॉप पोजिशन को और मजबूत किया। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर कैटेगरी में, शिवा नरवाल ने सिल्वर और युग प्रताप सिंह राठौड़ ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार डबल-पोडियम फिनिश हासिल की। ??इसके बाद नरवाल ने संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा के साथ मिलकर टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिसके बाद वंशिका चौधरी के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में एक और सिल्वर मेडल हासिल किया।

भारत का सबसे मजबूत प्रदर्शन चैंपियनशिप के आखिरी दौर में देखने को मिला। अभिनव देशवाल ने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट में गोल्ड मेडल जीता, जबकि शाम्भवी श्रवण क्षीरसागर और अभिनव शॉ ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम जूनियर मुकाबले में गोल्ड मेडल हासिल किया।

भारत ने अभिनव देशवाल, जतिन और अभिनव चौधरी के जरिए 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल पुरुष जूनियर टीम इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता। 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल महिला जूनियर इवेंट में, शौर्य दिलीप भार्ने ने सिल्वर मेडल जीता और रिया दुग्गल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

मुकाबले के आखिरी दिन, राज चंद्रा ने 50 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा, जबकि योगेश कुमार, प्रतीक और अभिनव चौधरी ने मिलकर टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। ऐश्वर्या रविचंद्र बालेहोसुर ने 50 मीटर पिस्टल महिला जूनियर इवेंट में कड़े मुकाबले के बाद इंडिविजुअल सिल्वर मेडल जीतकर इस शानदार अभियान का समापन किया।

पीटी उषाः 9 साल की उम्र में स्कूल चैंपियन को हराया, एशियाई खेलों में जीते 11 पदक, 'उड़न परी' पड़ा नाम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पीटी उषा ने ट्रैक और फील्ड खेल की दुनिया में अपनी काबिलियत के बूते वो मुकाम हासिल किया, जिसकी कल्पना हर एथलीट करता है। महिलाओं के बीच इस खेल को लोकप्रिय बनाने में पीटी उषा का अहम योगदान रहा। 9 साल की उम्र में स्कूल चैंपियन को हराकर शुरु हुआ सफर कई बड़ी उपलब्धियों तक पहुंचा।

पीटी उषा का जन्म 27 जून, 1964 को केरल के कोझिकोड जिले के पय्योली गांव में हुआ। उषा का बचपन गरीबी में बिता और एक समय पर उनके पास जूते खरीदने तक के पैसे नहीं हुआ करते थे। पीटी उषा को दौड़ने का शौक स्कूली दिनों से ही था। 9 साल की उम्र में उषा की काबिलियत को पहली बार पहचान मिली। स्कूल में हुई प्रतियोगिता में उषा ने हर किसी को चौंकाते हुए अपने से तीन साल बड़े स्कूल चैंपियन को हरा दिया। उषा ने स्कूल में अपनी पढ़ाई के दौरान ही जिला स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। उषा जहां जाती वहां अपनी दौड़ने की क्षमता के कारण चर्चा का विषय बन जातीं। उषा की प्रतिभा को देखते हुए केरल सरकार ने उन्हें 250 रुपये की छात्रवृति से भी सम्मानित किया। उस दौर और गरीबी में बचपन बिताने वाली उषा के लिए वो 250 रुपये बेहद कीमती थे। इसके बाद ट्रेनिंग और पढ़ाई जारी रखने के लिए उषा ने विशेष स्कूल में अपना दाखिला करवाया।

1976 में नेशनल स्कूल गेम्स में दमदार प्रदर्शन कर उषा कोच ओएम नाम्बियार की निगाहों में आईं और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1980 में पीटी उषा के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई। कराची में आयोजित हुए पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट में उषा ने शानदार प्रदर्शन किया और कुल 4 स्वर्ण पदक जीते।

पीटी उषा इसके बाद 1980, 1984 और 1988 के ओलंपिक में शामिल हुईं। हालांकि, वह देश के लिए पदक लाने से मामूली अंतर से चूक गईं। 1984 में लॉस एंजिल्स में हुए ओलंपिक में उषा ने फाइनल तक का सफर तय किया और वो यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। उषा का सबसे शानदार प्रदर्शन एशियाई खेलों में आया। उन्होंने एशियाई खेलों में देश के लिए कुल 11 पदक जीते, जिसमें 4 स्वर्ण शामिल रहे। इसके साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 23 पदक अपने नाम किए।

महज 20 साल की उम्र में पीटी उषा को सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, 1985 में उन्हें पद्म श्री से नवाजा गया। उषा को उनकी उपलब्धियों के लिए फैंस ने कई नाम दिए। उन्हें 'पायोली एक्सप्रेस', 'भारत की उड़न परी' और 'गोल्डन गर्ल', 'क्वीन ऑफ ट्रैक एंड फील्ड' के नाम से भी जाना जाता है। पीटी उषा को साल 2022 में भारतीय ओलंपिक संघ का अध्यक्ष चुना गया और वह अब तक इस पद पर बनी हुई हैं।

फीफा वर्ल्ड कपः पैराग्वे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया ने हासिल किया नॉकआउट स्टेज का टिकट

विश्व केसरी ■

सांता क्लारा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया और पैराग्वे के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर खत्म हुआ। इस नतीजे के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल कर राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

ऑस्ट्रेलिया का नॉकआउट स्टेज में 4 जुलाई को डलास में ग्रुप जी की उपविजेता से सामना होगा। वहीं, पैराग्वे ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहा। टीम को अब राउंड ऑफ 32 में पहुंचने के लिए बाकी ग्रुपों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। टूर्नामेंट के शेड्यूल के अनुसार, सभी ग्रुप से मिलाकर तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ 8 टीमें नॉकआउट स्टेज में जाएंगी।

मुकाबले के शुरुआती मिनटों से ही ऑस्ट्रेलिया ने गेंद पर नियंत्रण बनाया और लगातार पैराग्वे के डिफेंस पर दबाव डाला। टीम के दाएं फ्लैंक से जॉर्डन बोस, एडेन ओ'नील और क्रिस्टियन वोल्पाटो ने शानदार तालमेल दिखाया और कई अच्छे मूव बनाए। मैच का पहला बड़ा मौका चौथे मिनट में आया, जब क्रिस्टियन वोल्पाटो के शानदार कटबैक पर जैक्सन इरविन ने शॉट लगाया, लेकिन वह गोल में तब्दील नहीं हो सका। पहले हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने कई बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन पैराग्वे की मजबूत डिफेंस टीम के प्रयास को विफल किया। 36वें मिनट में जॉर्डी बोस ने शानदार दौड़ लगाकर एक और मौका बनाया। इसके बाद पहले हाफ के इंजरी टाइम में विंग से आए क्रॉस पर जैक्सन इरविन ने हेडर लगाया, लेकिन वह संतुलन नहीं बना सके और गेंद गोल पोस्ट के साइड से निकल गई। दूसरी ओर, पैराग्वे पहले हाफ में सिर्फ एक शॉट ही लगा सका, जो गोल पोस्ट के बाहर गया। इस तरह पहले हाफ में कोई गोल नहीं लग सका।

दूसरे हाफ में पैराग्वे ने बेहतर शुरुआत की और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। युवा खिलाड़ी जूलियो एन्सिसो ने टीम के हमलों को गति दी और ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस को कई बार चुनौती दी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर ने शानदार बचाव करते हुए पैराग्वे को बढ़त नहीं बनाने दी। मैच के अंतिम चरण में दोनों टीमों ने बदलाव किए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से टेटे येंगी और पॉल ओकोन-एंगस्टलर मैदान पर आए, लेकिन वे भी गोल नहीं कर सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नाम जुड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि, सबसे ज्यादा गोल का बना नया रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■

कैलिफोर्निया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नाम शुक्रवार को दो ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो गई है। विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा गोल होने का रिकॉर्ड फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बन गया है।

यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड ग्रुप डी में अमेरिका और तुर्किये के बीच खेले गए मुकाबले में बना। अमेरिका के डिफेंडर ऑस्टिन ट्रस्टी ने मैच की शुरुआत में गोल कर टूर्नामेंट का 173वां गोल दागा। इसके साथ ही 2022 में हुए कतर वर्ल्ड कप का रिकॉर्ड टूट गया, जहां पूरे टूर्नामेंट के 64 मैचों में कुल 172 गोल लगे। खास बात यह है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में यह रिकॉर्ड सिर्फ 59 मैचों में बना है। इस मुकाबले में 4 और गोल हुए। तुर्किये ने शानदार वापसी करते हुए अमेरिका को 3-2 से हराया और टूर्नामेंट में कुल गोलों की संख्या 177 तक पहुंच गई।

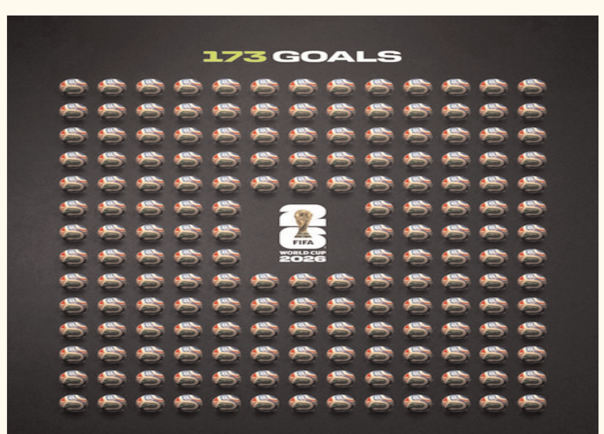

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इतने कम मैचों में नया रिकॉर्ड बनना इस बात का सबूत है कि इस बार टूर्नामेंट में आक्रामक फुटबॉल देखने को मिल रही है। खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और लगातार हो रहे गोल इस वर्ल्ड कप को यादगार बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी नॉकआउट चरण के कई मुकाबले बाकी हैं, इसलिए गोलों की संख्या और बढ़ेगी। इस बार वर्ल्ड कप पहले से बड़ा है, क्योंकि टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 कर दी गई है। इसी वजह से कुल मैचों की संख्या भी 64 से बढ़कर 104 हो गई है, जिससे रिकॉर्ड बनने की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं।

सिर्फ गोल ही नहीं, दर्शकों के मामले में भी इस वर्ल्ड कप ने नया इतिहास रचा है। अब तक 36 लाख 5 हजार 357 से ज्यादा लोग स्टेडियम पहुंचकर विश्व कप के मुकाबलों का लुत्फ उठा चुके हैं। यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी टूर्नामेंट के इस चरण तक का सबसे बड़ा दर्शक आंकड़ा है।

इससे पहले सबसे ज्यादा दर्शकों की मौजूदगी का रिकॉर्ड 1994 वर्ल्ड कप में बना था। उस विश्व कप में ग्रुप चरण के अंत तक करीब 35 लाख लोग स्टेडियम पहुंचे थे। हालांकि, फीफा वर्ल्ड कप 2026 ने उस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इन्फेंटिनो ने कहा कि दुनिया भर से बड़ी संख्या में फैंस का स्टेडियम में आना फुटबॉल के प्रति लोगों के प्यार को दिखाता है। उन्होंने सभी दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि 16 मेजबान शहरों का माहौल शानदार रहा है और यह टूर्नामेंट लोगों को एक साथ जोड़ने का काम कर रहा है।

उन्होंने भरोसा जताया कि अभी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक दौर बाकी है और आने वाले दिनों में कई नए रिकॉर्ड बन सकते हैं। उनके अनुसार सबसे जरूरी बात यह है कि दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक इस आयोजन का आनंद लें और ऐसी यादें लेकर जाएं जिन्हें वे जीवनभर याद रखें। टूर्नामेंट के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड 17 जून को बना था। उस दिन खेले गए चार ग्रुप मुकाबलों को देखने के लिए 2,81,223 दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। यह किसी एक दिन में वर्ल्ड कप मैच देखने आने वाले दर्शकों का नया रिकॉर्ड रहा। इससे पहले यह रिकॉर्ड 1994 वर्ल्ड कप में बना था, जब एक दिन में चार मैचों को देखने 2,77,070 लोग पहुंचे थे।

'सिर्फ वैभव को मौका देने के लिए किसी को ड्रॉप नहीं कर सकते', आयरलैंड टी20 सीरीज से पहले बोले सितांशु कोटक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और आयरलैंड के बीच दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का आगाज शुक्रवार (26 जून) से होने जा रहा है। हर किसी की निगाहें इस बात पर टिकी हुई हैं कि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहले टी20 के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है या नहीं। वैभव को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर बैटिंग कोच सितांशु कोटक का बयान सामने आया है।

सितांशु कोटक का कहना है कि सिर्फ वैभव सूर्यवंशी को मौका देने के लिए टीम मैनजमेंट किसी को ड्रॉप नहीं करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए बैटिंग कोच ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि उन्हें खुद की काबिलियत दिखाने के पर्याप्त मौके मिलेंगे। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि सिर्फ उन्हें मौका देने के लिए हमें किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर कर देना चाहिए जो पहले से ही रन बना रहा हो। यह भी सही नहीं होगा।

बैटिंग कोच ने आगे कहा, 'जाहिर है कि यह टीम मैनेजमेंट पर निर्भर करता है। हम इस मैच में क्या करने का प्लान बनाते हैं। यह एक अलग बात है। हालांकि, मुझे लगता है कि किसी को मौका देने और किसी दूसरे खिलाड़ी के साथ गलत करने के बीच बहुत पतली लाइन होती है।' हालांकि, सितांशु कोटक ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने वैभव को एक लाजवाब खिलाड़ी बताया। सितांशु ने आगे कहा, 'जो खिलाड़ी बीसीसीआई सिस्टम से अंडर 19, भारत ए और एमर्जिंग टूर्नामेंट खेलकर आया है, वो काफी हद तक भारतीय टीम के कल्चर को समझता है। तो ऐसा नहीं है कि उनके लिए बहुत कुछ अलग है। हालांकि, हमने उन्हें आनंद लेने की सलाह दी है। इसके साथ ही हमने उन्हें कहा है कि वह जो भी पूछना या बताना चाहें, वो बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस स्तर के खिलाड़ियों में आमतौर पर परिपक्वता, सही फैसले लेने की क्षमता और खेलने का इरादा बहुत अच्छा होता है। कोच के अनुसार, सबसे जरूरी बात यह है कि वैभव को यह महसूस होना चाहिए कि वह टीम का अहम हिस्सा हैं और उन्हें दूसरी टीमों की तरह इस टीम में भी खुलकर खेलने की आजादी मिली हुई है। ऐसा माहौल होना टीम के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

जावेद अहमद को किया गया जेकेसीए के अध्यक्ष पद से निलंबित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जावेद अहमद किताब को जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला जेकेसीए के एपेक्स काउंसिल के सदस्यों ने मिलकर लिया। एपेक्स काउंसिल के आठ सदस्यों ने जावेद अहमद को पद से हटाने के फैसले का समर्थन किया। हालांकि, उन्हें किस वजह से पद से हटाया गया है इसके बार में कोई जानकारी नहीं दी गई है। जावेद अहमद ने अभी 35 दिन पहले ही अध्यक्ष पद संभाला था। इस फैसले के बाद एक बार फिर जेकेसीए विवादों में आ गया है। जावेद अहमद को पद से हटाने की अधिसूचना जेकेसीए के सचिव ने जारी की।

अधिसूचना में बताया गया है कि मामला अध्यक्ष के आचरण और उनके ही निलंबन से जुड़ा होने की वजह से यह प्रस्ताव जावेद अहमद को नहीं भेजा गया था। हालांकि, इस प्रस्ताव को बाकी 9 सदस्यों के पास भेजा गया, उनमें से 8 सदस्यों ने जावेद अहमद को पद से हटाने पर सहमति जताई। वहीं, एक सदस्य ने इस प्रस्ताव का कोई जवाब नहीं दिया। इसी कारण 8-0 के बहुमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए जावेद अहमद को जेकेसीए के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया गया।

अधिसूचना में बताया गया कि जेकेसीए ने अपने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, जिला इकाइयों और अन्य पदाधिकारियों को इस फैसले को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दे दिए गए हैं। गौरतलब है कि जावेद अहमद ने 22 मई को जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद संभाला था।

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में कमाल का प्रदर्शन किया। पारस डोगरा की कप्तानी में टीम ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार खिताब को अपने नाम किया था। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का सूखा खत्म किया था। टीम ने फाइनल मुकाबले में कर्नाटक को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर हराया था। जम्मू-कश्मीर की तरफ से तेज गेंदबाज आकिब नबी डार का प्रदर्शन लाजवाब रहा था और उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 60 विकेट निकाले थे।

फीफा वर्ल्ड कपः तुर्किये का दमदार प्रदर्शन, रोमांचक मुकाबले में अमेरिका को 3-2 से हराया

विश्व केसरी ■

लॉस एंजिल्स। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में तुर्किये ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान अमेरिका को 3-2 से हराया। हालांकि, तुर्किये पहले ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो चुका था, लेकिन टीम ने जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया।

अमेरिका पहले ही ग्रुप डी में पहले स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना चुका है। ग्रुप में पहला स्थान पक्का होने के कारण अमेरिकी कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने अपनी टीम में कई बदलाव किए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाली टीम की तुलना में उन्होंने 9 खिलाड़ियों को आराम दिया। वहीं, तुर्किये के खिलाड़ी सम्मान के लिए मैदान पर उतरे और पूरे मैच में शानदार जज्बा दिखाया।

मैच की शुरुआत अमेरिका के लिए बेहतरीन रही। 2 मिनट और 13 सेकंड में ऑस्टन ट्रस्टी ने सेबेस्टियन बरहाल्टर के कॉर्नर पर शानदार गोल कर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह अमेरिका की ओर से वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज गोल था। इससे पहले 2014 में क्लिंट डेम्पसी ने घाना के खिलाफ सिर्फ 30 सेकंड में गोल किया था।

0-1 से पिछड़ने के बाद तुर्किये ने शानदार वापसी की। सात मिनट बाद युवा स्टार अर्दा गुलर ने बारिस यिलमाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के साथ गुलर तुर्किये के लिए वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। पहले हाफ में 30 मिनट के खेल के बाद तुर्किये ने दूसरा गोल कर मैच में फिर से बढ़त बना ली। एरेन एल्माली के शानदार पास को बारिस यिलमाज ने गोल में तब्दील करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अमेरिका ने एक बार फिर मुकाबले में वापसी की। 48वें मिनट में सेबेस्टियन बरहाल्टर ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाया, जो गोलकीपर को छकाते हुए सीधा गोल पोस्ट में पहुंचा। इस गोल के साथ स्कोर 2-2 हो गया। बरहाल्टर ने इस मैच में एक गोल और एक असिस्ट किया। इसके साथ ही वह 1966 के बाद वर्ल्ड कप के एक ही मैच में गोल और असिस्ट करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। उनका गोल इस टूर्नामेंट में अमेरिका का आठवां गोल भी था, जो किसी एक वर्ल्ड कप में टीम का नया रिकॉर्ड भी है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415